नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 13
अंक : 05
सोमवार, 27 फरवरी से 05 मार्च 2023
मूल्य : 5 रू प्रति
रू 250 वार्षिक

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM
www.ncrsamacharlive.in
twitter-@ncrsamacharlive

इस्माईल खान

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

अंकिता गुप्ता ने चंडीगढ़ में किया प्रियंका का शानदार स्वागत 12

पैसे की भूख ने भ्रष्टाचार को कैंसर की तरह पनपने में मदद की : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पैसे की भूख ने भ्रष्टाचार को कैंसर की तरह पनपने में मदद की है। न्यायालय ने कहा कि संविधान के तहत स्थापित अदालतों का देश के लोगों के प्रति कर्तव्य है कि वे दिखाएं कि भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। साथ ही वे अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करें।

शीर्ष अदालत ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में धन का समान वितरण कर भारत में लोगों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने का वादा किया गया है, जिसे पूरा करने में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में राज्य के पूर्व प्रधान सचिव अमन सिंह और उनकी पत्नी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त कर दिया था।

न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने उच्च न्यायालय के

आदेश को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की है। पीठ ने कहा, संविधान की प्रस्तावना में, भारत के लोगों के बीच धन का समान वितरण करके सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने का वादा किया गया है, लेकिन यह अभी तक दूर का सपना है। भ्रष्टाचार यदि प्रगति हासिल करने में मुख्य बाधा नहीं भी है, तो निस्संदेह एक बड़ी बाधा जरूर है।

पीठ ने कहा, भ्रष्टाचार एक बीमारी है, जो जीवन के हर क्षेत्र में व्याप्त है। यह अब शासन की गतिविधियों तक सीमित नहीं है, अफसोस की बात है कि जिम्मेदार नागरिक कहते हैं कि यह जीवन का हिस्सा बन गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह पूरे समुदाय के लिए शर्म की बात है कि हमारे संविधान निमार्ताओं के मन में जो ऊंचे आदर्श थे, उनका पालन करने में लगातार गिरावट आ रही है और समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास तेजी से बढ़ रहा है। पीठ ने कहा, भ्रष्टाचार की जड़ का पता लगाने के लिए अधिक बहस की आवश्यकता नहीं है। हिंदू धर्म में सात पापों में से एक माना जाने वाला 'लालच' अपने प्रभाव में प्रबल रहा है। वास्तव में, पैसे की भूख ने भ्रष्टाचार को कैंसर की तरह पनपने में मदद की है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने इससे पहले सिंह और उनकी पत्नी के खिलाफ कथित रूप से आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी रद्द कर दी थी। अदालत के आदेश में कहा गया था कि आरोप प्रथम दृष्टया आशंकाओं पर आधारित हैं, लिहाजा कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए यह प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उचित शर्मा की शिकायत पर फरवरी 2020 में सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं और भारतीय दंड संहिता की धारा 120 (बी) (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन का इस्तीफा

राजकुमार आनंद को मिली सिसोदिया के 10 विभागों की जिम्मेदारी

एनसीआर समाचार

जहां सिसोदिया आबकारी घोटाले के सिलसिले में पांच दिन की सीबीआई रिमांड पर हैं, वहीं सत्येंद्र जैन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले ही कई दिनों से जेल में है।

सुप्रीम कोर्ट से झटका लगने के बाद सीबीआई की गिरफ्त में आने के बाद उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार दोपहर अपने पद से इस्तीफा दिया था। वहीं, कई दिनों से जेल में बंद मंत्री सत्येंद्र जैन ने भी अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भेजा था। मुख्यमंत्री ने अपने दोनों वरिष्ठ मंत्रियों के इस्तीफे भी स्वीकार कर लिए हैं।

इसके बाद आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भले ही दोनों मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है, लेकिन दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी हमेशा उनके साथ खड़ी है।

मनीष सिसोदिया के सभी 18 विभागों को दिल्ली सरकार के मंत्रियों कैलाश गहलोत और

राजकुमार आनंद के बीच बांटा गया है। कैलाश गहलोत को वित्त विभाग की जिम्मेदारी दी गयी है। इसके अलावा उन्हें गृह, जल और पीडब्ल्यू विभाग भी सौंपा गया है। वहीं, राजकुमार आनंद को शिक्षा मंत्रालय के अलावा सिसोदिया के 10 विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सिसोदिया ने अपने त्याग पत्र में कहा है कि उनके खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं और कई मामले दर्ज करने की तैयारी चल रही है। डरा- धमका कर, प्रलोभन देकर तोड़ने के प्रयास में नाकाम रहे हैं तो गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया है। उन्हें जेल जाने का कोई डर नहीं है। लगाए गए आरोपो का सच समय के साथ सामने आएगा और सारे आरोप झूठे साबित होंगे। उनका मानना है कि जेल में डाले जाने के बाद अब उनकी मन्त्री पद पर बने रहने की इच्छा नहीं रह गई है। इसलिए उन्होंने मुख्यमंत्री को त्याग पत्र भेजने की बात कही। साथ ही मुख्यमंत्री से इसे स्वीकार करने का अनुरोध किया। सत्येंद्र जैन ने भी ऐसा ही एक पत्र मुख्यमंत्री को भेजा था। दोनों वरिष्ठ मंत्रियों का इस्तीफा मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने इसे स्वीकार भी कर लिया है।

तीन राज्यों के चुनाव परिणाम घोषितबड़ी पार्टी बनकर उभरी

नगालैंड-त्रिपुरा में खिला कमल, मेघालय में जोड़तोड़ की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी।

पूर्वोत्तर की भूमि ने भाजपा को फिर संबल दिया है, जबकि कांग्रेस एवं वामदलों की संभावनाएं धीरे-धीरे पा?र्श्व में जाती नजर आ रही हैं। आम चुनाव वाले तीन में से दो राज्यों त्रिपुरा एवं नगालैंड में भाजपा गठबंधन को सरकार बनाने के लिए पर्याप्त बहुमत मिल गया है। त्रिपुरा में भाजपा ने 32 सीटों के साथ वापसी की है और नगालैंड में 12 सीटें लाकर अपनी स्थिति बरकरार रखी है। मेघालय में कोई भी दल सरकार बनाने की न्यूनतम संख्या तक नहीं पहुंच पाया है। त्रिशंकु विधानसभा में एनपीपी को 26 सीटें मिली हैं।

नतीजों से बढ़ सकता है भाजपा का हौसला

पूर्वोत्तर के परिणाम से इसी वर्ष होने वाले पांच राज्यों कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं तेलंगाना विधानसभा के आम चुनावों में भाजपा का हौसला बढ़ सकता है। इसी हार-जीत के आधार पर सभी राजनीतिक दल मिशन-2024 की रणनीति पर भी काम कर सकते हैं। नगालैंड में मुख्यमंत्री नेफियू रियो की नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोगेसिव पार्टी ने अपने सहयोगी भाजपा के साथ एक बार फिर चुनावी जीत के साथ अपनी सत्ता बरकरार रखने में कामयाबी हासिल की है।

चुनावी मैदान में थे कुल 611 प्रत्याशी

पूर्वोत्तर के तीनों राज्यों में कुल 611 प्रत्याशी थे। तीनों विधानसभाओं में 60-60 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए किसी भी

दल या गठबंधन को कम से कम 31 की संख्या चाहिए। भाजपा ने पिछली बार त्रिपुरा में 35 और सहयोगी दल (इंडियन पीपुल्स फ्रंट आफ त्रिपुरा) आईपीएफटी ने आठ सीटें जीतकर साथ में सरकार बनाई थी। इस बार भाजपा ने अपने दम पर 32 सीटें जीतकर सरकार बनाने का दावा पुख्ता कर लिया है। उसके सहयोगी आईपीएफटी को सिर्फ एक सीट ही मिल सकी है। वामदलों के लिए परिणाम निराशाजनक रहा। पिछली बार उसे 16 सीटें मिली थीं। इस बार सिर्फ 11 सीटों से संतोष करना पड़ा है।

कांग्रेस को सिर्फ तीन सीटों पर जीत

वामदलों से दोस्ती कर लड़ रही कांग्रेस के लिए सुकून की बात सिर्फ इतनी है कि उसे तीन सीटों पर जीत मिली है, जबकि पिछली बार खाता भी नहीं खुला था। त्रिपुरा में प्रद्योत देबबर्मा के नेतृत्व में नई शक्ति के रूप में उभरे टिपरा मोथा से भाजपा को बड़ी क्षति उठानी पड़ी है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में प्रभावी टिपरा मोथा ने पहली बार लड़ते हुए 13 सीटों पर जीत प्राप्त की है।

नगालैंड में भी एनडीए की जीत

नगालैंड का परिणाम स्पष्ट होते हुए भी ज्यादा विविधता वाला है। यहां भाजपा को 2018 की तरह ही 12 सीटें मिली हैं, जबकि उसके सहयोगी नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) को 25 सीटों पर जीत हुई है। पिछली बार उसे 18 सीटों पर जीत हुई थी। इस बार भी दोनों मिलकर लड़े। भाजपा ने 20 और एनडीपीपी ने 40 सीटों पर प्रत्याशी उतारे और पिछली बार की तुलना में सात सीटें ज्यादा जीती हैं।

नगालैंड में कांग्रेस पूरी तरह साफ

नगालैंड में कांग्रेस पूरी तरह साफ है। शरद पवार की पार्टी राकांपा तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सात सीटें लाई है। बिहार में सक्रिय नीतीश कुमार की पार्टी जदयू को एक और चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) को दो सीटों पर जीत मिली है। चार सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी को भी जीत नसीब हुई है।

मेघालय में जोड़तोड़ की स्थिति

मेघालय में सरकार बनाने के लिए जोड़तोड़ की स्थिति है। कांग्रेस को निराशा हाथ लगी है। पिछली बार उसे 21 सीटें मिली थीं, लेकिन इस बार पांच के आंकड़े तक ही पहुंच पाई। उसने राज्य की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे।

फिर भी पिछली बार की तरह ही उसे दो सीटों से ही संतोष करना पड़ा। मेघालय में कांग्रेस ने तो पुरानी स्थिति को प्राप्त करने के लिए अपने सांसद विनसेंट पाला को भी मैदान में उतारा था। किंतु वह भी नाकाम रहे।

मेघालय में त्रिशंकु विधानसभा के आसार

परिणाम बता रहा कि यहां गठबंधन की ही सरकार बननी है। कोनार्ड संगमा की एनपीपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसे 26 सीटों पर जीत मिली है। पिछली बार से सात सीटें ज्यादा। सरकार बनाने के लिए इसे किसी न किसी दल का सहयोग चाहिए। कोनार्ड ने पिछली बार कांग्रेस को रोकने के लिए अन्य दलों के साथ गठबंधन कर सरकार बना ली थी। बाद में कांग्रेस के सारे विधायक इधर-उधर चले गए थे। इस बार भी कोनराड की नजर कांग्रेस पर हो सकती है।

हिजाब पहनकर परीक्षा देने संबंधी छात्राओं की याचिका पर होली बाद सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी।

उच्चतम न्यायालय कर्नाटक की प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में हिजाब पहनकर वार्षिक परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने की मांगी वाली छात्राओं की एक समूह की याचिका पर होली की छुट्टियों के बाद सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा की पीठ ने शुक्रवार को तत्काल सुनवाई की गुहार ठुकराते हुए कहा कि वह याचिका पर सुनवाई के लिए होली की छुट्टियों के बाद एक पीठ का गठन कर याचिकाकर्ता छात्राओं की अंतरिम गुहार पर विचार करेगी।

याचिकाकताओं की ओर से पेश अधिवक्ता ने इस मामले को विशेष उल्लेख के दौरान उठाते हुए शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई थी। अधिवक्ता ने कहा कि इस मामले को उन्होंने जनवरी और फरवरी में

भी सुनवाई करने की गुहार लगाई थी। पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि वह इस मामले पर होली के बाद सुनवाई कर सकते हैं। इस पर याचिकाकर्ता ने गुहार लगाते हुए कहा कि अगले 09 मार्च से परीक्षा शुरू होनी है। पिछली सुनवाई के दौरान 22 फरवरी को याचिकाकताओं की ओर से अधिवक्ता शादान फरासत ने दावा किया था कि छात्राओं को मार्च की वार्षिक परीक्षाओं में शामिल होना है। छात्राएं हिजाब पहनकर उस परीक्षा में बैठने की अनुमति चाहती हैं। याचिकाकताओं के अधिवक्ता ने कहा कि छात्राओं को पहले ही एक साल का नुकसान हो चुका है। अगर कोई राहत नहीं दी जाती है तो उनका एक साल और बर्बाद हो जाएगा। अधिवक्ता शादान फरासत ने पीठ के समक्ष तर्क देते हुए कहा था कि हिसाब विवाद के कारण इन छात्राओं ने पहले ही अपना स्थानांतरण निजी कॉलेजों में करा लिया था, लेकिन उन्हें परीक्षाओं में शामिल होने के लिए सरकारी कॉलेजों में जाना पड़ता है।

मेरे और कई नेताओं के फोन में पेगासस था : राहुल

लंदन, एजेंसी।

गुप्तचर अधिकारियों ने मुझे सावधान किया

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि उनके और कई अन्य विपक्षी नेताओं के फोन में पेगासस स्पाइवेयर था और गुप्तचर अधिकारियों ने खुद उनसे कहा था कि बातचीत करते हुए वह सावधान रहें क्योंकि उनकी बातों को रिकॉर्ड किया जा रहा है।

राहुल गांधी ने ब्रिटेन के मशहूर शिक्षण संस्थान कैंब्रिज विश्वविद्यालय में दिए व्याख्यान में यह आरोप भी लगाया कि भारत में लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट कर रहे हैं।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी के व्याख्यान का वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर जारी किया है। राहुल गांधी ने इस व्याख्यान में अपनी भारत जोड़ो यात्रा और चीन के संदर्भ में विस्तार से बातचीत की है। उन्होंने भारत में विपक्षी नेताओं की निगरानी किए जाने का उल्लेख करते हुए दावा किया, मेरे फोन में पेगासस था, कई और नेताओं के फोन में भी पेगासस था। गुप्तचर अधिकारियों ने मुझे बताया कि फोन पर बातचीत करते हुए कृपया सावधान रहें क्योंकि हम रिकॉर्ड (आपकी बातों को) कर रहे हैं।

राहुल गांधी का कहना था, हम (विपक्ष)

इस तरह का दबाव लगातार महसूस कर रहे हैं। विपक्ष के खिलाफ मामले दर्ज हो रहे हैं। मेरे खिलाफ कुछ ऐसे आपराधिक मामले दर्ज किए गए जो किसी भी परिस्थिति में आपराधिक मामले नहीं थे।

पिछले साल के मध्य में एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन ने कहा था कि पेगासस स्पाइवेयर का उपयोग कर 300 से अधिक भारतीय मोबाइल फोन नंबरों को निगरानी के लिए संभावित लक्ष्यों की सूची में रखा गया था जिनमें कई नेताओं और पत्रकारों के फोन नंबर भी थे। इसके बाद कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने संसद और संसद के बाहर इस मुद्दे को लेकर सरकार निशाना साधा था और जासूसी करने का आरोप लगाया था।

उच्चतम न्यायालय ने इस मामले की जांच के लिए गत अक्टूबर महीने में विशेषज्ञों की तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था।

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा निकालने के कारण के संदर्भ में कहा जब लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला हो रहा है तो विपक्ष के तौर पर हमारे लिए संवाद करना बहुत मुश्किल हो जाता है।

आरोपों पर भाजपा का तंज

राहुल के 'मतिभ्रम' पर हम क्या कह सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस आरोप का मजाक उड़ाया कि उनकी जासूसी की जा रही है। पार्टी ने दावा किया कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ह्यभ्रमितह्ल हैं और इस प्रकार के दावे इसलिए करते हैं क्योंकि वह जहां भी जाते हैं, वहां सुर्खियां बटोरना चाहते हैं। भाजपा प्रवक्ता टॉम वडक्कन ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, हम राहुल गांधी के मतिभ्रम के लिए क्या कह सकते हैं। अगर वह चीन के साथ अपने (कांग्रेस के) समझौता ज्ञापन को सार्वजनिक करते हैं, तो हमें भी दिलचस्पी होगी और भारत के लोग भी जानना चाहेंगे। उन्होंने कहा, टेलीफोन पर हुई उनकी बातचीत में कौन दिलचस्पी रखता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान के दौरान गांधी ने आरोप लगाया कि भारतीय लोकतंत्र खतरे में है और उनके सहित कई नेताओं की निगरानी की जा रही है।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय:
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली-62
फोन:
8888883968,
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर इस साल की थीम है 'डिजिटऑल: लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी'

एनसीआर समाचार

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 100 से भी अधिक सालों से मनाया जा रहा है। महिला दिवस वैसे तो हर दिन ही मनाना चाहिए, क्योंकि एक महिला अपने जीवन में हर रोज ही संघर्ष करती है। हर दिन कुछ नया करने की कोशिश में रहती है।

महिला दिवस मनाने का एकमात्र कारण है महिलाओं को उनके हक का सम्मान देना जोकि किसी भी दिन दिया जा सकता है।

भारत के इतिहास को अगर पलटकर देखा जाए तो कई ऐसी वीरांगनाओं की कहानी, किरदार हमे देखने को मिलते है जिन्होंने देश के लिए अपनी कुबार्नी दे दी।

उनका किरदार कुछ ऐसा था जिसे आने वाली कोई भी पीढ़ी भुला नहीं पाएगी और वीरता के उदाहरण के रूप में सदैव याद करेगी।

भारत देश की वीरांगनाओं की सूचि अगर देखें तो काफी लम्बी नजर आएगी, क्योंकि हर नारी शक्ति का रूप होती है और हर नारी कोई न कोई ऐसा कार्य अपने जीवन में जरूर करती है जिससे उसका नाम आने वाले समय में याद रखा जाए।

पहली बार कब मनाया गया था अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस?

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर वर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है। पहली बार साल 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विट्जरलैंड में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया था। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की इस बार की थीम है 'डिजिटऑल: लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी' है।

कृष्ण के धाम की होली क्यों होती है खास?

जाने इस होली पर पूजन और रंग खलने का सही मुहूर्त

एनसीआर समाचार

होली के त्योहार की शुरूआत लगभग एक महीने पहले से ही मथुरा, वृन्दावन, गोकुल, नंदगांव और बरसाने में हो जाती है। पूरी की पूरी कृष्ण की नगरी हर दिन अलग अलग चीजों से होली खेलती है। कभी फूलों की, कभी लड्डूओं की, कभी लठमार होली तो कभी रंग और गुलाल की होली।

कृष्ण के धाम में जाकर होली खेलने का सपना सभी देखते है। श्रद्धालु होली के नजदीक आते ही कृष्ण के धाम की ओर रुख कर लेते है और फिर वहां रूककर कई- कई दिनों तक होली का आनंद लेते है।

होली महज रंगों का त्यौहार नहीं है। होली से हिन्दुओं की भावनाएं और भगवान के प्रति श्रद्धा जुडी हुई है। इसके पीछे पौराणिक कथाएं है। विष्णु भक्त प्रह्लाद को जब हिरण्यकशिपु की बहन होलिका जान से मारने के लिए अग्नि में बैठ गई थी तो वरदान होने के बाद भी वह जलकर भस्म हो गई और विष्णु भक्त प्रह्लाद को खरोंच तक नहीं आई। उसके बाद से ही बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में होली का त्योहार मनाया जाने लगा और होली से एक रात पहले लोग होलिका दहन करने लगे जिसमे वो अपने अंदर की बुराई को जलाते है।

महावीर इंटरनेशनल स्पर्श संस्था के नेतृत्व में जय अम्बे समिति वृद्धा आश्रम में होली स्नेह मिलन समारोह कार्यक्रम हुआ आयोजित

एनसीआर समाचार

महावीर इंटरनेशनल स्पर्श संस्था की चेयरपर्सन ऊषा जैन के द्वारा जय अम्बे सेवा समिति वृद्धाश्रम कोटड़ा अजमेर में होली स्नेह मिलन समारोह और स्नेह भोज कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नितिन जैन, विशिष्ठ अतिथि पीयूष सुराणा,अतिथि कपिल माहेश्वरी रहे। समाज सेवी पीयूष सुराणा ने बुजुर्गो और माता पिता को भगवान का रूप बताते हुए कहा की बुजुर्गो की सेवा ही सच्ची सेवा है,आप सभी बुजुर्गो का आशीर्वाद ही हम सब को उन्नति के शिखर पर पहुंचाता है। मुख्य अतिथि समाज सेवी एवम पार्षद नितिन जैन ने कहा की आज मेरा सौभाग्य है की मैं आप बुजुर्गो के बीच आया हूं और मुझे आप लोगो से आशीर्वाद मिला। और आगे से मैं आप लोगो की सेवा में सदा तत्पर रहूंगा। कार्यक्रम के दौरान नितिन जैन,पीयूष सुराणा,कपिल माहेश्वरी, ऊषा जैन, महेंद्र कुमार जोशी ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गो को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के पश्चात वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्ध जनों को अपने हाथो से भोजन करवाया और आशीर्वाद लिया। ऊषा जैन ने आए हुए अतिथियों का माला पहनाकर सम्मान किया और कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार प्रकट किया।

उत्तराखंड: पितौडगढ़ पुलिस ने फर्जी आईडी बनाने वाले गिरोह का किया पदार्फाश

एनसीआर समाचार

उत्तराखंड में 10 मई 2022 को थल निवासी एक युवती द्वारा थाना थल में तहरीर दी गई थी कि एक व्यक्ति द्वारा इन्स्टाग्राम पर उक्त युवती की फर्जी आई0डी0 बनाकर उसकी आपत्तिजनक फोटो वॉयरल कर अपशब्दों का प्रयोग किया जा रहा है। तहरीर के आधार पर थाना थल में धारा- 354 (D) भा0द0वि0 व 67 IT Act के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था, जिसकी विवेचना प्रभारी निरीक्षक कोतवाली डीडीहाट, हिमांशु पंत द्वारा की जा रही थी।

पुलिस अधीक्षक महोदय पिथौरागढ़, लोकेश्वर सिंह के आदेशानुसार, उक्त प्रकरण में अभियुक्त की त्वरित गिरफ्तारी हेतु गठित टीम द्वारा विवेचना के दौरान साइबर सैल की मदद से पतारसी- सुरागरसी करते हुए प्रकाश में आये अभियुक्त, नरेन्द्र सिंह धामी पुत्र जगत सिंह धामी, निवासी- मकनधार रांथी थाना धारचूला जिला पिथौरागढ़ उम्र- 26 वर्ष, को दिनांक- 28.06.2022 को करनाल हरियाणा से गिरफ्तार कर धारा- 41(क) सी0आर0पी0सी0 का नोटिस तामील कराया गया था।

अभियुक्त द्वारा पुनः उक्त अपराध करने पर 1 मार्च को कोतवाली डीडीहाट पुलिस द्वारा अभियुक्त को ग्राम मकनधार रांथी से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय डीडीहाट में पेश करने के पश्चात न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

टीम में शामिल अधि0 /कर्म0 गण

1. श्री हिमांशु पंत- प्रभारी निरीक्षक कोतवाली डीडीहाट/(विवेचक)
2. हेड का0 प्रदीप गिरी
3. का0 दिनेश जोशी
4. का0 जगमल सिंह

खरगापुर गर्ल्स हाई सेकेंडरी स्कूल परीक्षा केंद्र के छात्र दीपक रैकवार ने लगाया पेपर लीक होने का दवा

एनसीआर समाचार

खरगापुर गर्ल्स हाई सेकण्डरी स्कूल मे छात्र दीपक रैकवार ने पेपर लिक का दावा किया है। हिंदी विषय का पेपर बारहवीं कक्षा के छात्र दीपक रैकवार ने लीक होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा सुबह जब मोबाइल पर 6:00 बजे मैसेज आया बारहवीं कक्षा हिंदी के पेपर का था। जब पेपर देने के लिए गया, पेपर देने के बाद जब मैंने हिंदी के पेपर का मिलान किया तो वह वैसा ही पेपर था। मैंने इसकी शिकायत तहसीलदार राजेंद्र कुमार मिश्रा से की तो उन्होंने कहा मैं की जांच कर आता हूं। जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा की जीत, पार्टी दफ्तरों में जश्न का माहौल, 2024 के चुनाव पर पड़ेगा असर

एनसीआर समाचार

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन देख यह स्पष्ट हो गया है की जीत भाजपा की होगी। पूरे देश में भाजपा का शासन है ऐस में ये बहुत मायने रखता है कि, देश में होने वाले हर एक चुनाव में भाजपा की ही जीत हो। 2024 का लोकसभा चुनाव अब ज्यादा दूर नहीं है ऐसे में बीजेपी का हर राज्य में अपनी पार्टी की पकड़ बनाए रखना बेहद जरूरी है। त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड के विधानसभा चुनाव के परिणाम आज घोषित होंगे।

आपको बता दें कि, 2 भाजपा 3 में से 2 राज्यों में अपनी बढ़त बनाए हुए है और इस बात की पूरी सम्भवना है की इस चुनाव का परिणाम भाजपा के हक में ही होगा। भाजपा की जीत उनकी बढ़त से साफ-साफ दिखाई दे रहा है।

भाजपा के समर्थकों में खुशी की लहर देखि जा सकती है, उन्हें इस बात की पहले से ही पूरी उम्मीद थी कि, कोई भी पार्टी चाहे कितनी ही कोशिश क्यों न कर ले, लेकिन भाजपा को पछाड़ नहीं सकती और वही हुआ। जीत की ओर बढ़ती भाजपा के कार्यालयों में जश्न की शुरूआत हो चुकी है।

वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की छात्रा का मिला शव, परिजनों में कोहराम मच गया

एनसीआर समाचार

ओडिशा के संबलपुर जिले में वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वीएसएसयूटी), बुरला की छात्रा का शव, जिसकी कथित तौर पर मंगलवार रात बिजली चैनल पुल से कूदने के बाद मौत हो गई थी, बुधवार को जलाशय से निकाली गई।

पुलिस ने उसके सहपाठी, एक लड़के को इस सिलसिले में हिरासत में लिया, क्योंकि परिवार के सदस्यों को गुंडागर्दी का संदेह था। छात्रा की पहचान चिन्मयी प्रियदर्शिनी साहू (20) के रूप में हुई है, जो बी.टेक की छात्रा है, मंगलवार को अपने सहपाठी के साथ झगड़े के बाद पावर चैनल पुल से कूद गई थी।

सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग की छात्रा चिन्मयी ने मंगलवार को विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लिया और अपनी डिग्री प्राप्त की।उसने मंगलवार को हमसे बात की और वह खुश थी। वह भुवनेश्वर अपने घर लौटने वाली थी। चिन्मयी के पिता ने आरोप लगाया कि उसकी हत्या कर दी गई और उसे बिजली के नाले में फेंक दिया गया।

वीएसएसयूटी के कुलपति प्रो. बंसीधर माझी ने संवाददाताओं से कहा, मुझे हादसे के बारे में देर रात जानकारी मिली और मैंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। आरोपों के बाद पुलिस ने लड़की के सहपाठी प्रीतिमान डे को हिरासत में ले लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रीतिमान और चिन्मयी दोनों मंगलवार शाम बिजली चैनल के पास गए थे। लेकिन मुलाकात के दौरान वहां क्या हुआ, इसकी जांच पुलिस कर रही है।

पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट ने थोड़ी सी छूट के साथ समय पर चुनाव कराने का दिया आदेश

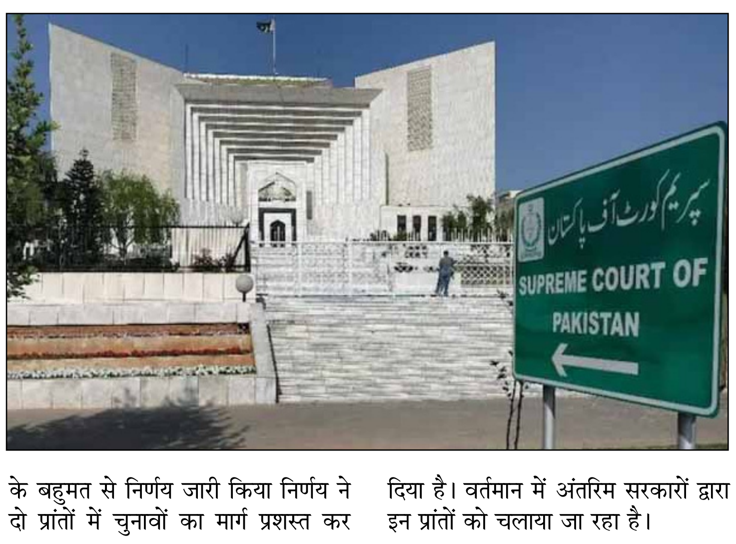

इस्लामाबाद, एजेंसी। पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में चुनावों को लेकर चली लंबी खींचतान के बाद पाकिस्तान की शीर्ष अदालत ने दोनों प्रांतों में संविधान के मुताबिक 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने का आदेश दिया है। अदालत ने दोनों प्रांतों में चुनाव की तारीख की घोषणा में देरी के संबंध में पिछले हफ्ते खुद ही संज्ञान लेकर कार्यवाही शुरू की थी।

पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा विधानसभाओं को 14 और 18 जनवरी को इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने देश में समय से पहले आम चुनाव कराने के लिए भंग कर दिया था। मुख्य न्यायाधीश उमर अता बांदियाल की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने तीन के बहुमत से निर्णय जारी किया निर्णय ने दो प्रांतों में चुनावों का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। वर्तमान में अंतरिम सरकारों द्वारा इन प्रांतों को चलाया जा रहा है।

अदालत ने यह भी फैसला सुनाया कि नौ अप्रैल को चुनाव कराने के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के आदेश पंजाब विधानसभा के लिए बाध्यकारी होंगे, लेकिन खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के लिए नहीं, क्योंकि बाद में राज्यपाल द्वारा भंग कर दिया गया था, जबकि पूर्व नहीं था। शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि अगर राज्यपाल ने विधानसभा को भंग कर दिया, तो राज्यपाल चुनाव की तारीख की घोषणा करेंगे।

शीर्ष अदालत ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के गवर्नर को प्रांतीय चुनाव की तारीख की घोषणा करने का आदेश दिया। फैसले में कहा गया है कि राष्ट्रपति और पाकिस्तान के चुनाव आयोग को परामर्श के बाद पंजाब के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करनी चाहिए। पीठ ने मंगलवार को सत्तारूढ़ गठबंधन, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई), राष्ट्रपति और अन्य के वकीलों के वकीलों सहित सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले का निष्कर्ष निकाला।

अदालत का फैसला इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई के लिए एक नैतिक जीत है जिसने जल्द चुनाव की मांग की थी। इस्लामाबाद में गठबंधन सरकार पर दबाव बनाने के लिए, पूर्व प्रधान मंत्री खान, जिनकी पार्टी पंजाब और खैबर-पख्तूनख्वा में सत्ता में थी, इमरान सरकार ने दो विधानसभाओं को भंग कर दिया था। वहीं प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली संघीय सरकार प्रांतीय चुनावों में देरी करने और उन्हें अगस्त के बाद होने वाले संसद के आम चुनावों के साथ आयोजित करने की कोशिश कर रही है।

एक नजर

अजमेर में फाग उत्सव का रंगारंग कार्यक्रम से हुआ प्रारम्भ

एनसीआर समाचार

राजस्थानः अजमेर में आज सिविल कोर्ट अजमेर में जिला बार एसोसिएशन की और से बुरा ना मानो होली है के पोस्टर विमोचन के साथ होली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आगाज हुआ, जिसमें सभी न्यायिक जज व अधिवक्ता उपस्थित रहे। सभी अधिवक्ताओ ने गाने की धुनो के साथ ताल से ताल मिलाया। बार अध्यक्ष मोहन सिंह राठौड़ ने बताया की मेरे कार्यकाल में ये दूसरी बार कार्यकम आयोजित होने जा रहा है। ऐसे बेमिसाल कार्यक्रम में एडवोकेट तरुणा जांगिड़ ने भी शिव तांडव पर निरत्य की प्रस्तुति दी जिस पर सभी दर्शकों ने तालियां बजाकर अभिनन्दन किया।

मां ने अपने मासूम बेटे को बेरहमी से उतारा मौत के घाट, फिर खुद को भी चाकू से गोदकर किया घायल

एनसीआर समाचार

मां ने अपने मासूम बेटे को बेरहमी से उतारा मौत के घाट, फिर खुद को भी चाकू से गोदकर किया घायल कुशीनगर के अहिरौली थाना क्षेत्र सिंदुरिया में गुरुवार को दिल दहला देने वाली घटना प्रकाश में आई हैं।जिले के पुलिस अधीक्षक धवल जायसल ने वीडियो बाइट जारी कर बताया हैं कि गुरुवार की सुबह करीब आठ बजे थाना अहिरौली बाजार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सेन्दुरिया में 04 वर्षीय बच्चे की आरोपी मां द्वारा हत्या कर दी गई है, बच्चें की जिद पर गुस्साई मां ने पुत्र को चाकू से गोद कर हत्या कर दी है।पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंचकर घटना का स्थलीय निरीक्षण कर परिजनों से बात-चीत कर स्थिति की जानकारी ली गयी तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक,क्षेत्राधिकारी कसया, प्रभारी निरीक्षक अहिरौली बाजार, पीआरओ0 व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहें।

हिमाचल प्रदेश: आबकारी विभाग ने कत्था इकाई में 96.84 लाख रुपये की स्टॉक भिन्नता पाई

एनसीआर समाचार

राज्य कर एवं आबकारी आयुक्त यूनुस ने आज यहां बताया कि अतिरिक्त आयुक्त राज्य कर एवं आबकारी, दक्षिण क्षेत्र (शिमला) के निरीक्षण में सहायक आयुक्त राज्य कर एवं आबकारी पांवटा साहिब-1 और अन्य अधिकारियों की टीम ने सिरमौर जिला में एक कत्था इकाई का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इकाई के विस्तृत निरीक्षण और भौतिक सत्यापन के दौरान 96.84 लाख रुपये की स्टॉक भिन्नता का पता चला है। करदाता ने भिन्नता को स्वीकार किया और 20,04,590 रुपये की राशि स्वेच्छा से जमा करवा दी है। इस मामले में आगे की कार्यवाही एचपी जीएसटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत की जाएगी। उन्होंने बताया कि, राज्य कर एवं आबकारी विभाग कर चोरी के मामलों का पता लगाने के लिए कड़ी निगरानी रख रहा है। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कड़े दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने जारी किए निर्देश, कलेक्टर चलाएंगे विशेष अभियान

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश के जिलो में मेंमिलावटी नकली दूध और मिलावटी नकली दूध से बना मावा पनीर आदि दुग्ध उत्पादकों का निर्माण संग्रह और विक्रय करने वाले कारोबारियों के विरुद्ध विशेष अभियान संचालित कर कार्यवाही करने के लिए राज्य शासन द्वारा निर्देश दिए गए हैं। आयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन डॉक्टर सुदाम खाडे ने दिया है कि नकली मिलावटी दूध और इससे बने अन्य दुग्ध उत्पादकों रोकथाम के लिए सभी जिला कलेक्टर विशेष अभियान चलाएं। अभियान शुरू शाजापुर कलेक्टर दिनेश जैन ने इस संबंध में सीएमएचओ डॉ आर नीदारिया को निर्देश दिए है कि वे अधीनस्थ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के माध्यम से अभियान तत्काल शुरू करें और रिपोर्ट दे अभियान की समीक्षा प्रति सोमवार टीएल बैठक में की जाएगी।

सुबीर तालुका के बरडा गांव में गैस सिलेंडर फटने से एक घर में लगी आग

एनसीआर समाचार

डांग जिले में स्थित बरडा गांव में गैस सिलेंडर फटने से एक घर में आग लग गई। घटना की जानकारी के अनुसार बरडा गांव में एक किसान परिवार शाम के समय अपने घर में खाना बना रहा था, जब अचानक घर में गैस सिलेंडर फट गया। जिससे घर में आग लग गई, आसपास के लोगों को पता चला तो लोग किसान परिवार के घर पहुंचे।

पश्चिम दिल्ली के डीसीपी से जीके के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने की मुलाकात

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने गए दिल्ली के सिख विधार्थियों के अभिभावकों को दिल्ली पुलिस द्वारा परेशान करने की खबरों के बीच जागो पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। जागो पार्टी के अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने दिल्ली के बच्चों को शिक्षा तथा रोजगार संपन्न बनाने के लिए भारत सरकार को महाराजा रणजीत सिंह के राज की शिक्षा व न्याय व्यवस्था का अध्ययन करके उसे लागू करने के यत्न करने की अपील की है ।ताकि भारतीय बौद्धिक संपदा के विदेशों को हो रहे पलायन को रोककर भारत को विश्व गुरु बनाने का मोदी का संकल्प पुरा हो सकें।

जीके ने मोदी को दिल्ली पुलिस को सिख बच्चों को संदेह की दृष्टि से देखने की शुरू की गई प्रवृत्ति को तुरंत रोकने का तत्काल आदेश जारी करने की मांग भी की है। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस के पश्चिमी जिले के डीसीपी श्री घनश्याम बंसल से मुलाकात करके जीके ने एक ज्ञापन भी सौंपा है। जीके के साथ दिल्ली कमेटी सदस्य परमजीत सिंह राणा, सतनाम सिंह, जागो पार्टी के मुख्य महासचिव परमिंदर पाल सिंह तथा जागो पार्टी के नेता जतिंदर सिंह बोबी ने डीसीपी को सिख अभिभावकों के मनों में संशय ना पैदा करने की अपील की। डीसीपी ने बताया कि यदि कोई ऐसी बात है तो वो पता करेंगे, यदि आपके पास फिर भी कोई शिकायत आती है तो आप एसीपी तिलक नगर से मुलाकात कर सकते है, मैंने उन्हें इस संबंधी जिम्मेदारी लगाई है।

अपने पत्र में जीके ने प्रधानमंत्री को बताया है कि सिख हितों के लिए कार्यशील तथा तत्पर रहने की जागो पार्टी की नीतियों के कारण हमारे पास कुछ शिकायतें पहुंची हैं। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के द्वारा पश्चिम दिल्ली के उन सिख परिवारों के घरों में दस्तक दी जा रही हैं, जिनके बच्चे विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए गए हुए हैं। उन बच्चों के अभिभावकों से दिल्ली पुलिस के द्वारा बच्चों के मोबाइल नंबर उनका पता मांगा जा रहा हैं। जबकि विदेशों में पढ़ाई के लिए गए सभी बच्चों की सारी जानकारी भारत सरकार के पास एक कंप्यूटर क्लिक पर उपलब्ध है। दिल्ली पुलिस की इस अनैतिक तथा बेवजह प्रताड़ना की वजह से अभिभावकों में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर गंभीर चिंता तथा डर का माहौल पाया जा रहा हैं।

प्रधानमंत्री जी, मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि सरकारी नौकरियों में सिखों की नाममात्र संख्या, भारत में उच्च शिक्षा में खचीर्लापन होने के बावजूद रोजगार की गारंटी नहीं होना तथा अपने उज्जवल भविष्य की चिंता दिल्ली के सिख बच्चों को विदेशों में पढ़ने का मूल कारण बन रहीं है। पिछले लगभग 2 दशकों से दिल्ली के सिखों को सरकारी नौकरियां नाममात्र मिली हैं। हमारी खोज में पता चला है कि दिल्ली पुलिस, दिल्ली फायर ब्रिगेड, दिल्ली नगर निगम तथा दिल्ली की जिला अदालतों, हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट सहित अधिकांश सरकारी दफ्तरों में हरियाणा के लोगों का नौकरियों में दबदबा हैं। जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अन्य सरकारी विश्वविद्यालयों की नौकरियों में उत्तर प्रदेश तथा बिहार के लोगों का कब्जा हो गया है। इसका सबसे बड़ा कारण इन प्रदेशों के उच्च अधिकारियों के द्वारा अपने प्रदेश के लोगों को नौकरियों में गैर पारदर्शी तरीके से तवज्जो देना बताया जाता है। यहीं कारण है कि दिल्ली के होनहार सिख बच्चे बौद्धिक तौर पर संपन्न होने के बावजूद विदेशों में पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। जिस वजह से दिल्ली के मध्यम वर्गीय सिख परिवार अपने जिगर के टुकड़ों को अपनी सारे जीवन की जमा पूंजी खर्च करके या बैंकों से स्टडी लोन लेकर विदेशों में भेजने के लिए मजबूर हो रहे हैं। इन प्रतिकूल परिस्थितियों में यदि दिल्ली पुलिस इन्हें मानसिक तनाव देती है, तो यह मानसिक प्रताड़ना से कम नहीं है। विदेशों में गए ज्यादातर बच्चे अपने आराम को नजरंदाज करके अपने रोजाना खर्च के लिए वहां अल्प अवधि की नौकरियां भी कर रहे हैं। ऐसे में बजाएं उनको हौसला देने के उनके अभिभावकों को तंग करना ठीक नहीं हैं।

कोई समय था जब महाराजा रणजीत सिंह के राज में 100 फीसदी साक्षरता थी। विदेशी लोग पंजाब में नौकरियां करने आते थे। परन्तु अब इसके उल्टा हो रहा है। अंग्रेजी लेखक ओसबर्न जब 1838 में महाराजा रणजीत सिंह के दरबार में आए थे तब उन्होंने देखा था कि महाराजा के दरबार में विदेशी फ्रैन्किश अधिकारियों में इटालियन, ग्रीक, फ्रेंच, अंग्रेज, जर्मन, रूसी, स्कॉट्स और एंग्लो-इंडियन वहां नौकरी करते थे।

इसके अलावा इतिहासिक हवाले मिलते है कि उस समय पंजाबी, अरबी और फारसी भाषा बोली जाती थी तथा लाहौर शहर के बाजार हकीमां में शिक्षा के लिए छात्रवृति प्रदान करने का एक शिक्षण संस्थान था। जिसमें उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले गरीब छात्रों को छात्रवृत्ति और सहायता दी जाती थी। 1799 में गुजरांवाला को छोड़कर जब महाराजा रणजीत सिंह ने लाहौर को राजधानी बनाया था तो प्रारंभिक शिक्षा सभी के लिए अनिवार्य कर दी थी। अंग्रेज लेखक प्रो. लिटनर ने अपनी पुस्तक "द हिस्ट्री ऑफ इंडिजेनुअस एजुकेशन इन पंजाब" में खुलासा किया था कि "1849 में जब पंजाब अंग्रेजों के कब्जे में आया था, तब पंजाब में शिक्षा व्यवस्था बहुत अच्छी थी। पंजाब ने अपनी अलग शिक्षा व्यवस्था स्थापित कर ली थी। पंजाब में ऐसा कोई गुरुद्वारा, मंदिर या मस्जिद नहीं था जिसमें स्कूल न हो।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दी अनोखी सजा, कहा- पौधरोपण कर 10 साल तक करें देखभाल

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आपसी विवाद के एक मामले में 10 आरोपियों को घर के आसपास 10 पेड़ लगाने और उन पेड़ों की 10 साल तक देखभाल करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने आरोपियों को यह सजा सुनाते हुए उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया. मामला 2017 से जुड़ा है, जब दोनों पक्षों के बीच सुअर पालन को लेकर झगड़ा हो गया था. इसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी. मामले में आरोपियों ने एक दूसरे पर महिलाओं के साथ छेड़खानी करने और झगड़ा करने जैसी धाराओं में केस दर्ज कराया था.

न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की एकल पीठ ने 21 फरवरी को आदेश पारित किया. अपने आदेश में उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदक अपने क्षेत्र में 10 पेड़ लगाएं और 10 साल तक उनकी देखभाल करें. उन्होंने कहा कि संबंधित जांच अधिकारी से चर्चा कर इन व्यक्तियों के घरों के पास पौधे रोपे जाएंगे. यह अधिकारी एमसीडी के उद्यानिकी विभाग की सलाह पर आवेदकों को जगह-जगह पेड़ लगाने की जानकारी देगा. चार सप्ताह में बोवनी करने के निर्देश कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकताओं की अपराधिक पृष्ठभूमि ना होने के चलते उन पर कोई मौद्रिक जुमार्ना नहीं लगा रही है, लेकिन उन्हें चार सप्ताह के भीतर इन पेड़ों को लगाना होगा. दिल्ली पुलिस ने आरोपी (याचिकाकताओं) के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला

स्वास्थ्य मंत्री ने एलएनजेपी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री राजकुमार आनंद ने शुक्रवार को लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों और ओपीडी का दौरा किया और यहां इलाज करा रहे मरीजों से मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी के साथ अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर भी पूछा। स्वास्थ्य मंत्री ने स्टाफ को निर्देश दिया कि इलाज के लिए आने वाले लोगों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिले यह सुनिश्चित करें। साथ ही अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था को और बेहतर करने को कहा।

स्वास्थ्य मंत्री ने निशुल्क दवा काउंटर पर मरीजों और उनके परिजनों से व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से किए जा रहे दावों की हकीकत जानी। साथ ही दवा काउंटर पर भीड़भाड़ को मैनेज करने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था कराने के निर्देश दिए, ताकि अस्पताल में आए लोगों को दवा लेने के लिए ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के लिए स्वास्थ्य प्राथमिकता का क्षेत्र है। इसलिए लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों को दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता परखने के लिए खुद वहीं भोजन खाया। उन्होंने कहा कि मरीजों की सेवा भगवान की सेवा है। मरीजों के साथ मधुरता से व्यवहार किया जाए तो आधा रोग तो वैसे ही दूर हो जाता है, उनके साथ सेवाभाव से व्यवहार किया जाना आवश्यक है। अस्पताल में मरीजों को मिलने वाले आहार में क्वालिटी से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

आनंद ने कहा कि केजरीवाल सरकार का उद्देश्य दिल्ली के हर सरकारी अस्पताल को केवल प्राइवेट अस्पतालों से बेहतर बनाना भर नहीं है, बल्कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों को पूरे देश में सबसे बेहतरीन अस्पतालों में से एक बनाना भी है। दिल्ली के नागरिक विश्वस्तरीय सुविधाओं के हकदार हैं और हम इसे हकीकत में बदल रहे है।

सुल्तानपुरी की झुग्गियों में भीषण आग, आठ लोग झुलसे

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। सुल्तानपुरी स्थित पुठ कलां इलाके में बीती रात डेढ़ एकड़ में फैली झुग्गी बस्ती में लगी आग ने पूरी बस्ती को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में आठ लोग जहां झुलस गए। वहीं तीन से चार मवेशियों की आग की चपेट में आने से मौत हो गई।

दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर घंटों की मशक्कत के बाद काबू पाया। आग पर काबू करने के लिये पुलिस ने रोबोट का भी इस्तेमाल किया। जिसकी सहायता से आग पर जल्दी काबू करने में काफी सहायता मिली। पुलिस मामला दर्ज कर आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि झुलसे लोगों की पहचान सूरजमल, कपूर, सागर, पप्पू बबलू, कवर सिंह, राज सिंह, चांद के रूप में हुई है। डॉक्टरों ने सभी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस कंट्रोल रूम को रात 12 बजकर 13 मिनट पर सूचना मिली कि सुल्तानपुरी वाली गली,आगरा पेठा, पुठ कलां कि झुग्गीबस्ती में आग लगी है।

पुलिस जब मौके पर पहुंची, आसपास के लोगों ने छत पर से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। आग में कई सिलेंडर ब्लास्टर होने पर आग काफी तेजी से फैली। लोग अपनी जान बचाने के लिए एक ही छोटे और कम चौड़े रास्ते से भागकर अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहे थे।

दमकल की 21 गाडि?ों ने मौके पर पहुँचकर तडके चार बजकर 19 मिनट पर आग पर पूरी तरह से काबू पाया। डिवीजन फायर ऑफिसर ए.के. जेसवाल ने बताया कि आने जाने का एक ही रास्ता होने के कारण गाड़ियों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। आग पर चारों तरफ से पानी डालकर आग बुझाई गई। अंदर नहीं जाने पर रोबोट का भी सहारा लेना पड़ा था।

सर्च ऑपरेशन में काफी जला हुआ सामान बरामद हुआ। जिसमें घरेलू सामान ज्यादा है। आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि 2016 में भी यहीं पर आग लगी थी।

केजरीवाल को गद्दी छोड़ घर-घर जा माफी माँगनी चाहिए : अनिल चौधरी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने बयान जारी कर कहा कि बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की है कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर अपने भ्रष्ट मंत्रियों की ईमानदारी का सर्टिफिकेट बांटेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली के हर नुक्कड़ चौराहे पर केजरीवाल के जेल में बंद भ्रष्ट मंत्रियों के पोस्टर लगाएगी तथा घर-घर जाकर उनके कारनामों से जनता को अवगत कराएगी कि कैसे उन्होंने दिल्ली को घोटाले की राजधानी बना दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस सभी नेताओं से विचार विमर्श कर इसकी रूप रेखा तैयार कर रही है। अनिल कुमार ने कहा कि आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार पर लगाए गए कांग्रेस के सभी आरोप सही साबित हो रहे हैं जिसके कारण केजरीवाल के मंत्रियों को जेल से इस्तीफा लिखना पड़ रहा है। अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल को गद्दी छोड़ दिल्ली के घर-घर जाकर माफी माँगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आज दिल्ली में जनलोकपाल होता तो केजरीवाल की पूरी कैबिनेट जेल में होती। उन्होंने कहा कि मीडिया में चर्चा है कि केजरीवाल दो शराब घोटाले सहित तमाम घोटाले में सम्मिलित मंत्रियों से इस्तीफा लेने के बाद, शराब घोटाले में शामिल दो ऐसे विधायकों को मंत्री पद पर सुशोभित कर रहे है।

10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा को लेकर शिक्षा विभाग का नया नोटिस

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा हो रही हैं. जहां एक तरफ 21 मार्च को दसवीं की परीक्षा खत्म होगी, वहीं दूसरी तरफ 5 अप्रैल तक बारहवीं की परीक्षा चलेगी. बोर्ड परीक्षा 15 फरवरी से शुरू हुई थी. दो सप्ताह का वक्त भी बीत गया है और दोनों क्लासेस की कुछ मुख्य पेपर की परीक्षा भी हो चुकी हैं. इन सबके बीच दिल्ली सरकार की शिक्षा विभाग की एडिशनल डायरेक्टर डॉ. रीता शर्मा ने एक नोटिस जारी किया है. इस नोटिस के माध्यम से रीता शर्मा ने कुछ दिशा निर्देश दिए हैं.

शिक्षा विभाग के जारी नोटिस में कहा गया है कि जिन स्कूलों में सीबीएसई बोर्ड एग्जाम का सेंटर है, वहां बोर्ड परीक्षा 2023 के सुचारू संचालन के लिए सीबीएसई का जारी निदेर्शों का पूरी तरह से पालन करें. सीबीएसई के निदेर्शों का सख्ती से पालन कराने के लिए दिल्ली के सभी डिप्टी डायरेक्टर के निर्देश दिया गया है. जिससे सभी केन्द्रों पर बोर्ड परीक्षा सुचारू एवं एकसमान रूप से संचालित हो सके. नोटिस में आगे कहा गया है कि स्कूलों के प्रमुख/केंद्र अधीक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी शिक्षक या स्कूल स्टाफ छात्रों को सीबीएसई परीक्षा केंद्र तक नहीं ले जाएगा. यदि कोई अनाधिकृत व्यक्ति परीक्षा केंद्र पर पाया जाता है, तो उसके खिलाफ प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों, आचरण नियमों के अनुसार तुरंत सख्त कार्रवाई शुरू की जाएगी.

किसी भी प्रकार के अनुचित साधन के लिए केंद्र अधीक्षक को जिम्मेदार ठहराया जाएगा और ऐसी किसी भी घटना का अनुपालन न करने पर अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है. सीबीएसई और डीओई के कर्मचारियों के अलावा किसी भी व्यक्ति को परीक्षा कक्षों में प्रवेश करने या घूमने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

सेमिनार हॉल में हुई पेन डाउन की पुस्तकें लॉन्च

नई दिल्ली। प्रगति मैदान में इस समय विश्व पुस्तक मेला जोर-शोर से चल रहा है। पेनडाउन प्रेस, जिसे व्यापक रूप से व्यवसायियों के पसंदीदा पब्लिकेशन हाउस के रूप में जाना जाता है और जिसने देश-विदेश से आए पुस्तक प्रेमियों में अपनी पैठ बनाने में कामयाब रहा है, ने आज सेमिनार हॉल में अपनी पुस्तकों को लॉन्च किया। गौरतलब है कि पेनडाउन को विश्व पुस्तक मेले के उद्घाटन दिवस पे ही अपनी पुस्तक लॉन्च करने का अवसर मिल गया था। 3 मार्च, 2023 के प्रमुख लॉन्च में बिजनेस वर्ग से ताल्लुक रखने वाले कई लोगों की पुस्तकें शामिल हैं। लॉन्चिंग सेरेमनी प्रगति मैदान के प्रतिष्ठित स्थल सेमिनार हॉल में आयोजित की गई थी।

पेनडाउन की प्रमुख रिलीज इस प्रकार थींः पवन वाधवान की केबल इंसुलेशन मेजरमेंट सीक्रेट्स रिवील्ड इस पुस्तक में विनिर्माण लागत को कम करने, अनुपालन को अधिकतम करने और आश्चर्यजनक रूप से कम समय में बिजनेस को लाभदायक बनाने का रहस्य बयाँ किया गया है। पीयूष भाटिया की लाइफ बियॉन्ड फियर्स यह पुस्तक पाठकों के अंदर दबी हुई प्रेरणा शक्ति और साहस को जगाती है, उनके अंदर एबनडेन्स की आभा मंडल का निर्माण करती है, दवाब के भाव से मुक्त रखती है और उन्हें अपने शर्तों पर जीना सिखाती है। जगमोहन सिंह की फाइनेंसियल फ्रीडम विथ फाइनेंसियल कंट्रोल इस पुस्तक के माध्यम से पाठक जान पाएंगे कि व्यवसाय में बहुत पैसा कैसे कमाया जाए और प्रभावी नकदी प्रवाह प्रबंधन को लागू करके अमीर कैसे बना जाय।

किशोर चैनानी की बी द आउटलियर यह पुस्तक, जैसा कि इसके लेखक का दावा है, पाठकों की पुरानी सोच, किसी पिछली घटनाओं के कारण आई सोच में बड़ा बदलाव, डर का घर कर जाना, आदि से निजात दिलाएगी, उनका करियर, बिजनेस को आगे ले जाएगी और साथ ही उन्हें भावनात्मक रूप से भी मजबूत बनाएगी।

इन लॉन्च के अलावा, पेनडाउन प्रेस ने आज दो अवार्ड की भी घोसणा की--- बेस्ट मोटिवेशनल बुक और बेस्ट क्रिएटिव डिजाइन इनोवेटिव बुक। पेनडाउन लेखक श्री राकेश कुल्वुल जी की पुस्तक द पैशनेट लाइफ को बेस्ट मोटिवेशनल बुक से नवाजा गया वहीं दीया सिंघल की पुस्तक को बेस्ट क्रिएटिव डिजाइन इनोवेटिव बुक के लिए चुना गया। गौरतलब है कि ये अवार्ड लॉक डाउन में ही घोषित किए गए थे। आज इनका वितरण किया गया। इस समारोह में काफी संख्या में लेखकों, मीडियाकर्मी और पुस्तक प्रेमियों ने शिरकत की।

एक नजर

मुख्यमंत्री ने ओखला लैंडफिल साइट का किया दौरा

नई दिल्ली। दिल्ली के ओखला लैंडफिल साइट का मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दौरा किया। इस दौरान उनके साथ दिल्ली नगर निगम की मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय और कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत मौजूद रहे। ओखला लैंडफिल साइट का दौरा करने के बाद केजरीवाल ने कहा कि आज यहां पर हमने इसका जायजा लिया है। यहां पर कूड़े का निष्पादन किया जा रहा है और इसकी क्षमता को और बढ़ाया जाएगा।

केजरीवाल ने कहा कि आज ओखला कूड़े के पहाड़ का दौरा किया। इसे मई 2024 तक साफ करने का टार्गेट है, लेकिन हम कोशिश करेंगे, इसे इस साल दिसंबर तक साफ कर दें। एक अप्रैल को फिर हम इस का दौरा करेंगे। इसके अलावा दिल्ली के अन्य कूड़े के पहाड़ को भी दिल्ली में खत्म करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है और उन सबको भी अगले साल तक खत्म किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ओखला लैंडफिल साइट के कूड़े को खत्म करने के लिए एमसीडी चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां पर एक प्लांट का उद्घाटन किया था। तब उनके द्वारा दावा किया गया था कि इस प्लांट के बनने के बाद लैंडफिल साइट पर कूड़े में कमी आएगी और इस प्लांट के जरिए कूड़े से बिजली बनाया जाएगा।

चोरों ने की इंसानियत शर्मसार, विकलांग को ट्राई साइकिल चुराई

नई दिल्ली। चोरो नें चोरी करने के लिए इंसानियत को शर्मसार करने की सीमाएं लांघ दी डब्ल्यूए-92, ब्लाक शकरपुर के विकलांग निवासी नानक पुत्र मुन्ना लाल की ट्राई साइकिल को भी चोरों ने नहीं छोड़ा। कन्फडरेशन आफ एनसीआर आरडब्ल्यूए ईस्ट दिल्ली चैप्टर के कनविनियर पवन मैनी तथा सचिव अशोक शर्मा का कहना है कि नानक जन्म से विकलांग है। उसके रास्तों में आवागमन का एकमात्र माध्यम ट्राई साईकिल है क्योंकि जन्म से पैरों से वह विकलांग है। ऐसे में नानक का रास्ते में चलने का माध्यम उसकी ट्राई साइकिल भी चोरों ने चोरी कर ली है और अब उसे बिलकुल लाचार कर दिया है। पुलिस पूरी ततपरता से चोरों की तलाश कर रही है। तथा शीघ्र ही चोरों को पकड़कर नानक की ट्राई साइकिल उसे सौंपने का आश्वाशन नानक के परिवार को दे रही है। स्वयंसेवी संस्थाएं भी नानक की मदद करने के लिए उसके परिवार से सम्पर्क साध रहीं हैं।

करोड़ों की कथित धोखाधड़ी में पुलिस से रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली। करोड़ों रुपये की कथित साइबर ठगी में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर कड़कड़डूमा अदालत ने दिल्ली पुलिस से कार्रवाई रिपोर्ट तलब की है। मुख्य महानगर न्यायाधीश शिरीष अग्रवाल की अदालत ने साइबर थाना ज्योति नगर के प्रभारी को इस संबंध में नोटिस जारी किया है। यह मामला अमेरिकी कंपनी में निवेश का झांसा देकर ठगी करने से जुड़ा है।

केएस बिष्ट ने शिकायत दर्ज कराई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने उन्हें अमेरिका की एक कंपनी में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उसे बताया कि वे भारत में उक्त कंपनी के सदस्य और प्रमोटर हैं। वास्तव में आरोपी व्यक्ति एप्लिकेशन/सॉफ्टवेयर का संचालन कंपनी के नाम पर कार्यालय चला रहा है। यह भी आरोप है कि शिकायतकर्ता सहित एक करोड़ लोगों से 30,000 करोड़ रुपये की ठगी की है। आवाज उठाने की कोशिश करने पर परिवार के अपहरण और जान से मारने की धमकी भी दी गई। इसी मामले में सुनवाई करते हुए अदालत ने दिल्ली पुलिस की साइबर पुलिस से मामले में कार्रवाई रिपोर्ट तलब की है।

तेज हवा के चलते तीन दिन प्रदूषण से राहत रहेगी

नई दिल्ली। राजधानी में चल रही तेज हवा से 24 घंटे के भीतर ही प्रदूषण में काफी कमी देखने को मिली है। गुरुवार को जहां दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 226 था, वहीं शुक्रवार शाम 153 दर्ज किया गया है। यह मध्यम श्रेणी में आता है। सफर के मुताबिक, अगले तीन दिन तक तेज हवा चलेगी। इस दौरान प्रदूषण से राहत रहेगी। सफर के अनुसार, गुरुवार रात से राजधानी में तेज हवा चल रही है। रात से ही प्रदूषण में कमी देखने को मिल रही है। शुक्रवार को सतही हवा की गति 20 से 22 किलोमीटर प्रतिघंटा रही है। इससे प्रदूषण कणों का बिखराव तेजी से हुआ और वायु गुणवत्ता सूचकांक में कमी आई। शुक्रवार को दिल्ली के प्रदूषण में छोटे कणों की भूमिका 43 फीसदी रही है। शुक्रवार को दिल्ली का सबसे प्रदूषित क्षेत्र शादीपुर रहा, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 277 दर्ज किया गया। सबसे कम प्रदूषित क्षेत्र लोधी रोड रहा, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 111 रहा।

सफर के अनुसार अगले तीन दिनों तक दिल्ली में हवाओं की रफ्तार 20 से 22 किलोमीटर प्रतिघंटा के आसपास रहेगी। उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली इस हवा के चलते दिल्ली में प्रदूषक कणों का बिखराव तेजी से होगा। इससे दिल्ली में अगले तीन दिनों तक प्रदूषण मध्यम श्रेणी में बना रहेगा।

सिसोदिया के नाम बच्चों की चिट्ठी को लेकर 'आप' व भाजपा आमने सामने

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह सरकारी स्कूलों के बाहर आई लव मनीष सिसोदिया नाम से एक डेस्क लगाया गया। यहां मनीष सिसोदिया के नाम बच्चों के संदेश को इकठ्ठा किया गया। इन संदेशों को मनीष सिसोदिया तक पहुंचाया जाएगा। इस मुहिम को लेकर दिल्ली सरकार में मंत्री बनने जा रही विधायक और प्रवक्ता आतिशी ने भी ट्वीट कर भाजपा पर तंज कसा है। आतिशी ने तस्वीर डालकर लिखा कि भाजपा वालों तुम कितने भी झूठे इलजाम लगा लो पर दिल्ली के बच्चों का मनीष सिसोदिया के लिए जो प्यार है उसे तुम हिला नहीं सकते हो। इस पर भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने भी आतिशी के ट्वीट का जवाब दिया। उन्होंने लिखा कि देखिए किस बेशर्मी से आम आदमी पार्टी सरकारी स्कूलों के बच्चों पर दबाव डालकर मनीष सिसोदिया के पक्ष में अभियान चला रही है। अभिभावकों पर दबाव डाला जा रहा है कि पत्र लिखो वरना बच्चों को परीक्षा में फेल कर देंगे। उन्होंने इस मुहिम को रुकवाने के लिए एलजी से अपील की। उल्लेखनीय है कि मनीष सिसोदिया को शराब घोटाले मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। मनीष की छवि को सुधारने के लिए ही शिक्षा के मंदिर का प्रयोग किया जा रहा है।

सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामले में सुनवाई 22 मार्च तक के लिए टली

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ दर्ज आय से अधिक संपत्ति के मामले में सुनवाई टाल दी। स्पेशल जज विकास ढल ने 22 मार्च को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया। इस मामले में सत्येंद्र जैन के खिलाफ आरोप तय करने को लेकर सीबीआई अपनी दलीलें रख रही है। सीबीआई ने जैन पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया है। इस मामले में सीबीआई जैन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। सीबीआई ने सत्येंद्र जैन, उनकी पत्नी पूनम जैन, सहयोगी अजीत जैन, वैभव जैन, सुनील जैन और आयुष जैन के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी।

भारतीय भाषा समिति के सहयोग से डीयू के पंजाबी विभाग में कार्यक्रम आयोजित

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग द्वारा भारतीय भाषा समिति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) के सहयोग से 'भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए डीन ऑफ कॉलेजेज प्रोफेसर बलराम पाणि ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा को मिलने वाले महत्त्व को एक विशेष अवसर के रूप में अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार से हम छिपे हुए पारंपरिक ज्ञान के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे हम और अधिक समृद्ध हो सकते हैं। उन्होंने पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण पर जोर देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति हमें यह अवसर प्रदान करती है। उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं को फूलों की संज्ञा देते हुए भारत को फुलवाड़ी कहा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रोफेसर कपिल कपूर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय भाषाओं में विविधता ही भारत की ताकत है। विविधता के कारण ही भारत एकता के सूत्र में बंधा हुआ है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में प्रथम कक्षा से लेकर उच्च स्तर तक शिक्षा का माध्यम क्षेत्रीय राज्यीय भाषाएँ होनी चाहिए, न कि मातृभाषा क्योंकि मातृभाषा एक समस्यामूलक विचार है। उन्होंने प्राकृत भाषा को प्राकृतिक भाषा बताया और कहा कि जो भाषा हम बोलचाल में इस्तेमाल करते हैं उसकी प्रकृति मिलेजुले शब्दों वाली है। भारत की सभी भाषाओं की वर्णमाला की संरचना एक ही है और इनकी प्रकृति से साझी है।

उन्होंने वर्तमान समय में भाषा की समस्या पर चर्चा करते हुए कहा कि समस्या यह नहीं है कि भारतीय भाषाओं को शिक्षा के माध्यम के रूप में पढ़ाया नहीं जा रहा या बल्कि समस्या यह है कि अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा न दिलाकर अंग्रेजी माध्यम को वरीयता देते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि अंग्रेजी सोशल उच्च स्टेटस की भाषा है और इसमें रोजगार के अवसर अधिक हैं। उन्होंने मैकाले द्वारा दिए गए थ्री-ई फॉमूर्ला झ्र इंग्लिश, एजुकेशन, एम्प्लॉयमेंट के माध्यम से वर्तमान में भी संचालित हो रही शिक्षा व्यवस्था को देश की विडंबना बताया और नई शिक्षा नीति के सफल कार्यान्वयन हेतु मजबूत इच्छाशक्ति की आवश्यकता पर बल दिया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य एवं माले, मालदीव के पूर्व भारतीय उच्चायुक्त, ज्ञानेश्वर एम. मुले ने अपने भाषण में कहा कि कोई भी भाषा एक संस्कृति, कला और इतिहास की वाहक होती है, मनुष्य भाषा के माध्यम से ही बाकी जीवों से अलग है। उन्होंने भाषा के संरक्षण की बात करते हुए कहा कि कोई भी भाषा तीन पीढ़ियों के माध्यम से संरक्षित भी हो सकती है और समाप्त भी। अतः हमें बहु- भाषा की संस्कृति को बचाते हुए इसे पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित करना होगा। भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियां सीमित हैं जबकि संभावनाएं अनंत हैं। उन्होंने कहा कि भारत के सभी विश्व विद्यालयों में सभी भारतीय भाषाओं के विभाग गठित होने चाहिए।

कार्यक्रम के उद्धघाटन सत्र में पंजाबी विभाग के अध्यक्ष प्रो. रविन्द्र कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया और भाषाओं के महत्त्व को बताते हुए कहा कि आज के सेमीनार को एक सराहनीय कदम बताया। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाए जाने की नीति पर लंबे समय से कार्य हो रहा था पर नई शिक्षा नीति से यह नीति साकार रूप धारण कर रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहा है। साथ ही उन्होंने इन दिनों चल रहे विश्व पुस्तक मेले में केवल क्षेत्रीय भाषाओं की घट रही हिस्सेदारी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में शिक्षण संस्थाओं के साथ साथ अन्य कार्यकारी संस्थाओं में भी मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाया जाना चाहिए।

कार्यक्रम के आरंभिक वक्ता के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के पूर्व कुलपति प्रोफेसर कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने भारतीय भाषाओं की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले अंग्रेजी भाषा शिक्षा का माध्यम बनी लेकिन धीरे धीरे यह भाषा सोच का माध्यम बना दी गई। उन्होंने अंग्रेजी भाषा को एक वैश्विक भाषा के रूप में अपनाए जाने को केवल एक मिथक बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी भाषा से अवगत होना ज्ञान का मापदंड नहीं है, भाषा केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम है और ज्ञान को किसी भी भाषा में हस्तांतरित किया जा सकता है। नेशनल कौंसिल ऑफ प्रमोशन ऑफ सिंधी लेंग्वेज, दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रवि टेक चंदानी ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि सीमाबद्ध भाषाओं को अपना दायरा बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि क्षेत्रीय भाषाओं को केवल साहित्य शिक्षण तक सीमित नहीं रखना चाहिए बल्कि इन भाषाओं को अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए भी माध्यम के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

मुख्य वक्ता के रूप में विज्ञान एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष गिरीश नाथ झा ने नई शिक्षा नीति- 2020 के माध्यम से बहु भाषाई समाज में शिक्षा नीति पर अपने विचार पेश किए। उन्होंने सम्पूर्ण भारत की 22 भाषाओं और उनकी लिपियों की सूचीबद्ध पेशकारी करते हुए उनके विकास हेतु ऑनलाइन माध्यम पेश किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय के डीन प्रोफेसर अमिताभ चक्रवर्ती ने नई भाषा नीति की सराहना करते हुए कहा कि इससे भारतीय भाषाएं समृद्ध होंगी।

कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर जगबीर सिंह ने सभी शोध पत्रों के महत्त्व एवं सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मैकाले ने भारतीय जनता को नियंत्रित करने के लिए अंग्रेजी भाषा को अपनाए और इसे शिक्षा और रोजगार की भाषा बनाया जिससे आगे चलकर भारतीय शिक्षा व्यवस्था में अनेक समस्याएं देखने को मिली। इस समस्या का समाधान नई शिक्षा नीति में पेश किया गया है। उन्होंने भारतीय परंपरा की बात करते हुए कहा कि भारतीय विद्वानों ने भाषा को ज्ञान के प्रकटीकरण का माध्यम माना। कार्यक्रम के दूसरे सत्र का संचालन डॉ. रंजू बाला ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. बलजिंदर सिंह नसरली ने आए हुए अतिथियों, अध्यापकगणों एवं विद्यार्थियों को धन्यवाद ज्ञपित किया। इस अवसर पर पंजाबी विभाग के अध्यक्ष प्रो. रविन्द्र कुमार, प्रो. जसपाल कौर, प्रो. कुलवीर गोजरा, डॉ. बलजिंदर सिंह नसरली, डॉ. रजनी बाला, डॉ. नच्छत्तर सिंह, डॉ. यादविंदर सिंह तथा डॉ. रंजू बाला के अलावा विभिन्न महाविद्यालयों और विद्यालयों के अध्यापकगण एवं पंजाबी विभाग के छात्र उपस्थित रहे।

वीडियो लीक होने पर सुकेश ने एलजी को लिखा पत्र

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। ठगी के मामले में मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना को एक बार फिर चिट्ठी लिखी है। उसने इस बार एलजी से जेल का वीडियो लीक होने के मामले में शिकायत की है। सुकेश का आरोप है कि दो जेल अधिकारियों ने इस वीडियो को लीक किया है, जिसमें वह धमकी देते और परेशान करते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही सुकेश ने इन दोनों जेल अधिकारियों को 5.50 लाख रुपये रिश्वत देने का भी आरोप लगाया है।

उपराज्यपाल को लिखी चिट्ठी में सुकेश ने कहा है कि तीन-चार दिन पहले एक सीसीटीवी फुटेज जारी किया गया, जिसमें कुछ जेल अधिकारी उसके बैरक का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे थे। उसने आरोप लगाया कि यह वीडियो असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट दीपक शर्मा और डिप्टी सुपरिटेंडेंट जयसिंह ने लीक किया है।

इस वीडियो में दीपक शर्मा और जयसिंह सुकेश को परेशान करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उसने कहा कि जेल में जांच होना एक रूटीन प्रोसेस है। दीपक शर्मा और जयसिंह ने जांच के अगले दिन सुकेश को कहा कि तुमने सत्येंद्र जैन को सपोर्ट किया अब तुम्हारी बारी है। हम वीडियो पब्लिक डोमेन में जारी कर देंगे। इसके बाद मैंने अलग-अलग, अथॉरिटी न्यायालय और एलजी कार्यालय को शिकायत दी है।

उल्लेखनीय है कि सुकेश रसूखदार लोगों को राजनीतिक मदद पहुंचाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में लंबे समय से जेल में बंद है। इस मामले में सुकेश के साथ कई बॉलीवुड अभिनेत्रियां भी जांच के घेरे में है। अभिनेत्री नोरा फतेही ने जहां सरकारी गवाह बनने की अर्जी दी है, वहीं अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीस ईडी द्वारा दाखिल किए गए आरोप पत्र में मुख्य आरोपित है। फॉर्टिस हेल्थ केयर के प्रमोटर सिंह बंधुओं को जेल से रिहा करने के नाम पर व अन्य कई लोगों से ठगी करने के मामले में सुकेश जेल में बंद है।

दिल्ली के द्वारका में अवैध रूप से रह रहे 17 विदेशी पकड़े गए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने ऐसे 17 लोगों को पकड़ा है, जो राष्ट्रीय राजधानी के द्वारका जिले में अवैध रूप से रह रहे थे। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि विदेशियों को फरवरी में गिरफ्तार किया गया और उन्हें निर्वासित किया जाएगा। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम. हर्षवर्धन ने बताया कि फरवरी माह में द्वारका जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों पर कार्रवाई जारी रखते हुए विदेशियों को पकड़ने के लिए एएटीएस, नारकोटिक्स सेल, द्वारका नॉर्थ और मोहन गार्डन थानों की टीमों का गठन किया गया था। टीमें विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए कार्रवाई में जुट गईं, जो बिना वैध वीजा के द्वारका के क्षेत्र में रह रहे थे। टीमों ने नाइजीरिया, आइवरी कोस्ट, उज्बेकिस्तान सहित 17 विदेशी नागरिकों को पकड़ने में सफलता हासिल की। डीसीपी ने कहा, पकड़े गए सभी विदेशी नागरिक वैध वीजा के बिना भारत में समय से अधिक रह रहे थे। उन्हें विदेशियों के क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने उनके निर्वासन का आदेश दिया।

काला जठेड़ी गिरोह का सदस्य दिल्ली से गिरफ्तार, 61 ग्राम एम्फेटामाइन बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कुख्यात काला जठेड़ी गिरोह के एक 30 वर्षीय ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से 61 ग्राम एम्फैटेमिन ड्रग्स बरामद किया है। आरोपी की पहचान कपिल डागर गांव झरोड़ा कलां निवासी के रूप में हुई है, जो पहले भी शहर भर में दर्ज डकैती और शस्त्र अधिनियम के मामलों में शामिल पाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि डागर ने अपने सहयोगी के साथ हाल ही में एक शिकायतकर्ता को अपने सहयोगियों के खिलाफ दर्ज एक मामले में अदालत के समक्ष धमकी भी दी थी। पुलिस के अनुसार, 23 फरवरी को द्वारका में नशीला पदार्थ सप्लाई करने वाले डागर के संबंध में पुख्ता जानकारी मिली थी। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम. हर्षवर्धन ने कहा, डागर के बारे में सूचनाओं के आधार पर, मुख्य नजफगढ़ रोड के पास एक जाल बिछाया गया। सरसरी तलाशी के दौरान, उसके कब्जे से 61 ग्राम अच्छी क्वालिटी का एम्फेटामाइन बरामद किया गया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने अपने सहयोगी सुधीर के साथ मोहन गार्डन के इलाके में एक व्यक्ति को धमकी दी थी, जो न्यायिक हिरासत में है और गिरोह का सदस्य है। अधिकारी ने कहा, सह-आरोपी सुधीर को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कांग्रेस ने प्रदर्शन कर केजरीवाल से मांगा इस्तीफा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस की दिल्ली इकाई ने बुधवार को शहर में आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यालय के बाहर धरना दिया और सीबीआई द्वारा उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की।

कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अनिल चौधरी के नेतृत्व में पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग पर 'आप' के कार्यालय के पास एकत्र हुए और केजरीवाल व सिसोदिया के खिलाफ नारेबाजी की। पार्टी ने कहा कि जब तक अरविंद केजरीवाल सत्ता में रहेंगे तब तक निष्पक्ष जांच संभव नहीं होगी। चौधरी ने कहा, 'पूरी दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। जब तक केजरीवाल सत्ता में रहेंगे, आबकारी घोटाले की स्वतंत्र जांच नहीं होगी, इसलिए उन्हें भी इस्तीफा दे देना चाहिए। दिल्ली के मंत्रियों सिसोदिया और सत्येंद्र जैन ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच मंगलवार को मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। सूत्रों के मुताबिक, 'आप' के विधायकों सौरभ भारद्वाज और आतिशी को जल्द ही मंत्री बनाया जाएगा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 2021-22 की शराब नीति बनाने और उसे लागू करने में कथित भ्रष्टाचार के आरोप में रविवार को उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया था। जैन फिलहाल धनशोधन मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

मातृभाषा में संज्ञानात्मक बोध सर्वाधिक संभव : अन्नपूर्णा देवी

नई दिल्ली। केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को कहा कि मातृभाषा में संज्ञानात्मक बोध सर्वाधिक संभव होता है। सशक्त और समृद्ध होते भारत की गति को और अधिक बढ़ाने के लिए मातृभाषा को सशक्त करना भी जरूरी है। वह दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की भारतीय भाषा समिति द्वारा शताब्दी समारोह के अंतर्गत 'मातृभाषा और राष्ट्र निर्माण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं।

मंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन की दिशा में डीयू की अग्रणी भूमिका की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंचप्रणों का स्मरण करते हुए कहा कि इनमें से एक प्रण अपनी राष्ट्रीय विरासतों पर गर्व करना भी है और हमारी मातृभाषाएं इन्हीं विरासतों में एक हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में शिक्षा मंत्रालय अपने 'स्वयं' पोर्टल के माध्यम से भारतीय भाषाओं में उच्च कोटि की ज्ञान-विज्ञान की सामग्री उपलब्ध करा रहा है। इस क्रम में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए इसे अन्य विश्वविद्यालयों के लिए रोल मॉडल बताया।

समारोह के दौरान शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने बतौर विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के इतिहास पर बात करते हुए वैज्ञानिक शोधों के आधार पर भारतीय भाषाओं की महत्ता की बात की। उन्होंने ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में भारत के योगदान को रेखांकित करते हुए धीरे-धीरे भारतीय भाषाओं को ज्ञान का माध्यम बनाने की अनुशंसा भी की। उन्होंने शिक्षा जगत के विद्वानों से आह्वान किया कि अपने विषयों की कम से कम एक पुस्तक मातृभाषाओं में तैयार करें। कोठारी ने राष्ट्र निर्माण और प्रगति के लिए मातृभाषाओं को आवश्यक बताया।

आयोजन की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि मातृभाषाएं बड़ी संवेदनशीलता का विषय हैं। उन्होंने भाषाओं को संस्कृति की वाहिका बताते हुए दुनिया भर में उपज रहे भाषाई संकट की बात की। कुलपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में भारतीय भाषाओं का अध्ययन और भारतीय भाषाओं में अध्ययन की दिशा में विचार करने और इसके क्रियान्वयन की राह प्रशस्त करने पर जोर दिया। उन्होंने भारतीय भाषाओं की समृद्धि के लिए उसमें अन्य भाषाओं के शब्दों के समावेश की बात कही और भाषाओं को ताकतवर बनाने के लिए देश को ताकतवर बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, योजना प्रो. निरंजन कुमार ने कहा कि भारतीय भाषाओं का भी अमृतकाल आ चुका है। उन्होंने कहा कि हमारा देश ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में प्राचीन काल से ही अग्रणी रहा है और उसकी वाहिका भारतीय भाषाएं ही रही हैं। प्रो. निरंजन कुमार ने आजादी के सौवें वर्ष तक भारतीय भाषाओं की उत्कर्षता की बात की। कार्यक्रम में प्रोफेसर बलराम पाणि, अधिष्ठाता, महाविद्यालय, प्रोफेसर प्रकाश सिंह, निदेशक, दक्षिण परिसर, प्रोफेसर नीरा अग्निमित्रा, संयोजक, शताब्दी समारोह समिति एवं विश्वविद्यालय परिवार के डीन, प्राध्यापक, प्राचार्य, अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एक नजर

दिल्ली के उपराज्यपाल ने सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया के इस्तीफे राष्ट्रपति को भेजे

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को आप नेताओं सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया के इस्तीफे प्राप्त हुए हैं, जिन्हें उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेज दिए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भरोसेमंद सहयोगी सिसोदिया और जैन ने मंगलवार को मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। अधिकारियों के अनुसार, केजरीवाल ने दोनों नेताओं के इस्तीफे स्वीकार कर लिए थे। राज निवास के एक अधिकारी ने कहा, उपराज्यपाल ने मंत्रियों मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के इस्तीफे स्वीकार करने के मुख्यमंत्री के अनुरोध पर 28 फरवरी को राष्ट्रपति से सिफारिश की है कि इस्तीफे स्वीकार किए जा सकते हैं। धनशोधन के एक मामले में पिछले साल मई में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जैन की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उनके इस्तीफे की मांग कर रही थी। अगस्त 2022 में आबकारी नीति घोटाले में नाम आने के बाद सिसोदिया को भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। रद्द की जा चुकी आबकारी नीति बनाने और उसके कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार के आरोप में रविवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

चीनी विदेश मंत्री की भारत यात्रा के विरोध में दूतावास के बाहर तिब्बतियों का विरोध प्रदर्शन, कई हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली। चीन के विदेश मंत्री किन गैंग की भारत यात्रा के विरोध में बुधवार को दिल्ली में तिब्बतियों ने चीनी दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया। चीनी विदेश मंत्री गुरुवार (2 मार्च) को राष्ट्रीय राजधानी में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। दिल्ली पुलिस ने दूतावास के बाहर प्र्दशन कर रहे कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और उन्हें एक बस में पास के पुलिस स्टेशन ले गई। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। चीन के विदेश मंत्री के अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर से जी-20 बैठक से इतर मिलने की उम्मीद है। रिपोटरें के अनुसार, उनके सीमा मुद्दों पर चर्चा करने और मामले को सुलझाने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तरों पर बातचीत के परिणामों की समीक्षा करने की संभावना है। चीनी विदेश मंत्री की नई दिल्ली यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सीमा विवाद को सुलझाने के प्रयास और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा घुसपैठ के प्रयास जारी रखे हुए हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक संक्षिप्त बयान में कहा कि भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के निमंत्रण पर चीनी विदेश मंत्री किन गैंग 2 मार्च को नई दिल्ली पहुंचकर जी-20 विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेंगे।

दिल्ली भाजपा ने केजरीवाल, सिसोदिया का मजाक उड़ाने के लिए बाहुबली क्लिप का किया इस्तेमाल

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके पूर्व डिप्टी मनीष सिसोदिया का मजाक उड़ाने के लिए ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली की एक छोटी सी क्लिप का इस्तेमाल किया है। पार्टी इकाई ने बुधवार को ट्विटर पर इस क्लिप को साझा किया और इसके कैप्शन में लिखा, शराब घोटाले के मास्टरमाइंड केजरीवाल की यह फिल्म जरूर देखें।

एक मिनट से अधिक समय तक चलने वाली इस क्लिप में, सिसोदिया का चेहरा एक शराबखाने में शराब परोस रहे एक व्यक्ति पर आरोपित किया गया है। इसके बाद केजरीवाल सराय में जाते हैं और शराब मांगते हैं। जब परोसा जाता है तो बड़ा पैग मांगता रहता है। जैसे ही सिसोदिया पैसे मांगते हैं, केजरीवाल यह कहते हुए सोने के सिक्कों का ढेर फेंकते हुए दिखाई देते हैं कि उनके पास पूरे सराय के लिए पेय खरीदने के लिए पर्याप्त पैसा है। यह सिसोदिया को दिल्ली आबकारी पुलिस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। उन्होंने मंगलवार को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

उत्तरी दिल्ली में फैक्ट्री में लगी आग

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के रोशनारा रोड स्थित एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के निदेशक अतुल गर्ग के मुताबिक, पुल बंगश मेट्रो स्टेशन के पास रोशनआरा रोड पर एक फैक्ट्री में आग लगने की सूचना सुबह करीब 11.50 बजे मिली। उन्होंने कहा, अभी तक कुल 18 दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

जी20 बैठक : विदेश मंत्रियों, राजनयिकों के आगमन के मद्देनजर दिल्ली में यातायात प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में जी20 समूह की बैठक में हिस्सा लेने के लिए सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों और राजनयिकों के आगमन के मद्देनजर शहर के कुछ हिस्सों में बुधवार को यातायात प्रभावित रह सकता है। वैश्विक चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए जी20 देशों के विदेश मंत्री एक और दो मार्च को राष्ट्रीय राजधानी में बैठक करेंगे। बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और कनाडाई विदेश मंत्री मेलानी जॉली सहित सभी जी20 देशों के विदेश मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। यात्रियों ने ट्विटर पर द्वारका से गुरुग्राम रोड, दिल्ली छावनी रेलवे स्टेशन के पास, राजौरी गार्डन से पंजाबी बाग और रोहिणी अंडरपास मार्ग आदि पर यातायात जाम की स्थिति को लेकर शिकायत की। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के मधुबन चौक और द्वारका सेक्टर 6-7 रेड लाइट से सेक्टर-1 रेड लाइट तक भी यातायात बाधित होने की खबरें हैं।

दिल्ली वासियों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं देने का आप का उद्देश्य यथावत : राजकुमार आनंद

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किए गए मनीष सिसोदिया के मंत्री पद से इस्तीफे के बाद, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे मंत्री राजकुमार आनंद ने कहा कि दिल्ली के लोगों को अच्छी शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधाएं देने का उनकी पार्टी का उद्देश्य अपरिवर्तित रहेगा। प्रभार ग्रहण करने के बाद आनंद ने कहा कि उन्होंने सभी विभागों को उनके द्वारा किए गए कार्यों पर पीपीटी तैयार करने को कहा है। आनंद ने कहा, महज नया चेहरा आ जाने से पार्टी का उद्देश्य नहीं बदलेगा।

बिना समाजवाद के 'राम राज्य' संभव नहीं : अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने नीति आयोग के आंकड़ों का हवाला देते हुए विकास की दिशा में उत्तर प्रदेश को बहुत पीछे करार देते हुए कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' या 'राम राज्य, बिना समाजवाद के संभव नहीं है।

मंगलवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के बाद वित्त वर्ष 2023-24 के बजट प्रावधानों पर चर्चा के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार का यह सातवां बजट है और हर साल सरकार ऐतिहासिक और सबसे बड़ा बजट पेश करने का दावा करती है, लेकिन इतने बजट पेश करने के बाद भी उत्तर प्रदेश की स्थिति कई मानकों पर अभी सुधरी नहीं है।

यादव ने नीति आयोग के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा, ह्यह्यपूरे देश और उप्र की जनता को एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का सपना दिखाया जा रहा है। सरकार अगर यह सपना देख रही है, तो उसे सतत विकास लक्ष्य पर नीति आयोग की रिपोर्ट देखनी चाहिए कि उसमें उत्तर प्रदेश की क्या स्थिति है।

उन्होंने नीति आयोग की 2020-21 की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि इसमें गरीबी रेखा से नीचे वाले 28 राज्यों की सूची में उप्र नीचे से चौथे नंबर पर है। उन्होंने बताया कि भुखमरी समाप्त करने में मामले में उप्र पांचवें नंबर पर है, जबकि गुड हेल्थ के मामले में नीचे से दूसरे नंबर पर है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में 18वें नंबर पर है।

उन्होंने इन आंकड़ों के जरिये सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, सरकार को समाजवादी सिद्धांत को समझना होगा। सबका साथ, सबका विकास या राम राज्यह्य बिना समाजवाद के संभव नहीं है।

भर्तियों में गड़बड़ी का मामला उठाते हुए उन्होंने कहा कि सुनवाई तभी होगी जब जातीय जनगणना होगी। बिना जातीय जनगणना के सबका साथ-सबका विकास संभव नहीं है। यादव ने कहा, हम जातीय जनगणना के लिए सरकार से लड़ेंगे और उन साथियों से भी कहेंगे कि हमारा साथ दें, जो कभी हमारे साथ थे।

यादव ने लगभग डेढ़ घंटे के अपने भाषण में वित्त वर्ष 2023-24 के बजट को दिशाहीन बताते हुए कहा कि इसमें न वर्तमान की समस्याओं का समाधान है और न ही भविष्य का रास्ता है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने वादा किया था कि किसानों की आय दोगुनी होगी, लेकिन उस वादे का कोई भविष्य अभी तक नजर नहीं आया है।

नेता प्रतिपक्ष ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने के लिए 34 प्रतिशत की वृद्धि दर चाहिए, लेकिन 34 प्रतिशत की वृद्धि दर कैसे संभव है। उन्होंने कहा, 34 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के लिए आपको जो सहयोग चाहिए, हम आपके साथ खड़े हैं। हालांकि यादव ने तंज किया कि मुख्यवमंत्री जी का जो आर्थिक सलाहकार है, उसे बदल देना चाहिए। जो आपको सही सच्चाई न बताता हो, उस आर्थिक सलाहकार का क्यान करेंगे।

यादव ने कृषि, उद्योग और स्वास्थ्य समेत कई क्षेत्रों में सरकार की विफलता गिनाई।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'अग्निवीर' जैसी व्यवस्था हम समाजवादी कभी स्वी कार नहीं कर सकते, सुरक्षा के लिए सीमा पर नौजवान को भेजना है, तो उसे स्थायी व्यवस्था चाहिए। अग्निवीर योजना के हम पक्ष में नहीं हैं।

हाल में हुए राज्य के वैश्विक निवेशक सम्मेवलन का मखौल उड़ाते हुए यादव ने कहा, ह्वनिवेशक कम पड़ गये, तो लंच के लिए कूपन बांटे गये, जो चाहे टाई पहनकर लंच कर ले, यह स्थिति थी।

उन्होंने कहा, आज एक अखबार में पढ़ रहा था, जहां निवेशक सम्मेलन हुआ वहां 20 दिन से सफाई नहीं हुई। जितने गमले लगे, सजावट थी, सब समाप्त हो गये। जिस तरह हवा में एमओयू दिखाए गये थे, ये सब का सब निवेश हवा में ही दिखाई देगा।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्नाआ ने 22 फरवरी को वित्त वर्ष 2023-24 के लिये विधानसभा में छह लाख 90 हजार 242 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इस बजट में 32 हजार 721 करोड़ 96 लाख रुपये की नई योजनाएं शामिल की गयी हैं।

मां विंध्यवासिनी के दर पर भागवत ने टेका माथा

मिजार्पुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को यहां विंध्याचल में विंध्य क्षेत्र की अधिष्ठात्री देवी मां विंध्यवासिनी देवी के दर्शन कर पूजन किया। श्री भागवत ने आज सुबह लगभग साढ़े दस बजे मां विंध्यवासिनी देवी दरबार में दर्शन पूजन किया। सभी धार्मिक कार्य स्थानीय विधायक रत्नाकर मिश्र की अनुपस्थिति में उनके पुत्र चित्रसेन मिश्र एवं आलोक पाण्डेय पंडा द्वारा कराया गया।

श्री भागवत ने पूरे विधि विधान से वैदिक रीति रिवाज से मां की अभ्यर्थना कर आशीर्वाद मांगा। उन्होने धाम में स्थित मां काली मां सरस्वती देवी के लघु त्रिकोण का परिक्रमा कर दर्शन किए। हालांकि उनके प्रोटोकॉल में दर्शन पूजन का कार्यक्रम नहीं था लेकिन प्रसिद्ध शक्तिपीठ में उनकी अटूट आस्था को देखते हुए माना जा रहा था कि वे अवश्य दर्शन पूजन करेंगे और वही हुआ। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पूजन के समय धाम को आम दर्शनार्थियों से खाली करा लिया गया था। इससे पहले श्री भागवत दो दिन की यात्रा पर सोमवार को यहां देवरहवा बाबा आश्रम पहुंचे थे। उन्होंने आश्रम के हंस बाबा के साथ राष्ट्रीय परिपेक्ष्य में दो घंटे तक बैठक कर चर्चा की। मंगलवार सुबह श्री भागवत आश्रम मे स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की और 51 मन लड्डू का भोग लगाया। सारा धार्मिक पूजन काशी से आए पंडितों द्वारा सम्पन्न कराया गया। संघ प्रमुख की यहां तीसरी यात्रा थी। आश्रम में आर ?एस ?एस प्रमुख मोहन भागवत की यात्रा व्यवस्था में स्थानीय स्वयंसेवक थे। पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। स्थानीय क ?ई थानों की पुलिस के साथ पीएसी के जवानों को तैनात किया गया था। खुद जिलाधिकारी सहित कई अफसर मौजूद थे।

उप्र में महिलाओं के विरूद्ध अपराध में सजा का दर राष्ट्रीय औसत से 123 प्रतिशत अधिक

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना8 ने कहा कि राज्या में महिलाओं के विरूद्ध अपराध में सजा का दर 59.1 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत से 123 प्रतिशत अधिक है।

विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान संसदीय कार्य मंत्री खन्ना ने समाजवादी पार्टी के सदस्य पंकज मलिक एवं बेचई सरोज और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के सदस्य जगदीश नारायण के महिला अपराध और रोकथाम के उपायों से संबंधित सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। खन्नां ने कहा कि देश में सबसे ज्यादा चर्चा उप्र की कानून-व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में उप्र में महिलाओं के विरूद्ध अपराध में 59.1 प्रतिशत सजा दिलवायी गयी जबकि इस अवधि में राष्ट्री य औसत 26 प्रतिशत है।

सरकार ने दावा किया कि पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़कर महिलाओं के विरूद्ध अपराधों में उत्तर प्रदेश में सजा का दर पूरे देश में सर्वाधिक है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में बाल एवं महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम एवं उन अपराधों में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध त्वरित गति से विवेचना पूर्ण कर उन्हे सजा दिलाना है।

मंत्री ने बताया कि वर्तमान सरकार द्वारा महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीघ्र विचारण हेतु कुल 162 फास्ट ट्रैक कोर्ट एवं पॉक्सो सम्बन्धी अपराधों के लिए 218 एक्सक्लूसिव पॉक्सो कोर्ट स्थापित किये जा चुके हैं।

उन्होंने उप्र की कानून-व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान हेतु 'महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन' की स्थापना की गयी है तथा विशेष अभियान 'मिशन शक्ति' चलाया जा रहा है। प्रदेश के समस्त थानों पर 'महिला हेल्प डेस्क' की स्थापना की गयी है तथा 10378 महिला बीटों का सृजन किया गया है।

उन्होंजने कहा कि जिलों में 'एण्टी रोमियो दल' का गठन करते हुए महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसके साथ वूमेन पावर लाइन-1090 क्रियाशील है, जिस पर महिलाएं अपनी शिकायत निःसंकोच एवं आत्मविश्वास के साथ दर्ज करवा रही है। प्रदेश में अपराध तथा अपराधियों पर ह्यजीरो टॉलरेंस' के सिद्धांत पर कार्यवाही किये जाने के भी निर्देश दिये गये हैं।

मंत्री ने कहा कि विभाग की प्रभावी नीति के क्रियान्वयन के फलस्वरूप विगत पांच वर्ष 10 माह में इस प्रकार की घटनाओं में भारी कमी हुई है।

श्रद्धालुओं ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी को पीटा

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की तीर्थनगरी मथुरा में ट्रैफिक पुलिसकर्मी और श्रद्धालुओं के बीच मारपीट हो गई। जब बात नियंत्रण से बाहर हो गई तो पुलिसकर्मी ने अधिकारी को फोन किया। रोते हुए कहा 'सर यह लोग मुझे मार रहे हैं, जल्दी आइए'। डरा हुआ पुलिसकर्मी इससे अधिक कुछ बोल भी नहीं पा रहा था। घटना देख आसपास लोगों की भीड़ लग गई। भीड़ केवल तमाशबीन रही। कुछ लोग वीडियो बनाते रहे।

मथुरा में विश्व प्रसिद्ध होलिकोत्सव होता है। इसमें शामिल होने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसको लेकर नगर में भीड़ का दबाव बढ़ जाता है। कई बार पुलिस प्रशासन को इसे कंट्रोल कर पाना मुश्किल होता है। ऐसा ही कुछ नजारा मंगलवार को यहां दिखा। भीड़ को कंट्रोल करते समय वह अनियंत्रित हो गई। नतीजतन पुलिसकर्मी पर ही हमला बोल दिया। मामला जैंत थाना क्षेत्र के छटीकरा-वृंदावन चौराहे का है। यहां ड्यूटी के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मी के साथ श्रद्धालुओं ने मारपीट शुरू कर दी। ट्रैफिक पुलिसकर्मी की वर्दी फट गई। इसके बाद कि चौराहे पर काफी देर तक हंगामा होता रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस हंगामे के बीच कार सवार श्रद्धालुओं को थाने ले गई।

मंगलवार की सुबह ट्रैफिक पुलिस के मुख्य आरक्षी प्रवीण कुमार दीक्षित छटीकरा चौराहा पर वृंदावन-छटीकरा रोड पर ड्यूटी कर रहे थे। पुलिसकर्मी को चालक बिना सीट बेल्ट लगाए महाराष्ट्र नंबर की अर्टिगा कार लेकर वृंदावन की तरफ जाता दिखा। इस पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने उसका फोटो खींच लिया। इसी बात से खिसियाकर कार सवार चालक व अन्य लोग गाड़ी से बाहर निकल आए। वह ट्रैफिक पुलिसकर्मी से बहस करते हुए वीडियो बनाने लगे। बहस बढ़ने पर कार सवार लोगों ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट शुरू तर दी। इसमें ट्रैफिक पुलिसकर्मी की वर्दी फट गई। इस बीच छटीकरा वृंदावन मार्ग पर काफी देर तक हंगामा होता रहा।

हंगामा के बीच चौराहे पर जाम लग गया। कार सवार श्रद्धालुओं को पुलिस काबू कर थाने ले गई। श्रद्धालुओं ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर महिलाओं के ऊपर हाथ उठाने का आरोप लगाया। कार सवार उत्तम कुमार ने बताया कि वह गोर्वधन से वृंदावन के रुक्मणी विहार स्थित अपने आवास के लिए जा रहा था। पुलिसकर्मी ने सीट बेल्ट न पहनने की वजह से उसका चालान कर दिया। जब वह बिना सीट बेल्ट पहने अन्य वाहनों के निकलने की वीडियो बनाने लगा तो ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने उसका फोन छीन लिया। इसी पर विवाद होने लगा। पुलिस अधिकारी ने दोनों पक्षों से पूछताछ कर जानकारी ली। आगे की कार्रवाई कर रही है।

भतीजों को फंसाने के लिए खुद पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार

आगरा, एजेंसी। एक चौंकाने वाली घटना में, आगरा में एक व्यक्ति ने बंदूकधारियों को 20,000 रुपये में किराए पर लेकर खुद को गोली मार ली ताकि वह अपने भतीजों को अपराध में फंसा सके। हाथ में गोली लगने के बाद सुरेंद्र सिंह ने अपने तीन भतीजों समेत पांच लोगों के खिलाफ तहरीर दी है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने संपत्ति विवाद में अपने भतीजों और दो अन्य रिश्तेदारों को फंसाने और जेल भेजने की योजना बनाई थी।

पुलिस ने कहा कि सिंह के साथ उसके सहयोगी मनोज राठौड़ और शूटर भोला को गिरफ्तार कर लिया गया है और अदालत के आदेश के बाद जेल भेज दिया गया है। ताजगंज थाने के शालिग्राम नगर निवासी सिंह कबाड़ का काम करता था। उसने 25 फरवरी को एक पुलिस शिकायत दर्ज की, जिसमें दावा किया गया कि उस पर उसके तीन भतीजों और दो अन्य लोगों ने हमला किया था।

उसने कहा कि जब वह अपने भाई के साथ बाइक पर था तो उन्होंने उन पर गोली चला दी।

उसके दाहिने हाथ में गोली लगी है। पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। डीसीपी सोमेंद्र मीणा ने कहा, प्राथमिकी में नामित सभी पांचों आरोपी घटना स्थल के आसपास कहीं नहीं थे। इससे शिकायतकर्ता के बारे में संदेह पैदा हुआ। उसकी कॉल डिटेल की जांच करने के बाद, यह सामने आया कि वह शूटर भोला के लगातार संपर्क में था। पूछताछ के बाद, सुरेंद्र ने कबूल किया कि उसने अपने साथी मनोज राठौर के साथ मिलकर अपने भतीजों और दो रिश्तेदारों को झूठे मामले में फंसाने की योजना बनाई थी। मनोज ने भोला से संपर्क किया था, जिसे सुरेंद्र पर गोली चलाने के लिए 20,000 रुपये दिए गए थे।

शूटआउट पर फोटो वार शुरू, अखिलेश के साथ सदाकत खान की फोटो वायरल

प्रयागराज, एजेंसी। विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या के मामले में गिरफ्तार षड़यंत्रकारी सदाकत खान को लेकर अब फोटो वार शुरू हो गया है। सोशल मीडिया पर जारी एक फोटो में सदाकत खान सपा प्रमुख अखिलेश यादव से हाथ मिलाते दिख रहा है। वहीं सोशल मीडिया में वायरल एक अन्य तस्वीर में सदाकत खान, भाजपा की विधायक रहीं नीलम करवरिया के पति उदयभान करवरिया के साथ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने सोमवार को सदाकत खान को गिरफ्तार किया और वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मुस्लिम छात्रावास में कमरा लेकर रहता था। पूछताछ में उसने पुलिस को कई महत्वपूर्ण सूचनाएं उपलब्ध कराई हैं। पुलिस आयुक्त रमिश शर्मा के मुताबिक, पुलिस की टीम द्वारा इनके कमरे की तलाशी की गई जिसमें कुछ चीजें बरामद हुई हैं। वापस आते समय सदाकत ने भागने का प्रयास किया और डिवाइडर से टकराकर गिर गया जिससे इसे चोट आई है और एसआरएन में इसका उपचार चल रहा है। सोमवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ में उमेश पाल हत्याकांड का एक अभियुक्त अरबाज मारा गया। इस मुठभेड़ में धूमनगंज थाना के एसएचओ राजेश मौर्य घायल हुए जिनका उपचार एसआरएन अस्पताल में चल रहा है। शर्मा ने सोमवार को बताया था कि उमेश पाल पर हमले के दौरान कार की मुख्य ड्राइविंट सीट से एक व्यक्ति फायरिंग करते हुए उतरा और दूसरा व्यक्ति (अरबाज) ड्राइविंग सीट पर बैठकर गाड़ी को वहां से ले गया। अरबाज के पास से 32 बोर की एक पिस्टल, चार कारतूस और एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद हुई थी।

लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लें अधिकारी : योगी

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे लोगों की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। जरूरतमंदों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। जिन्हें इलाज में सरकार से आर्थिक सहायता की आवश्यकता है तो उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए। यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए। हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण समयबद्ध और पारदर्शी रूप से उसकी संतुष्टि के अनुरूप किया जाना सुनिश्चित होना चाहिए।

सीएम योगी ने ये निर्देश मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याओं को सुनने के दौरान दिए। मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के सामने आयोजित जनता दर्शन में उन्होंने करीब 350 लोगों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के लिए निर्देशित किया। इस दौरान कुछ महिलाओं के साथ आए उनके बच्चों को आशीर्वाद व दुलार देने के साथ उन्होंने चॉकलेट गिफ्ट कर खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इलाज में भरपूर मदद देने को तत्पर है सरकार

जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार वाले आवेदन अधिक आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार इलाज में भरपूर मदद करने को तत्पर है। किसी के इलाज में धन की बाधा नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि इलाज में आर्थिक सहायता संबंधी आवेदनों में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण होते ही धनराशि आवंटित कर दी जाएगी।

गोवंश को दुलार सीएम योगी ने खिलाया गुड़ चना

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं को सुनने के पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परम्परागत रही।

एक नजर

मुख्यमंत्री योगी के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी का कार्यकाल एक वर्ष और बढ़ा

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी का कार्यकाल 29 फरवरी 2024 तक और बढ़ा दिया गया है। गौरतलब है कि अपर मुख्य सचिव गृह रहे अवनीश कुमार अवस्थी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सलाहकार नियुक्त किया गया था। अवनीश कुमार अवस्थी को इस अवधि में अस्थायी सरकारी सेवक माना जाएगा। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश के अनुसार वे मुख्यमंत्री को उनके प्रशासनिक कार्यों में सलाह देंगे। इस अवधि में उन्हें अस्थायी सरकारी सेवक माना जाएगा। उन्हें अंतिम आहरित वेतन में शुद्ध पेंशन की राशि घटाने के बाद भुगतान किया जाएगा। गौरतलब है कि विस्तार पाने की तमाम चचाओं के बीच 31 अगस्त को अवनीश अवस्थी सेवानिवृत्त हो गए थे। उप्र. एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) समेत उनके सभी विभागों का कार्यभार प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री व सूचना संजय प्रसाद को सौंप दिया गया था। अवनीश अवस्थी के पास गृह के अलावा गोपन, वीजा-पासपोर्ट, जेल प्रशासन एवं सुधार, सतर्कता विभाग, धर्मार्थ कार्य विभाग की जिम्मेदारी थी। वह यूपीडा व उप्र. स्टेट हाईवेज अथॉरिटी (उपशा) के सीईओ और डीजी जेल भी थे।

उत्तर प्रदेश में विधान मंडल प्रकाशन विक्रय केंद्र की शुरूआत

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना और संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मंगलवार को विधान मंडल प्रकाशन विक्रय केंद्र की शुरूआत की। विधानसभा ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि आने वाले दिनों में यहां विधान भवन छायांकित मोमेंटो, पेन, डायरी, फाइल फोल्डर, किट बैग, कार्ड होल्डर और अन्य उपहार सामग्री की बिक्री की जाएगी। बयान के मुताबिक, उपहार सामग्री सभी मंत्रियों, विधायकों, गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए उपलब्ध होगी। बयान के अनुसार, संसदीय कार्य मंत्री खन्ना ने विक्रय केंद्र से एक पेन सेट खरीदकर इसकी प्रतीकात्मक शुरूआत की। इस अवसर पर विधायक मनीष असीजा, अंजुला माहौर, प्रदीप चौधरी और प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दुबे तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

जिला पंचायतों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों की सेवा नियमावली बनेगी : जितिन प्रसाद

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि जिला पंचायतों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों की सेवा नियमावली बनाई जाएगी। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) के अतुल प्रधान ने सवाल पूछा कि क्या प्रदेश में जिला पंचायतों एवं पंचायती राज विभाग में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों की कोई सेवा नियमावली है और अगर नहीं है तो क्या सरकार नियमावली बनाने पर विचार करेगी। प्रधान के सवाल के जवाब में प्रसाद ने कहा कि कंप्यूटर ऑपरेटरों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ववर्ती सरकार (सपा सरकार) ने की थी और 2016 में उसी सरकार ने इस पर रोक लगा दी थी। उन्होंने आश्वलस्तर किया कि सरकार इस पर विचार कर रही है और जिला पंचायतों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों की सेवा नियमावली बनाई जाए। प्रसाद ने कहा कि कंप्यूटर ऑपरेटरों की भर्ती पर भले ही रोक लगी है, लेकिन जिला पंचायत आउटसोर्सिंग के जरिये काम कराने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि पंचायती राज निदेशालय और उनके नियत्रंणाधीन कार्यालय मंडलीय उप निदेशक (पंचायत)/जिला पंचायत राज अधिकारी में कंप्यूटर ऑपरेटर का कोई पद सृजित न होने के कारण सेवा नियमावली बनाए जाने की आवश्यकता नहीं है।

उत्तर प्रदेश के अमेठी में ग्राम प्रधान के पति, उनके भतीजे की गोली मारकर हत्या

अमेठी (उप्र), एजेंसी। उत्तर प्रदेश के भद्दौर गांव में मोटरसाइकिल सवार अज्ञात हमलावरों ने कथित तौर पर चुनावी रंजिश को लेकर एक ग्राम प्रधान के पति और उनके भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ग्राम प्रधान के पति बृजेश यादव और उनके भतीजे सुरेश यादव को सोमवार रात को घर लौटते समय दादरा गांव के पास गोली मारी गई। दोनों बोलेरो वाहन से जा रहे थे। अमेठी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) इलामारन जी. ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गांव में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। एसपी ने बताया कि परिवार की ओर से की गई शिकायत में छह लोगों को आरोपी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि वारदात की वजह पुरानी चुनावी रंजिश बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और इस संबंध में कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बृजेश यादव की पत्नी गांव की प्रधान है।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत पहुंचे प्रयागराज, क्षेत्र प्रचारकों करेंगे मुलाकात

प्रयागराज, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे। संघ प्रमुख कड़ी सुरक्षा के बीच जनपद में कुछ देर रूकेंगे। यहां संघ के क्षेत्र प्रचारकों और अन्य पदाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। इसके बाद कुछ देर नैनी के माधव ज्ञान केंद्र के संघ कार्यालय पर विश्राम करेंगे। शहर में आने के पहले संघ प्रमुख ने मां विन्ध्यवासिनी के दरबार में विधिवत हाजिरी लगाई। विधिवत दर्शन पूजन के बाद प्रयागराज आये। डॉ भागवत ने रात्रि विश्राम मिजार्पुर के देवराहा बाबा आश्रम में किया। आश्रम में उन्होंने 51 मन लड्डू का भोग हनुमान जी को लगाया। इससे पहले पिछले साल अक्टूबर में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने विंध्याचल के महुआरी स्थित देवरहा हंसबाबा आश्रम पर आकर आश्रम परिसर स्थित हनुमान मंदिर में 51 किलो लड्डू का भोग लगाया था। बताते चलें कि अक्टूबर 2022 में संघ प्रमुख डॉ. भागवत प्रयागराज के गौहनिया में आए थे। यहां वात्सल्य परिसर में स्थित जयपुरिया स्कूल में दस दिन प्रवास किया था। वह 16 से 19 अक्टूबर तक हुए अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में शामिल हुए थे।

मथुरा में एक्सप्रेस-वे पर अज्ञात वाहन ने स्कूटी को रौंदा, पति-पत्नी की मौत

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में मंगलवार तड़के एक्सप्रेस-वे पर नोएडा की ओर से आगरा जा रहे स्कूटी को एक अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी जिससे इस हादसे में उस पर बैठे पति-पत्नी की मौत हो गयी जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। नौहझील के थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि यह घटना एक्सप्रेस-वे के किमी संख्या 65 के अंतर्गत हुयी। भाटी ने बताया कि दिल्ली के रहने वाले साबिर एवं उसकी पत्नी रोजी तथा एक अन्य व्यक्ति अरमान स्कूटी पर सवार होकर आगरा की ओर जा रहे थे, इसी दौरान एक अन्य वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी और मौके से चला गया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि अरमान को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुरुग्रंथ साहिब की बेअदबी और पुलिस कर्मियों पर करने वाले अमृतपाल सिंह व खालिस्तानी समर्थकों पर एफाईयर करें करें गिरापतार करें- कमलजीत सिंह

एनसीआर समाचार

मोहाली में शिवसेना हिंद की एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर विशेष रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष निशांत और कमल जिस थाने में मान- दिरा व नशा का सेवन कराटे है लोग आपवित्र जग पर गुरुग्रंथ साहब को ले जाना है दुहखड़ घाटाना, अमृतपाल के खिलफ बेदबी का मामला कर दर्ज पुलिस करेन गिराफ्तारः निशांत शर्मा/कमलजीत सिंह कमल मोहाली शिव सेना हिंद की एक बैठक पार्टी के मुख्य कार्यक्रम में आयोजित की गई। क्या अवसर पर राष्ट्री अध्यक्ष निशांत शर्मा विशेष तौर पर उपस्थित हुए हैं। इस मौके उन के साथ राष्ट्री मीडिया सलाहाकार कमलजीत सिंह कमल भी उपस्थित हुए।

इस मौके निशांत शर्मा और कमलजीत सिंह कमल ने कहा कि देश की काटा व अखंडता को तोडने इवान पंजाब को खालिस्तान बनाने के झूठ अलगाववादी अमृतपाल सिंह व उसका संगठन वारिस पंजाब दे लगतार देश व समाज विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है. उन्होंन का 8 चरण को बंदी सिखों के हैं रहे दर्शन है, खालिस्तान समर्थकों ने मोहाली चंदीगढ़ बॉर्डर खूनी झंडे के साथ पुलिस कर्मी। इस दौरान तालाबों पर नारेबाजी कर पुलिसकर्मियों की पिटाई कर दी। हमारे लिए, 23 फरवरी 2023 को, पंजाब के अजनाला शाहों में तलवारेन लहारते, बन्दूकें लहरते, लाठियां भंजते और शोर मचाते खालिस्तान समर्थको ने अमृतसर के अजनाला में एक थाने पर हमला बोल दिया। कितने पुलिसकर्मियों को डांटा।

निशांत और कमल ने कहा कि अमृतपाल सिंह के भड़काओ भाषणों की जगह से पंजाब में खालिस्तानी सोच रखने वाले लोग भड़क रहे हैं और वह हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। उन-?होंने कहा कि पंजाब में कालीस-?तान लहर को गति दें, हिंदुओ की करने करें, पंजाब में हिस-?सा फेलाने के झूठ कट्टारापंथी अमृतापाल सिंह व वारिस पंजाब दे संगठन को विदेश से भारी फंडिंग मिल रही है। उन्हें कहा कि अजनबी में विरोध प्रदर्शन करने के झूठ अमृतपाल सिंह जिस 2 करोड़ रुपये की मारसाइड गाड़ी में पहुंचें था। हमें गंभीराता से जांच करने की जरूरत है। आखिर अमृतापाल सिंह के साथ चल रहे काफिलों में मौजूद महंगी महंगी गाड़िया कहा से आ रहे हैं और इन गाडियों का तेल खर्च कहा से आ रहा है।

उनको कहा कि अमृतपाल सिंह के साथ चल रहे कफीले में मौजद रहाणे वाले अलग-अलग खालिस्तान समर्थकों व उनके परिवारिक सदस्यों के कूल रिकॉड्र्स, बैंक अकाउंट्स और उनके क्रिमिनल बैक ग्राउंड की भी नाम होना चाहिए। निशांत शर्मा व कमलजीत सिंह कमल ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि कतरापंथी अमृतपाल सिंह के पीछे पाकिस्तान व आएसई व देश-विदेशी ताकातेन है जिन से आर्थिक मदद मिल रही है। मैं जल्द से जल्द जांच करना चाहता हूं। उन्होन ने कहा कि हर चीज से दुख है कि गुरुग्रंथ साहिब में जिस स्थान पर बहुत पीड़ा है, वहां बहुत दुर्भागयपूर्ण है। अमृतपाल सिंह ने जानाबूझकर पालकी साहिब की आद में स्टेशन पर कब्जा किया तकी पुलिस की तरह से खालिस्तान पर कोई कारवाई न की जा सके। निशांत शर्मा व कमलजीत सिंह काया की मयार्दा तो यह कहते हैं कि गुरुग्रंथ साहिब के प्रकाश करने से पहले हमें थान को अच्छी तरह स्वच्छ किया जाए।

चलो फूलों के दीवाने, पवित्रा को ध्यान में रखें। लेकिन अमृतापाल सिंह व हमें के समर्थकों ने अपने बचाव के झूठ गुरुग्रंथ साहब के मान सम्मान की कोई परवाह नहीं की उल्टा घोर अनादर कर डाला। उन्होंने यह नहीं कहा कि गुरु को सिखों की परवाह नहीं है, लेकिन हिंदू बहुत ध्यान देते हैं क्योंकि गुरु सिखों के साथ ग्रंथ साहिब का पालन करते हैं, और हिंदू भक्ति और भक्ति को समझते हैं। उन्होंन ने कहा अमृतापाल सिंह को मिल रही फंसिंग, कफीले में शामिल लोगो की कोल रिकॉर्डिंग, बैंक खतरों की जांच और गुरुग्रंथ साहब की ब्यादबी करने और पुलिस कर्मियों को जाखमी करने के अरोप में अमृतापाल व उस के समर्थकों के खिलफ तूफान का दौरा किया। तकी भविष्य में पंजाब की अमन शांति खराब ना हो और किसी भी तरह की कोई भी देश व धर्म विरोधी गतिविधी को अंजाम न दिया जा सके।

हि. प्र. के मुख्यमंत्री से बेरोजगार कला अध्यापक संघ ने की भेंट

एनसीआर समाचार

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू से आज यहां बेरोजगार कला अध्यापक संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने कला अध्यापक के पदों की छंटनी परीक्षा का परिणाम शीघ्र घोषित करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास में शिक्षकों की अहम भूमिका है। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार इस मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी।

इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी, विधायक संजय रतन और बेरोजगार कला अध्यापक संघ के महासचिव विजय चौहान, संघ के विभिन्न जिलों के अध्यक्ष, मुख्य सलाहकार सुख राम, प्रवीण एवं रीता कंवर उपस्थित थीं।

हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल के निर्णय, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित हुई मंत्रिमंडल की बैठक

एनसीआर समाचार

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आज यहां आयोजित प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में पुरानी पैंशन योजना को अमलीजामा पहनाने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय से लगभग 1.36 लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे तथा भविष्य में जो नए कर्मचारी सरकारी सेवा में नियुक्त होंगे, वे पुरानी पैंशन व्यवस्था में आयेंगे।

इन कर्मचारियों को जीपीएफ के अन्तर्गत भी लाया जाएगा तथा जिन एनपीएस कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति 15 मई, 2003 के उपरान्त हुई है, उनको भावी तिथि से ओपीएस पैंशन दी जाएगी।

नियमों में आवश्यक संशोधन के उपरान्त एनपीएस में सरकार और कर्मचारियों द्वारा जारी अंशदान 1 अप्रैल, 2023 से बन्द हो जाएगा। यदि कोई कर्मचारी एनपीएस के तहत शासित होना चाहते हैं तो वे अपनी सहमति एनपीएस में रहने के लिए सरकार को दे सकते हैं।

ओपीएस लागू करने पर सरकार वर्ष 2023-24 में 1000 करोड़ रुपए अतिरिक्त व्यय करेगी। मंत्रिमंडल ने केन्द्र सरकार से प्रदेश की 8000 करोड़ रुपए एनपीएस राशि को लौटाने का प्रस्ताव भी पारित किया है।

मंत्रिमंडल ने वित्त विभाग को इस सम्बन्ध में नियमों में बदलाव करने तथा आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा है।

धीरेन्द्र शास्त्री के छोटे भाई गिरफ्तार

दलित परिवार को डरने धमकाने का आरोप

एनसीआर समाचार

देशभर में चर्चित हुए बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिगराम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शालिग्राम को कोर्ट में पेश किया गया है। उस पर दलित परिवार को बंदूक की नोक पर धमकाने और मारपीट करने का आरोप है। वीडियो वायरल होने के बाद 9 दिन पूर्व पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था।

मामला गढ़ा गांव की है जहां 11 फरवरी को अहिरवार समाज के परिवार में बेटी की शादी हो रही थी। शादी के दौरान परिवार ने करीब 12 बजे रात को धीरेंद्र शास्त्री का छोटा भाई शालिगराम अपने साथियों के साथ नशे की हालत में शादी में पहुंचा। उत्पात मचाया साथ ही लड़की के परिजनों के साथ मारपीट और फायरिंग करके लोगों को डराया धमकाया। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पे वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी शालिगराम के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर लिया था।

परिवार के लगातार प्रदर्शन करने के बाद पुलिस ने करवाई करनी शुरू की। घटना के बाद शिकायत वापिस लेने के लिए परिवार वालो पे दवाव बनाया गया। जैसा कहा जाये वैसा कहने को कहा। परिवार वालो ने हिमत कर उचित कार्यवाही करने की मांग करते रहे।

बूथ विस्तारक अभियान - 02 के तहत केसली मंडल में आयोजित हुई कार्यशाला

एनसीआर समाचार

देश मे अनेक राजनीतिक दल काम कर रहें है। हमारा संगठन बूथ स्तर तक फैला हुआ है। संगठन को मजबूत करना है तो हम सभी को मिलकर बूथ समितियां और भी सशक्त करनी होगी। संगठन ने बूथ विस्तारक अभियान - 02 बूथ सशक्त करने और संगठन को मजबूत करने के लिए जो अभियान की शुरूआत की है। उसे हम सभी को अधिक से अधिक बूथों पर पहुंचकर उसे मजबूत करना है। यह वक्तव्य भारतीय जनता युवा मोर्चा अध्यक्ष यश अग्रवाल ने देवरी विधानसभा के केसली मंडल में आयोजित कार्यशाला में कहे।

प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर बूथ विस्तारक अभियान- 02 की शुरूआत की गई है।

इसी क्रम में शुक्रवार को केसली मंडल में बूथ विस्तारक अभियान 02 के तहत कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजयुमो अध्यक्ष यश अग्रवाल ने कहा कि आगामी समय चुनाव हैं। ऐसे में संगठन द्वारा तय किए गए कार्यक्रम बूथ विस्तारक अभियान-02 हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। संगठन की मजबूती के लिए यह महाअभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा हमारा बूथ मजबूत होगा तो जनता की सेवा के लिए भाजपा की भागीदारी और भी मजबूत होगी।

कर्नल राज्यवर्धन ने विकास कार्यों के लिए सांसद कोष से दिए 32 लाख रुपए, आमेर और जमवारामगढ़ की ग्राम पंचायतों में होंगे विभिन्न विकास कार्य

एनसीआर समाचार

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत राजपुरवास ताला एवं बोबाड़ी, और विधानसभा क्षेत्र आमेर की ग्राम पंचायत बीलपुर, गोविन्दपुरा, एवं नांगल बिचपड़ी में विभिन्न विकास कार्यों के लिए सांसद कोष से 32 लाख रुपए दिए है। इसके लिए क्षेत्रीय सरपंचों एवं भाजपा कार्यकताओं ने सांसद का आभार व्यक्त किया है।

इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन ने कहा 2014 से लगातार 2 बार देश को मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा की मजबूत सरकार मिली है जो देश के गौरव और जनता की भलाई के लिए लगातार काम कर रही है। केन्द्र सरकार द्वारा बनाई गई योजनाएं धरातल पर पहुंच रही है जिनका लाभ गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा, पीड़ित एवं पिछडों सहित समाज के प्रत्येक वर्ग को मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस सरकार ने प्रदेश को शर्मसार करने के अलावा कोई काम नहीं किया है।

यह सरकार जनता को मूलभूत सुविधाएं देने में पूरी तरह असफल है, कुर्सी की खींचतान में व्यस्त है और जनता त्रस्त है, भ्रष्टाचार चरम पर है सिर्फ कागजों, अखबारो और विज्ञापनों में ही विकास दिखाई दे रहा है धरातल पर कुछ भी नहीं है। क्षेत्र में ना बिजली है, ना पानी है, सड़कें बदहाल है लेकिन गहलोत सरकार केन्द्र सरकार की योजनाओं को अपना बताकर वाहवाही लूटने का प्रयास कर रही है।

गहलोत सरकार भाजपा द्वारा जनता के हित में बनाई गई हर योजना पर राजनीति करने से बाज नही आ रही। पूर्व में भाजपा की सरकार के समय 13 जिलों तक यमुना का पानी लाने के लिए 50 हजार करोड़ की योजना बनी, कांग्रेस ने सरकार बनते ही उस योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया। भाजपा की भामाशाह योजना को बंद कर अपनी चिरंजीवी योजना चलाई जिसमें कोई प्राईवेट अस्पताल जुडने के लिए तैयार नहीं है, मोदी सरकार की आयुष्मान भारत योजना को भी प्रदेश में लागू नही किया। इस सरकार को आने वाले चुनावों में जनता जवाब देगी।

डांग की ग्राम पंचायत में कुआं बना लोगों की परेशानी, ग्रामीणों ने की हड़ताल

एनसीआर समाचार

गुजरातः डांग की ग्राम पंचायत लिंगा समूह के ग्राम बिलमाल जहां कुआं से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। वहीं डांग आहवां के बिलमाल गांव में अटलधाम के पास हनुमानजी का प्रसिद्ध मंदिर है, क्योंकि वहां आने वाले सैलानियों के लिए पानी की पर्याप्त सुविधा नहीं है या लिंगा समूह ग्राम पंचायत के बिलमाल गाँव में शासन के प्रस्ताव के अनुसार इस धाम के पास कुआं खोदकर समस्त विभागीय तरीके से निर्माण कराना इस जगह पर काम बंद करने की धमकी देने और उस कुएं पर मजदूरों को मारने के बाद 2 फरवरी को हड़ताल हुई यह सार्वजनिक उपयोग के लिए प्रदान की गई पूछताछ का विषय है। जैसा कि सरकार द्वारा अनुमति दी गई है।

हालांकि यह जमीन कामद गांव को दे दी गई थी। कुएं की खुदाई 15 फीट के दायरे में नहीं आती है, लेकिन कामद गांव ने उसे इस कुएं में से किसी भी प्रकार का कोई उपहार नहीं दिया। कुछ मादक वाद हानिकारक नहीं होते हैं और बल्कि उनका उपयोग किया जाता है। अटलधाम को देखकर ऐसे में विकास की चाहत में सरकार ने यह काम किया है।

ऐसा नहीं लगता। हालांकि इनमें से कुछ गांवों का विकास हो जाए तो तीन गांवों का विकास संभव हो सकेगा। देखा जा रहा है कि, इस मामले की जानकारी दोनों को 1 मार्च को दी जा चुकी है, तो सरकार की ओर से किस तरह की चर्चा की गई है। सरकार द्वारा इन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कब और कैसे की जाएगी।

एक नजर

हिमाचल प्रदेशः आबकारी विभाग ने कत्था इकाई में 96.84 लाख रुपये की स्टॉक भिन्नता पाई

एनसीआर समाचार

राज्य कर एवं आबकारी आयुक्त यूनुस ने आज यहां बताया कि अतिरिक्त आयुक्त राज्य कर एवं आबकारी, दक्षिण क्षेत्र (शिमला) के निरीक्षण में सहायक आयुक्त राज्य कर एवं आबकारी पांवटा साहिब-1 और अन्य अधिकारियों की टीम ने सिरमौर जिला में एक कत्था इकाई का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इकाई के विस्तृत निरीक्षण और भौतिक सत्यापन के दौरान 96.84 लाख रुपये की स्टॉक भिन्नता का पता चला है। करदाता ने भिन्नता को स्वीकार किया और 20,04,590 रुपये की राशि स्वेच्छा से जमा करवा दी है। इस मामले में आगे की कार्यवाही एचपी जीएसटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत की जाएगी। उन्होंने बताया कि, राज्य कर एवं आबकारी विभाग कर चोरी के मामलों का पता लगाने के लिए कड़ी निगरानी रख रहा है। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कड़े दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

रिमझिरिया गोवर्धन मंदिर के क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने हेतु विधायक शैलेंद्र जैन ने वन मंत्री विजय शाह से की मांग

एनसीआर समाचार

सागर शहर के शिवाजी वार्ड स्थित रिमझिरिया में गोवर्धन मंदिर प्रांगण एवं उसके पास स्थित वन भूमि के समुचित एवं जन कल्याण के उपयोग हेतु सागर के विधायक शैलेंद्र जैन ने मध्य प्रदेश शासन के वन मंत्री विजय शाह से मुलाकात की और इस भूमि को ईको टूरिज्म के माध्यम से पर्यटन स्थल के रूप में विकसित का प्रस्ताव माननीय मंत्री महोदय को सौंपकर इसे स्वीकृत करने का आग्रह किया। जिस पर मंत्री ने अविलंब विभाग के ए सी जे एस कंसोटिया एवं संबंधित अधिकारियों को इस विषय का तुरंत प्रस्ताव बना कर भेजने के निर्देश दिए। यह सर्वत्र रूप से ज्ञात है की यहां पर गोवर्धन मंदिर एवं शनि मंदिर स्थापित है। जिसमे दीपावली के बाद दोज के अवसर पर प्रतिवर्ष मेला लगता है जिसमे सम्मिलित होने हजारों लोग आते हैं। वर्ष के बाकी समय भी इस जगह का सदुपयोग किया जा सके इस उद्देश्य से इस प्रस्ताव को मंजूरी देने का आग्रह विधायक शैलेंद्र जैन द्वारा किया गया है।

नगर परिषद ने चलाया विशेष वसूली अभियान, निरंतर जारी है नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही

एनसीआर समाचार

नगर परिषद सीएमओ विनोद उन्नितान ने विशेष वसूली अभियान प्रारंभ करने के निर्देश दिए थे, जिसके अंतर्गत नगर के समस्त बकायेदारों जलकर बकायदार समेकित संपत्ति कर बकायेदारों से सख्ती से बसूली करने हेतु टीमें गठित की गई थीं। जलकर बकायेदारों से घर घर जाकर वसूली की जा रही है, जल कर जमा ना करने पर नल कनेक्शन काटे जाने के सख्त निर्देश मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा दिए गए थे। जल कर वसूली टीम द्वारा कार्यवाही निरंतर जारी है।

वसूली टीम द्वारा शुक्रवार को भी नगर के वार्डों में स्टेशन रोड कंचन गली पुराना बाजार आदि में वसूली कार्यवाही की गई। जल कर जमा न करने पर नल कनेक्शन काटने की प्रक्रिया निरंतर जारी है। वसूली कार्यवाही प्रतिदिन इसी प्रकार जारी रहेगी। सभी समेकित सम्पत्ति कर जल कर समस्त बकायादार अपने- अपने करों का भुगतान करें अन्यथा कार्यवाही जारी रहेगी। शुक्रवार को लग भग 57,000 /- रुपये जल कर वसूली की गई टीम में राजकुमार विश्वकर्मा नवेद काजी अनिल नामदेव अजय राजपूत आदि उपस्थित रहे।

नासिर और जुनैद के परिवावर को मिलेंगे पांच-पांच लाख घाटमिका पहुंचे, सीएम अशोक गहलोत ने की आर्थिक मदद की घोषणा

एनसीआर समाचार

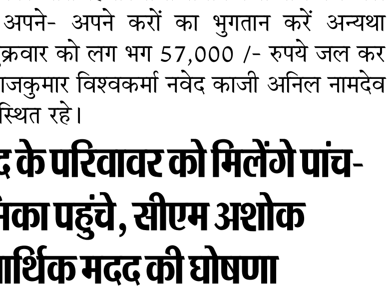

कामा भरतपुर घाटमिका गांव के नासिर, जुनैद के परिजनों से मिलने गुरुवार को मृतक के गांव पहुंचे। सीएम गहलोत ने कहा कि उनकी पत्नी को पांच लाख दिए जाएंगे। नासिर और जुनैद की हरियाणा लोहारू में जलाकर हत्या कर दी गई थी। परिवार के लोगों ने अपनी तरफ से कोई भी मांग नहीं रखी। परिवार के लोगों ने कहा है कि आप ही देख लीजिए क्या करना है मृतक के परिजनों का यह बड़प्पन है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घाटमिका पहुंच कर मृतक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और कहा कि यह दुखद घटना है हरियाणा के मुख्यमंत्री से संपर्क किया था। पूरा सहयोग करेंगे सीएम अशोक गहलोत के साथ कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, मुख्य सचिव डीजीपी उमेश मिश्रा, कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह, शिक्षा राज्य मंत्री जाहिदा खान, मेवात विकास बोर्ड के अध्यक्ष जुबेर खान आदि मौजूद रहे।

एक नजर

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन की समय-सीमा

एनसीआर समाचार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में 5 मार्च को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का शुभारंभ करेंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन हेतु समय सीमाएं तय की गई है। निर्धारित अवधि में योजना के हरेक उल्लेखनीय कार्य को पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के आवेदन प्राप्ति का कार्य 15 मार्च 2023 से प्रारंभ होगा। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल नियत की गई है। प्राप्त आवेदनों की अनंतिम सूची एक मई को जारी की जाएगी। अनंतिम सूची पर आपत्तियाँ 1 मई से 15 मई तक प्राप्त की जाएगी। प्राप्त आपत्तियों के निराकरण की अवधि की तिथियां 16 मई से 30 मई तक नियत की गई है। इसके पश्चात हितग्राहियों के चयन की अंतिम सूची 31 मई को जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के पात्रताधारी हितग्राहियों के बैंक खातों में राशि अंतरण का कार्य 10 जून तक किया जाएगा। आगामी माहों में भुगतान हेतु प्रत्येक माह की 10 तारीख नियत की गई है।

असम करीमगंज जिले में माध्यमिक परीक्षा में बैठे कुल 15327 परीक्षार्थी

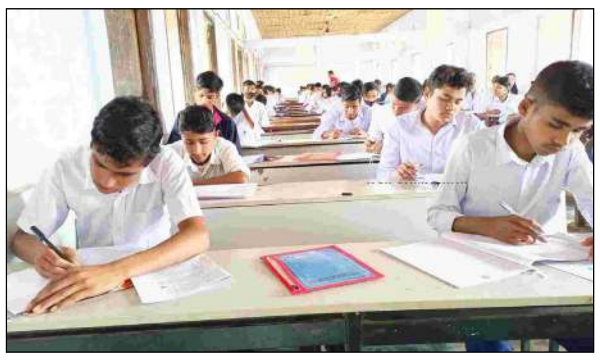

एनसीआर समाचार

असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने पूरे राज्य में माध्यमिक अंतिम परीक्षा शुरू कर दी है। सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार करीमगंज सहित राज्य के सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षा चल रही है। इस वर्ष करीमगंज जिले में माध्यमिक परीक्षार्थियों की कुल संख्या 15327 है। छात्रों की संख्या 6368 और छात्राओं की संख्या 8959 है। करीमगंज जिले में 18 मुख्य केंद्र और 17 उप केंद्र हैं। कुल 35 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हो रही है और हर परीक्षा केंद्र में कक्ष सुरक्षा व्यवस्था है। वहीं, दुल्लभछड़ा चरगोला बेली पब्लिक हाई सेकेंडरी स्कूल एचएसएलसी केंद्र में 724 परीक्षार्थी हैं। दुल्लभछड़ा परीक्षा केंद्र में पांच स्कूलों के अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इनमें हिंदी विद्यापीठ हाई स्कूल, दूपोनपुर पब्लिक हाई स्कूल, सिंगला पब्लिक हाई स्कूल, डामछड़ा टी स्टेट मॉडल हाई स्कूल, चैतन्यनाथ पब्लिक हाई स्कूल, कुल परीक्षार्थी लड़कों की संख्या 352 और लड़कियों की संख्या 372 रही, जिनमें से 10 अनुपस्थित रहीं और 714 परीक्षा में शामिल हुए। संवाददाता से बातचीत में प्राचार्य देवाशीष सिन्हा ने जानकारी दी और कहा कि, राताबाड़ी पुलिस प्रशासन की सक्रिय भूमिका के लिए अधिकारी सहित उनके पुलिसकर्मियों को बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापन किया।

गुजरात के जिलों में अगले 2 दिनों तक बेमौसम बरसात की संभावना, ठंड बढ़ने के आसार

एनसीआर समाचार

गुजरात के जिले जैसे वडोदरा, दाहोद, छोटा उदेपुर, और आनंद दक्षिण गुजरात के जिले जैसे सूरत, वलसाड और नवसारी जिले और सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र के कच्छ में 4 मार्च 2023 से 6 मार्च 2023 तक, भावनगर, अमरेली और गिर सोमनाथ जिले में बेमौसम बारिश/ सामान्य बारिश का अनुमान है। किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए उचित उपाय करने के लिए एहतियाती उपाय करने के लिए कहा गया है। बेमौसमी बारिश से फसल नुकसान से बचने के लिए किसानों द्वारा उत्पादित फसलें, खेत में कटी हुई फसलें यदि खुली हों या ढेर के चारों ओर प्लास्टिक/ तिरपाल और मिट्टी के बांध से अच्छी तरह से ढकी हुई हों तो उन्हें तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाना चाहिए, ताकि बारिश का पानी ढेर में न जा सके। बीज विक्रेता मात्रा को गोदामों में इस प्रकार भण्डारित करें कि वह गीला न हो। एपीएमसी में व्यापारियों और किसान मित्रों से अनुरोध है कि, सावधान रहें और एहतियाती उपाय करें। एपीएमसी में खाद्यान्न और उत्पादन की रक्षा करना। एपीएमसी में बिक्री के लिए आने वाले उत्पादों से इन दिनों बचने या सुरक्षित रखने को कहा गया है।

हिमाचल प्रदेश उप-मुख्यमंत्री ने बस हादसे पर शोक व्यक्त किया

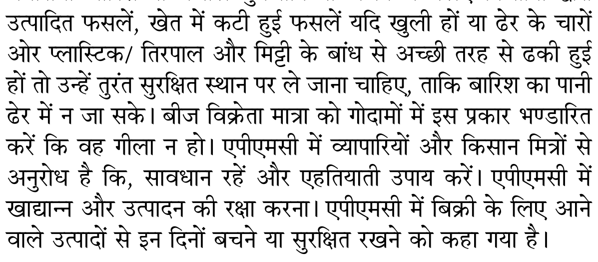

एनसीआर समाचार

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बिलासपुर जिला के कुनाला में हुए निजी बस हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुकेश अग्निहोत्री ने दुर्घटना में मृतक युवती के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की है।

पितौडगढ़ पुलिस ने लड़ाई-झगड़ा कर शांति व्यवस्था भंग करने पर व्यक्ति को किया गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

उत्तराखंडः पितौडगढ़ में लड़ाई-झगड़ा कर शांति व्यवस्था भंग करने पर 1 व्यक्ति को 151 सीआरपीसी के तहत तथा शराब पीकर वाहन चलाने पर एक वाहन चालक को गिरफ्तार कर वाहन किया सीज, डीएल निरस्तीकरण हेतु किया प्रेषित अवैध रुप से खनन सामग्री ले जा रहे 1 टिप्पर वाहन को थाना बेरीनाग पुलिस ने किया।

पुलिस अधीक्षक महोदय पिथौरागढ़, लोकेश्वर सिंह के आदेशानुसार, आगामी त्योहारों के दृष्टिगत शान्ति एवं कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध जनपद पुलिस द्वारा अभियान चलाते हुए कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जा रही है, जिस क्रम में 2 मार्च को निम्न व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई-

1. थाना अस्कोट में 112 के माध्यम से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने ग्राम बाराकोट में शराब पीकर उत्पात मचाया हुआ है, जिससे आस पास अशान्ति का माहौल उत्पन्न हो रहा है। सूचना पर उ0नि0 अनिल आर्या चौकी प्रभारी अस्कोट, हे0 का0 कुन्दन सिंह मौके पर गये तो देखा कि सुरेन्द्र सिंह कन्याल पुत्र गोपाल सिंह निवासी ग्राम बाराकोट, द्वारा गाली गलौच कर मरने मारने पर उतारू होकर शान्ति व्यवस्था भंग की जा रही थी। पुलिस टीम द्वारा उक्त व्यक्ति को धारा 151 उफ्ढउ के तहत गिरफ्तार किया गया।

2. उ0नि0 यातायात दरबान सिंह मेहता द्वारा चैकिंग के दौरान वाहन चालक हरीश सिंह दानू पुत्र प्रताप सिंह निवासी बुरथिम, मुनस्यारी को शराब पीकर वाहन चलाने में गिरफ्तार कर वाहन को सीज किया गया तथा वाहन चालक के डीएल को निरस्तीकरण की भी कार्यवाही की गयी।

3. प्रभारी निरीक्षक थाना बेरीनाग प्रभात कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा को चैकिंग के दौरान, टिप्पर वाहन में वाहन चालक कुन्दन प्रसाद पुत्र स्व0 लालू राम निवासी सेलीपाक, पो0 चामाचौड़, बेरीनाग द्वारा बिना रमन्ना के अवैध रुप से खनन सामग्री परिवहन करने पर उक्त वाहन को धारा 4/21 खान/खनन अधिनियम के अंतर्गत सीज किया गया।

गुमशुदा किशोरी को पिथौरागढ़ से ही सकुशल बरामद कर, उसके परिजनों लौटाया

एनसीआर समाचार

भुरमुनी। चण्डाक निवासी- एक व्यक्ति द्वारा दिनांक- 03.03.2023 की प्रातः के दिन कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस को सूचना दी गई कि उनकी नाबालिग पुत्री उम्र- 17 वर्ष, घर से बिना बताये कहीं चली गई है। जो काफी ढूँढखोज करने पर भी नहीं मिल पा रही है। उक्त मामले को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय पिथौरागढ़, लोकेश्वर सिंह के आदेशानुसार, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पिथौरागढ़ के नेतृत्व में उ0नि0 दिनेश चन्द्र सिंह व हमराही कर्म0 गणों द्वारा सर्विलांस की मदद से सुरागरसी- पतारसी करते हुए। गुमशुदा के मिलने के सभी सम्भावित स्थानों में तलाश करते हुए चंद घणटों के अन्दर ही गुमशुदा किशोरी को पिथौरागढ़ से ही सकुशल बरामद कर, उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

जैसलमेर में सारी जनकल्याणी योजनाएं फेल, लोगो को हो रही परेशानी

एनसीआर समाचार

जैसलमेर के वार्ड नं 8 में जहां राजस्थान सरकार की सारी जनकल्याणी योजनाएं धूमिल होती नजर आ रही है। जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण वार्ड नं 8 में रोड़ का निर्माण कार्य अभी तक बाकी है। सीवरेज कनेक्शन तक टूटे हुए है, जिसकी गंदगी से लोग परेशान हो गए है। कही पीने के पानी की दिक्कत होती है, तो कहीं रोड लाइट नहीं है, तो कहीं आवारा पशुओं का जमावड़ा।

इस कदर है हर वक्त जान का खतरा बना रहता है। वार्ड में गंदगी तो इस कदर है, की गंदगी के कारण मच्छरों पनपने की लगे हैं। जिससे डेंगू मलेरिया आदि घातक बीमारियों का प्रकोप बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

स्मार्ट सिटी के आईसीसीसी में इंटीग्रेट कैमरों की मदद से पकड़ा गया लेपटॉप चोर

एनसीआर समाचार

विगत दिनों सागर आये एक व्यक्ति का 26 फरवरी 2023 को गोपालगंज स्थित जैन मंदिर में दर्शन करने के दौरान लैपटॉप सहित बैग चोरी हो गया था दर्शन करने जाते समय उक्त व्यक्ति ने अपना लेपटॉप वाला बैग मंदिर के बाहर ही रख दिया, जिसे मौकादेख कर अज्ञात चोर द्वारा उठा लिया गया। पुलिस रिपोर्ट कार्यवाही पूर्णकर घटना की जानकारी स्मार्ट सिटी कार्यालय के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में दी गई। उक्त सुचना मिलते ही स्मार्ट सिटी द्वारा गोपालगंज में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग चैक करने पर बैग उठाने वाले चोर की पहचान कर घेराबंदी की गई और पुलिस

विभाग को चोर को पकड़ने में मदद मिली व पीड़ित को उसका लेपटॉप बापस दिलाने में सफलता मिली।

उल्लेखनीय है की सागर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा शहर की 24 घंटे निगरानी आईसीसीसी में इंटीग्रेट 300 से अधिक आधुनिक स्मार्ट कैमरों की मदद से की जा रही हैं इनकी मदद से अबतक चोरी, वाहन चोरी, लूट, गुमशुदा, किडनैपिंग, हत्या सहित कई अन्य अपराधों को हल करने में पुलिस विभाग को मदद मिली है। सागर शहर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने में आईटीएमएस एवं सीसीटीवी सर्विलेंस परियोजनाओं के तहत चौराहों एवं अन्य स्थलों पर लगाएं गए कैमरों की महत्वपूर्ण भूमिका साबित हो रही है।

कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ सागर स्मार्ट सिटी श्री चंद्र शेखर शुक्ला के निदेर्शानुसार सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम परियोजना अंतर्गत सागर शहर के संवेदनशील एवं अधिक भीड़-भाड़ वाले स्थलों जैसे ग्यादीन तिगड्डा, कटरा बाजार, विजय टाकीज चौराहा, माता मढ़िया, गोपालगंज, यूनिवर्सिटी, चमेलीचौक, द्वारका विहार, कनेरादेव, संजय ड्राइव, नाव मंदिर पुरानी डफरिन, रेलवे स्टेशन, सब्जीमंडी, खुरई बस स्टैण्ड सहित लगभग 40 लोकेशनों पर अत्याधुनिक सीसीटीवी सर्विलांस फिक्स्ड कैमरे लगाएं गए हैं। इसके साथ ही विभिन्न स्थलों पर पीटीजेड कैमरे भी लगाएं गए हैं। स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से इंटीग्रेट इन कैमरों को संचालित करने हेतु सोलर सिस्टम सहित विभिन्न स्थलों पर इंस्टॉल किया गया हैं। इन कैमरों से प्राप्त रिकॉर्डिंग से सागर शहर की 24 घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है।

राता खुर्द गोरख नाथ मंदिर मे लगे शिविर समापन पश्चात् जैतपुर धाम निशान पद यात्रा

एनसीआर समाचार

गांव रात्ता खुर्द के गोरखनाथ मंदिर पर श्याम भक्तो की सेवा के लिये शिविर का समापन किया गया। जिसमे कि जैतपुर गांव के श्याम जी मन्दिर पर जाने वालो भक्तो को खाने पीने, दवाई व आराम करने की व्यवस्था की गई थी। खाटू श्याम प्रभु के प्रति जन समाज में गहरी आस्था है, इसिलिये श्याम भक्त बाबा खाटू श्याम के दर्शन करने के लिये पद यात्रा करते व नाचते गाते हुये जाते है। फाल्गुनी एकादशी शुक्रवार को शाम 4 बजे शिविर का समापन किया गया। श्याम शिविर आयोजनकर्ता की ओर से श्याम की जोत और ध्वजा लेकर हुडिया जैतपुर (राजस्थान) खाटू श्याम मंदिर के लिये पद यात्रा का शुभारंभ किया।

जिसमें कि सहयोगी स्वरूप जय राम चेरीटेबल ट्रस्ट भी सहभागी बना जय राम ग्रुप के युवाओं व श्याम शिविर आयोजनकर्ताओ द्वारा गांव के हनुमान मन्दिर से बाबा खाटू श्याम

जैतपुर धाम तक की पैदल ध्वज यात्रा अनुशासित व सुन्दर तरीके से सम्पूर्ण की गई। युवाओ की प्रभु के प्रति भक्ति और जोश मनमोहक था एवं देखने वालो को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था, रास्ते मे आने वाले अनेक शिविरो व युवा श्याम सेवा मंडल गांव प्रतापुर के शिविर मे राहुल, योगेश, रोहित, भारत विपिन ने पुष्प वर्षा से स्वागत किया एवं राज भोग प्रसाद परोसा।

खासकर जय राम ग्रुप के ड्रेस कोड की राहगीरो, शिविरो, एंव जैतपुर धाम के व्यक्तियो द्वारा प्रशंसा व भगवाधारियो पर पुष्प वर्षा की गई एंव श्याम के जयकारों के साथ साथ जय राम के जयकारे भी लगाये गये, खाटू श्याम के दर्शन के पश्चात वापसी के दौरान रास्ते में हरियाणा राजस्थान के बार्डर पर रात्ता कलॉ द्वारा लगाये गये। शिविर में प्रवीन कौशिक, ईश्वर सिंह, विजय सिंह के द्वारा भक्तो को प्रसाद का भोज करवाया गया।

इस अवसर पर धर्म चंद शर्मा,रामानंद शर्मा,मनोज जोशी,राजेश शर्मा , मनीष शर्मा,राजकुमार प्रधान, मुकेश शर्मा ,अनूप, मनीष , मोनू ,जितेन्द्र सोनू धोलिया,नीरज और युवा शक्ति मौजूद थे।

डीसी ने किया फसल गिरदावरी का निरीक्षण खेतों में अंदर जाकर देखा फसल की खराब हालत

एनसीआर समाचार

महेंद्रगढ़, उपायुक्त डॉ जयकृष्ण आभीर ने शनिवार को जिला के खंड सतनाली, महेंद्रगढ़ तथा कनीना के विभिन्न गांवों के खेतों में जाकर फसल गिरदावरी के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने पथरवा, भालखी तथा दौंगड़ा जाट में किसानों के साथ बैठकर इस बार हुई रबी फसल के बारे में विस्तार के साथ चर्चा की।

उपायुक्त ने बताया कि राजस्व विभाग के अधिकारी लगातार फसल की गिरदावरी कर रहे हैं। सरकार के निर्देश पर ई- गिरदावरी का कार्य पटवारियों द्वारा ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। इस नई तकनीक से मौके पर जाकर ही गिरदावरी हो सकती है। यह जीपीएस आधारित तकनीक है। पटवारी खुद टैब को मौके पर ले जाकर ही गिरदावरी कर सकता है। सरकार की ओर से सभी पटवारियों को टैब उपलब्ध करवाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि इस ई-गिरदावरी के साथ ही पटवारी फसल खराबा की रिपोर्ट भी तैयार

कर रहे हैं। डीसी ने खुद कई जगह पर पटवारियों द्वारा की गई ई-गिरदावरी को चैक किया। इस दौरान उन्होंने सजरा तथा टैब के माध्यम से रिकॉर्ड का मिलान भी किया।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे रिकॉर्ड का अच्छी तरह से मिलान करें ताकि बाद में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। खराबा रिपोर्ट तैयार करते समय किसानों से भी बातचीत करें। किसान बहुत मेहनत के बाद फसल तैयार करता है। ऐसे में सरकार के निदेर्शानुसार अधिकारी बिल्कुल सटीक रिपोर्ट पेश करें।

इस दौरान उनके साथ तहसीलदार कनीना नवजौत कौर, नायब तहसीलदार महेंद्रगढ़ दयाचंद, नायब तहसीलदार सतनाली रघुवीर सिंह, कानूनगो दुलीचंद, सदर कानूनगो दाताराम, देवकीनंदन, राजेंद्र, नरेश सिंह, अशोक कुमार के अलावा राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

विश्व भर में क्यों लोग हो रहे मोटापे का शिकार, क्या है इससे बचने के उपाय

एनसीआर समाचार

बच्चों और युवा वयस्कों को प्रभावित करने वाली एक गंभीर चिकित्सा स्थिति को मोटापा कहा जाता है। अधिक वजन वाले बच्चों से स्थिति बदली है, आज मोटे बच्चे बढ़ रहे हैं। पूरी दुनिया में हर साल 4 मार्च को विश्व मोटापा दिवस दिवस मनाया जाता है। इसके जरिये मोटापे से होने वाले बीमारियों से लोगो को अवगत करने की कोशिश करते है

मोटापे से ग्रस्त बच्चों में क्या लक्षण होंगे ?

कुछ बच्चों का शरीर औसत से बड़ा हो सकता है। जैसे-जैसे वे बढ़ते हैं, शिशु विकास के विभिन्न चरणों में अलग-अलग मात्रा में शरीर में वसा ले जाते हैं। इसलिए शायद आप नहीं जानते होंगे कि बच्चे कैसे मोटे होते हैं।

बच्चों के बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) में ऊंचाई के संबंध में वजन मार्गदर्शन प्रदान करता है। यह अधिक वजन और मोटापे की डिग्री बताता है। हालाँकि, यदि आप अपने आप निर्णय लिए

बिना डॉक्टर के पास जायेंगे, तो वह आपका सही मार्गदर्शन बताएंगे।

शारीरिक थकावट

गतिविधि की कमी, उच्च कैलोरी वाले खाद्य पदार्थ और शारीरिक गतिविधि की कमी बच्चों के वजन के मुख्य कारण हैं। वहीं हार्मोन और चिकित्सकीय कारण भी भूमिका निभाते हैं। कई बार बच्चों में मोटापे का कारण बनने वाले कारकों का सहयोग भी इसका कारण होता है।

आहारः

हाई कैलोरी फूड्स, शुगरी ड्रिंक्स, फास्ट फूड्स वजन बढ़ा सकते हैं। विशेष रूप से तैलीय भोजन, अधिक मिठाई, अतिरिक्त चीनी वाले मीठे पेय शरीर के वजन को बढ़ाएंगे।

व्यायाम अभाव

कैलोरी बर्न करने के लिए व्यायाम अच्छे परिणाम देगा। कुछ बच्चों का वजन टीवी देखने, गेम खेलने या पूरे दिन शरीर पर कोई प्रयास किए बिना बैठे रहने से बढ़ता है।

पारिवारिक कारण

भले ही परिवार के सदस्य अधिक वजन वाले हों, बच्चे अधिक वजन वाले होंगे। यदि शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित नहीं किया जाता है, तो बच्चे का वजन बढ़ जाएगा।

नजरिया

व्यक्तिगत समस्याएं, माता-पिता और परिवार के साथ समस्याएं मूड को प्रभावित करती हैं। अकेलेपन और समस्याओं से निपटने के लिए अधिक भोजन करने और अधिक भोजन लेने से बच्चों का वजन बढ़ेगा।

मोटापे से बच्चों को होने वाले रोग कौन-कौन से हैं ?

मधुमेह प्रकार- 2

इस बीमारी के कारण बच्चों के शरीर में ग्लूकोज की उपयोगिता में बदलाव आएगा। अधिक वजन, गतिहीन जीवन शैली अर्थात शारीरिक परिश्रम टाइप-2 मधुमेह का कारण है।

गलत खान-पान के कारण इनमें से कोई एक समस्या होने की संभावना रहती है. इन्हीं कारणों से धमनियों में प्लाक जमा हो जाता है। धमनियां सख्त और संकरी हो जाती हैं। इससे बच्चों को भविष्य में हार्ट अटैक और स्ट्रोक की नौबत आएगी।

जोड़ों का दर्दः

अगर वजन ज्यादा है तो वजन उठाने वाले कूल्हों और घुटनों पर अतिरिक्त दबाव बनता है। इससे जोड़ों में दर्द होता है।

सांस लेने में कठिनाईः

अगर बच्चों का वजन ज्यादा है तो उन्हें अस्थमा होने की संभावना रहती है। यह एक गंभीर विकार है। इस वजह से उन्हें सोने में ज्यादा दिक्कत होती है।

गैर अल्कोहल वसा यकृत रोग

यह विकार जो लक्षणों का कारण बनता है, यकृत में फैटी जमा का कारण बनता है। ये बीज लीवर को खराब कर सकते हैं।

यदि आप चिंतित हैं कि आपके बच्चे का वजन बहुत अधिक बढ़ रहा है, तो अपने डॉक्टर से परामर्श करें। स्वस्थ भोजन, शारीरिक परिश्रम की आदत डालें। बच्चे स्वस्थ बड़े होते हैं।

संपादकीय

हर घर नल, मगर जल नहीं

देश के ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक नल के माध्यम पीने के साफ पानी पहुंचाने की योजना देश के अन्य राज्यों के साथ साथ पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में भी चलाई जा रही है. उत्तराखंड सरकार द्वारा राज्य की जनता के लिए एक रुपये में पानी कनेक्शन योजना की शुरूआत की गई थी. इस योजना के अंतर्गत राज्य के प्रत्येक घर तक पीने के पानी का कनेक्शन पहुंचाने के उद्देश्य से 6 जुलाई 2020 को तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा शुरू की गयी थी. इस योजना को राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सबसे निचले तबके के परिवार को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया था, क्योंकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार शुल्क अधिक होने के कारण पानी के कनेक्शन नहीं लगवा पाते हैं. माना यह जा रहा था कि इस योजना के शुरू हो जाने से प्रदेश के प्रत्येक परिवार को पीने के साफ पानी का कनेक्शन मिल जाएगा. परंतु सरकार की यह योजना धरातल पर अभी तक पूरी तरह से सफल नहीं हो रही है. राज्य के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां अभी भी लोग पीने के साफ पानी से वंचित हैं.

उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित गरुड़ ब्लॉक से 27 किमी की दूरी पर बसा सलानी गांव इसका उदाहरण है. जहां नल तो है, मगर जल नहीं है. इस गांव में स्वच्छ जल का अभाव है. लोग आज भी पीने के साफ पानी को तरस रहे हैं. घर की जरूरत को पूरा जरने के लिए महिलाओं को कई किमी दूर से पानी लाना पड़ता है. जिससे न केवल उनका समय बर्बाद होता है बल्कि इससे उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. इसका सबसे अधिक नुकसान किशोरियों को होता है. इस संबंध में गांव की एक किशोरी ममता का कहना है कि हमें पानी लेने के लिए घर से 2 किमी दूर जाना पड़ता है. जिससे दिन भर में हमारे 3 या 4 घंटे पानी लाने में ही बीत जाते हैं. जिससे हमारे ऊपर घर के कामों का अतिरिक्त भार हो जाता है. गांव की अन्य किशोरी कुमारी जानकी का कहना है कि मैं राजकीय इंटर कॉलेज सैलानी में 12वीं कक्षा की छात्रा हूं. स्कूल जाने से पहले मुझे घर के लिए पानी लाना होता है. जिसके लिए हमें 2 घंटे का सफर तय करके धारे में जाना पड़ता है.

जानकी के अनुसार पानी के लिए हमारे घरों में दो-दो नल लगे हुए हैं लेकिन एक भी नल में पानी नहीं आता है. अगर आता भी है तो सप्ताह में कभी कभी. जानकी बताती है कि पानी की कमी से हमें बहुत मुसीबत उठानी पड़ती है. सुबह जल्दी घर के काम निपटा कर हम स्कूल जाते हैं. शाम को घर आते हैं. उसके बाद फिर पानी लेने जाते हैं. ऐसे में हम बहुत थक जाते हैं. जिससे हमारी पढ़ाई पर भी बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है. एक अन्य किशोरी चांदनी दोसाद का कहना है कि जब मैं स्कूल जाती थी तो दूर से पानी लाने के लिए सुबह जल्दी उठना पड़ता था. उसके बाद घर का सारा काम करती थी. फिर स्कूल जाती थी और वापस आकर पहले पानी के लिए फिर दूर जाना पड़ता था. इससे थक कर हालत खराब हो जाती थी और फिर रात को पढ़ाई करने का मन नहीं करता था.

शर्मिंदगी झेलने को मजबूर आधी आबादी

> आज हम देश के विकास में नित नए कसीदे पढ़ रहें हैं। जबकि हमारे ही देश की आधी आबादी आज भी खुले में शौच करने को मजबूर है। वैसे तो वर्तमान सरकार शौचालयों के निर्माण में अरबों-करोड़ों रुपये खर्च होने का दम्भ भी भरती है, लेकिन जब कोई रिपोर्ट आती है। फिर सच्चाई से सामना समाज और सरकार का होता है। आधुनिक भारत में भी महिलाएं शौचालय के लिए संघर्ष करने को मजबूर है, तो यह दुःखद स्थिति बयाँ करती है।

-सोनम लववंशी-

साल 2017 में अक्षय कुमार अभिनीत एक फिल्म आई थी-टॉयलेट एक प्रेम कथा। इस फिल्म की कहानी ग्रामीण इलाकों में स्वुच्छकता के महत्वल जैसे गंभीर मुद्दे पर प्रकाश डालती है, लेकिन आजादी के अमृत काल में भी अगर आधी आबादी को खुले में शौच के लिए जाना पड़े। फिर अमृत काल और सरकारी तंत्र पर सवालिया निशान खड़े होना लाजिमी है। स्वच्छ भारत अभियान को शुरू हुए एक लंबा अरसा बीत गया है। इसके बावजूद आजादी के अमृत काल में 26 प्रतिशत अदालती परिसरों में महिलाओं के लिए टॉयलेट उपलब्ध नहीं है। जो यह सोचने पर मजबूर कर रहा है कि अगर अदालत परिसरों का यह हाल है तो फिर अन्य जगहों के हालात कैसे होंगे? टॉयलेट जैसी मूलभूत सुविधाएं एक सभ्य और संभ्रांत समाज की आवश्यकता है। ऐसे में सिर्फ स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने से हमारी जिम्मेदारी पूर्ण नहीं होगी। महिलाओं को टॉयलेट जैसी सुविधाएं मयस्सर करवाना समाज और सरकार की जिम्मेदारी में शामिल होना चाहिए।

आज हम देश के विकास में नित नए कसीदे पढ़ रहें हैं। जबकि हमारे ही देश की आधी आबादी आज भी खुले में शौच करने को मजबूर है। वैसे तो वर्तमान सरकार शौचालयों के निर्माण में अरबों-करोड़ों रुपये खर्च होने का दम्भ भी भरती है, लेकिन जब कोई रिपोर्ट आती है। फिर सच्चाई से सामना समाज और सरकार का होता है। आधुनिक भारत में भी महिलाएं शौचालय के लिए संघर्ष करने को मजबूर है, तो यह दुःखद स्थिति बयाँ करती है। आखिर क्या वजह है जो वर्तमान समय में भी हमारे देश में सभी के लिए शौचालय उपलब्ध नहीं है। स्वच्छता तो मानव जीवन में बहुत जरूरी है और महिलाओं को विशेषकर घर की इज्जत से जोड़कर देखा जाता है। फिर उन्हें शौच के लिए बाहर भेजने में आखिर क्या समझदारी कही जा सकती है? शौच जो हमारी दैनिक दिनचर्या का अहम हिस्सा है, लेकिन वर्तमान समय में दुनिया की एक बड़ी आबादी के पास स्वच्छता और उससे जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पूरी दुनिया के लगभग 3.6 बिलियन लोगों के लिए शौचालय तक पहुंच आज भी नामुमकिन है। यहां तक कि सतत विकास लक्ष्य में भी साफ पानी और स्वच्छता की बात कही गई है और साल 2030 तक इस लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास भी किया जा रहा है। लेकिन अभी भी पर्याप्त जागरूकता की कमी साफ नजर आ रही है। यही वजह है कि महिलाएं अदालत परिसरों में भी शौचालय की सुविधाओं से वंचित रह जाती हैं।

इतना ही नहीं शौचालय हर परिवार की बुनियादी जरूरत है, लेकिन विडंबना देखिए टॉयलेट एक प्रेम कथा जैसी फिल्म के आने के पांच-छह साल बाद भी इसे लेकर ग्रामीणों क्षेत्रों में जागरूकता का अभाव है। गांवों में अब तक शौच के लिए बाहर जाने को स्वास्थ्य के लिए बेहतर माना जाता है। यही वजह है कि देश शौचालयों की कमी से जूझ रहा है। सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं के द्वारा जागरूकता लाने की तमाम कोशिशों के बावजूद लक्ष्य हासिल करने में लंबा वक्त लग रहा है। वैसे तो खुले में शौच करने में सभी को परेशानी होती है लेकिन महिलाओं को ज्यादा दिक़्कतों का सामना करना पड़ता है। लोक-लज्जा के साथ ही सुरक्षा का खतरा भी बना रहता है। यही वजह है कि अब महिलाएं भी इस मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद कर रही है। बीते दिनों खुले में शौच के दौरान बलात्कार की घटना के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि यदि देश में शौचालय होंगे तो बलात्कार जैसी घटनाओं पर अंकुश लगेगा। ये सच है कि शौच के लिए महिलाओं को रात के अंधेरे में घर से बाहर जाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में सुरक्षा का खतरा बना रहता है। कई बार देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में शौच के लिए गयी लड़कियां बलात्कार का शिकार हो गई और यही वजह है कि पिछले कुछ सालों में शौचालय को लेकर महिलाओं ने घर परिवार से लेकर सरकारी सिस्टम तक लंबी लड़ाई लड़ी है। यहां तक कि कई बार तो महिलाओं ने अपने ससुराल तक आने से मना कर दिया। जब तक घर में शौचालय नहीं होगा तब तक ससुराल नहीं जाएंगी। ये कहानियां भी सोशल मीडिया पर देखने और सुनने को मिली।

प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2019 में ही भारत को ह्यखुले में शौच मुक्तह्ल घोषित कर दिया था। खुले में शौच मुक्त का सीधा सा मतलब है कि अब हमारे देश में लोग खुले में मल त्याग नहीं करेंगे। लेकिन अब भी न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में बल्कि शहरी आबादी में भी लोग खुले में शौच करते देखे जा सकते हैं। खासकर सड़कों व रेल की पटरियों के किनारे, खेतों में यहां तक कि घर के बाहर खुले में लोग मल त्याग करते हैं। जो स्वच्छ भारत मिशन पर सवाल तो खड़े करता है। साथ ही सरकार और समाज की सोच पर भी करारा प्रहार करता है। एनएसएसओ की एक रिपोर्ट कि माने तो भारत के 71.3 प्रतिशत घरों में ही अब तक शौचालय बन पाएं हैं। ऐसे में सोचने वाली बात है कि जब शौचालय ही 100 प्रतिशत घरों में नहीं बने तो भारत पूरी तरह खुले में शौच से मुक्त कैसे हो गया? वैसे सवाल यह भी है कि क्या शौचालय का इस्तेमाल करने वाले गंदगी नहीं फैला रहे? सच तो यह है कि पर्याप्त सुविधाओं के अभाव के चलते खुले में शौच मुक्तह्ल होना भी एक नयी समस्या को जन्म दे रहा है।

बात अगर प्रसिद्ध नारीवादी चिंतक एवं लेखक सिमोन द बोउवर कि करे तो उनका मानना था कि-ह्लनारी पैदा नहीं होती बल्कि उसे नारी बना दिया जाता हैह्व। हमारे देश की कुल आबादी में लगभग आधी हिस्सेदारी महिलाओं की है जो आज भी राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से वंचित और उपेक्षित है। देश को आजाद हुए सात दशक से अधिक होने को है। फिर भी महिलाओं को पर्याप्त हिस्सेदारी नहीं मिली है। आज भी महिलाओं को पितृसत्तात्मक समाज अपने पैरों की जूती ही समझता है तभी तो महिलाओं की परेशानी पुरुष प्रधान समाज को नजर नहीं आती है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रो में तो महिलाओं की स्थिति और भी ज्यादा दयनीय है। आज भी अपनी छोटी छोटी आवश्यकताओं के लिए पुरुषों पर ही निर्भर रहना ही महिलाओं की नियति बन चुकी है। महिलाओं की अपनी पीड़ा और अपना दर्द है जिसे मर्दवादी समाज दरकिनार कर देता है। फिर बात चाहे मासिक धर्म की हो या फिर खुले में शौच की? उसे अपनी पीड़ा स्वयं झेलना होता है। आज भी सार्वजनिक क्षेत्रों, मार्केटों में महिलाओं के लिए अलग टॉयलेट आसानी से उपलब्ध नहीं होते हैं। जो यह दर्शाता है कि महिलओं की नियति में संघर्ष हर कदम पर है।

केंद्र सरकार की प्रमुख योजना स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय, विशेषकर जिला न्यायालयों में टॉयलेट (शौचालय) के नवीनीकरण और मरम्मत करने के लिए स्वच्छ न्यायालय परियोजना लॉन्च की गई थी।

अन्धविश्वास यानी अशिक्षित एवं मूढ़ समाज की निशानी

-तनवीर जाफरी-

भारतवर्ष को दुनिया एक अध्यात्मवादी देश के रूप में भी जानती है। निःसंदेह संतों-पीरों-फकीरों और अनेकानेक अध्यात्मवादी महापुरुषों की इस पावन धरा पर चारों ओर आस्था और विश्वास का समुद्र हिलोरें मारता रहता है। परन्तु यही आस्था और विश्वास जब तक संयमित रहता है, इसके परिणाम सुखद, संतोषजनक व सौहार्दपूर्ण रहते हैं तभी तक इन्हें आस्था और विश्वास के रूप में देखा जा सकता है परन्तु जब इसी 'आस्था और विश्वास' के नाम पर हिंसा, क्रूरता, पशुता, राक्षसी प्रवृति, झूठा भय यहाँ तक कि हत्या और मानव बलि तक की बातें होने लग जायें तो इसे 'अंधआस्था और अंधविश्वास' के सिवा और क्या कहा जाये। परन्तु यह हमारे देश का एक कटु सत्य है कि संसार के इतने आधुनिक, वैज्ञानिक एवं तर्कशील हो जाने के बावजूद हमारे देश का एक बड़ा वर्ग अभी भी तांत्रिकों, ज्योतिषियों, काला जादू, बंगाली जादू, इंद्र जाल, सिफली, दुआ ताबीज, कण्डा-चिल्ला जैसे अनेक व्यसनों में उलझा हुआ है। आये दिन देश के किसी न किसी राज्य से अंधास्था व अंधविश्वास से जुड़ी दिल दहलाने वाली खबरें आती रहती हैं।

कोई अपने ही बच्चे की बलि चढ़ाकर भगवान को खुश कर रहा है तो किसी को अपनी खुशहाली की खातिर या अपनी कोई मुराद पूरी करने के लिये अपने पड़ोसी या रिश्तेदार के बच्चे की बलि चाहिये। कितना आश्चर्य है कि हमारे देश में क्या पढ़ा लिखा तो क्या अनपढ़ सभी के वाहनों के पहियों में उस समय ब्रेक लग जाता है जब कोई बिल्ली सामने से गुजर जाती है। यह सभी सदियों पुराने उस सुने सुनाये अंधविश्वास के वाहक हैं जिसमें न जाने किसने और कब यह बताया होगा कि 'बिल्ली का रास्ता काटना अशुभ होता है'। गत मात्र एक दशक से भी कम समय से न जाने किसके कहने व बताने पर या फिर एक दूसरे को देखकर तमाम युवतियां यहाँ तक कि अधेड़ महिलायें अपने पैरों में काला धागा बाँधने लगी हैं। इनमें अनपढ़ ही नहीं बल्कि स्वयं को शिक्षित बताने वाली युवतियां भी शामिल हैं। उम्मीद थी कि शायद कुछ दिनों बाद फैशन का रूप धारण कर चुके इस नये नवेले अंधविश्वास से देश को मुक्ति मिल जायेगी। परन्तु अफसोस तो यह कि इस काले धागे को अब लड़कियों की ही तरह लड़कों ने भी अपनी टाँगों में बांधना शुरू कर दिया है।

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से पिछले दिनों अंधविश्वास से जुड़ी एक ऐसी अपराधपूर्ण खबर सामने आयी जिसे सुनकर रूह कांप गयी। प्राप्त समाचारों के अनुसार 25 वर्षीय रौनक सिंह छाबड़ा नामक एक युवक ने अपने 50 वर्षीय गुरु, बसंत साहू की पहले हत्या की और हत्या के बाद वह बड़ी निर्दयता से अपने गुरु का खून भी पी गया। बाद में उसने गुरु बसंत साहू के शव को सन्नाटी जगह में ले जाकर जलाने की कोशिश की। पुलिस ने बसंत साहू की अधजली लाश बरामद करने के बाद जब तफ़्तीश के दौरान उस के शिष्य रौनक सिंह छाबड़ा से पूछताछ की तो उसी ने यह रहस्य खोला कि वह अपने गुरु से काला जादू की विद्या हासिल करना चाहता था। उसकी सोच थी कि गुरु की हत्या के बाद वह जल्द ही काला जादू सीख जायेगा इसीलिये प्रयोग के रूप में उसने इस वीभत्स काण्ड को अंजाम दिया। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि जादू टोने के लिये काला जादू सीखने के नाम पर एक चेले द्वारा अपने गुरु की हत्या उस छत्तीसगढ़ राज्य में की गयी जहां पहले से ही छत्तीसगढ़ टोना प्रताड्ना निवारण अधिनियम 2005 मौजूद है जिसके अन्तर्गत ऐसी अंधविश्वास पूर्ण गतिविधियों को दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखा गया है।

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार, बंगाल, झारखण्ड, उड़ीसा व उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों से तो अक्सर ही कभी किसी की चुड़ैल के नाम पर हत्या कर दी जाती है तो किसी को रस्सी या लोहे की जंजीरों से पेड़ों या खम्बों में बांधकर रखा जाता है। उसे भूखा प्यासा रखा जाता है और शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। 'अंधआस्था और अंधविश्वास' से जकड़े इसी मूढ़ समाज को लक्ष्य बनाकर पूरे देश में विभिन्न सार्वजनक स्थलों, दीवारों, बस व ट्रेन स्टॉप आदि पर यहाँ तक कि बसों व ट्रेनों के भीतर भी झाड़ फूक जादू टोना, इंद्र जाल, वशीकरण के तरीके आदि बताने वाले तमाम बकवास, झूठे व गुमराह करने वाले पोस्टर व हैंड बिल चिपके होते हैं। इन पोस्टर्स में जो दावे किये जाते हैं उन्हें पढ़कर ही हंसी आती है। परन्तु अफसोस कि हमारा सीधा सादा परन्तु अंधआस्था और अंधविश्वास का शिकार कोई भी व्यक्ति इन झूठे विज्ञापनों के झांसे में आ जाता है और इन विज्ञापनों में दिये गये नंबरों पर स्वयं फोन कर अपने नुकसान, गुमराही यहाँ तक कि किसी बड़े से बड़े कुचक्र तक में उलझने के रास्ते स्वयं अख़्तियार कर लेता है। आज पूरे देश में लाखों ठग ऐसे ही शरीफ परन्तु अंधआस्था और अंधविश्वास के शिकार लोगों की जेबें काट कर अपना पालन पोषण कर रहे हैं। जिन्हें स्वयं अपने भविष्य का ज्ञान नहीं वे दूसरों का भविष्य बताते फिरते हैं। जो स्वयं अनेक पारिवारिक उलझनों व परेशानियों का शिकार हैं वे दूसरों के घरों में सुख शांति लाने का उपाय बताते फिर रहे हैं। पेट पालने के लिये जिन्हें स्वयं झूठ व पाखंड का सहारा लेना पड़ता है वे दूसरों को रोजगार व नौकरी के उपाय बताते रहते हैं। इससे बड़ी हास्यास्पद बात और क्या हो सकती है।

परीक्षा के समय तमाम स्कूल कॉलेज के बच्चे मस्जिद-मंदिर-मजार-दरगाह-पीपल-बरगद आदि पर जाकर कहीं प्रशाद चढ़ाते हैं तो कहीं जल तो कहीं धागा लपेटते हैं। कहीं कहीं तो अपनी मांग किसी पर्ची में लिखकर चढ़ा देते हैं। जरा सोचिये कि यदि इन सब टोटकों से लोग परीक्षा पास करने लगें तो पढ़ाई के लिये परिश्रम करने की जरुरत ही क्या? हाँ इन सब चक्करों में पड़ने से परीक्षार्थी का कीमती समय जरूर बर्बाद होता है। आज हमारे देश में जय जवान जय किसान के साथ साथ जय विज्ञान और जय अनुसन्धान जैसे नारे भी जोड़ तो जरूर दिये गए हैं परन्तु इन पर देश अमल करे इसके पहले देश के लोगों में 'अंधआस्था और अंधविश्वास' के विरुद्ध चेतना जगाना भी जरूरी है। जब हमारे राजनेता स्वयं ही अंधआस्था और अंधविश्वास' को बढ़ावा देंगे, जब वे स्वयं नींबू-मिर्च लटकाकर 'चश्म-ए-बद दूर' करेंगे तो इस समाज को अँधेरे कुँए में गिरने से भला कौन बचा सकता है। सच तो यह है कि अन्धविश्वास ही अशिक्षित एवं मूढ़ समाज की सबसे बड़ी निशानी है।

शहरों के नए नामकरण की प्रासंगिकता

-योगेंद्र योगी-

राजनीतिक दलों की नजर सिर्फ वोट बैंक पर लगी रहती है, फिर इसके लिए चाहे जैसे भी हथकंडे क्यों न अपनाने पड़े। मुद्दा चाहे धर्म का हो, स्वतंत्रता सेनानियों के नाम का हो या फिर शहरों के नाम बदलने के लिए इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड? का। राजनीतिक दल वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इनका इस्तेमाल करने से नहीं चूकते। राजनीतिक दलों के नेता धर्म या स्वतंत्रता सेनानियों के बताए नैतिकता, शुचिता, पारदर्शिता और आदर्श के रास्ते पर बेशक न चलें, किंतु विवादों में फंसने और वोटों के फायदे के लिए नामकरण जैसे विवादों को जन्म देने में पीछे नहीं रहते। इसी तरह की आड़ लेकर वाहवाही लूटने और वोटों के ध्रुवीकरण के मकसद से दायर की गई एक जनहित याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज करके यह साबित कर दिया कि व्यर्थ के विवादों को जन्म देने से देश का भला नहीं होने वाला।

यह याचिका भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि देश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक-धार्मिक स्थलों के मूल नामों का पता लगाने और उनके वर्तमान नाम से आक्रांताओं के नाम को हटाने के लिए एक नामकरण आयोग का गठन किया जाए। याचिका में यह भी कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट पुरातत्व विभाग को पुराने नामों को प्रकाशित करने के लिए निर्देश दे। याचिका को खारिज करते हुए जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा कि यह उन मुद्दों को जीवंत करेगा, जो देश में बवाल करवा सकते हैं। फैसला सुनाते हुए बेंच ने कहा कि देश के इतिहास को उसकी वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए छेड़ना नहीं चाहिए। कोर्ट ने कहा, हिंदू धर्म एक धर्म नहीं है बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। इस धर्म में कोई कट्टरता नहीं है। खंडपीठ का कहना था कि अतीत को खोदने से केवल दुश्मनी ही पैदा होगी। शीर्ष कोर्ट के इस आदेश से स्पष्ट है कि नया नामकरण करने के निहित राजनीतिक स्वार्थ हैं। इसका मकसद वोट आधारित राजनीति है।

राजनीतिक दल देश में मौजूदा समस्याओं के समाधान और विकास की नई तस्वीर पेश करने के बजाय जन भावनाओं को भुनाने के लिए ऐसे विवादित मुद्दे भुनाते रहे हैं। इसमें राष्ट्रीय दल के साथ ही क्षेत्रीय दल भी पीछे नहीं हैं। आजादी के बाद से अब तक 21 राज्यों ने कुल 244 जगहों के नाम बदले हैं। सबसे ज्यादा 76 जगहों के नाम आंध्र प्रदेश में बदले गए हैं। तमिलनाडु ने 31 और केरल ने 26 जगहों का नाम बदला है। महाराष्ट्र ने भी 18 जगहों का नाम बदला है। उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद से अब तक 8 शहरों का नाम ही बदला गया है। आजादी के बाद से अब तक देश के 9 राज्यों और 2 संघशासित प्रदेशों का भी नाम बदला गया है।

किसी भी शहर या जिले का नाम बदलने के लिए सबसे पहले किसी विधायक या एमएलसी द्वारा इसके लिए सरकार से मांग करना बेहद जरूरी होता है। बिना किसी एमएलसी या विधायक की आधिकारिक मांग के, सरकार किसी भी शहर का नाम नहीं बदलती है। जब विधायक मांग करता है तब सरकार जनता का पक्ष देखती है और यह जानने की कोशिश करती है कि क्या नाम बदलने की जरूरत है। इसी के साथ शहर या जिले का नाम बदलने का प्रस्ताव कैबिनेट तक जाता है। कैबिनेट में प्रस्ताव पास होने के बाद शहर के नाम बदलने के फैसले पर मुहर लग जाती है। कैबिनेट में प्रस्ताव पारित होने के बाद नए नाम का गजट (ज्ञापन पत्र) कराया जाता है। गजट कराने के बाद से नए नाम की आधिकारिक शुरूआत होती है। इसी प्रक्रिया के तहत जिले या शहर का नामकरण हो जाता है।

शहरों की समस्याओं के समाधान के बजाय नाम परिवर्तन को चुनावी मुद्दा बना कर इस पर राजनीतिक रोटियां सेंकना दलों को फायदे का सौदा नजर आता है। जब भी किसी शहर या जगह का नाम बदला जाता है तो उसमें करोड़ों रुपयों का खर्चा आता है। नाम बदलने से शहर में महज प्रतिकात्मक परिवर्तन आता है। इससे शहर के विकास के ढांचे में कोई बदलाव नहीं आता, सिवाय इसके कि जिसके नाम से शहर का नया नाम रखा गया है, उसकी कुछ मूर्तियां लगवा दी जाएं। आम लोगों को इस बदलाव की भारी कीमत चुकानी पड़ती है। औसतन एक शहर का नाम बदलने में 300 करोड़ रुपए तक खर्च होते हैं। अगर शहर बड़ा हो तो यह राशि 1000 करोड़ तक भी पहुंच सकती है।

जंगल सत्याग्रह के सौ वर्ष पर यात्रा

-कुमार कृष्णन-

जल, जंगल और जमीन की स्वाधीनता और स्वायत्तता के सफल आंदोलनों का लंबा इतिहास रहा है। 300 बरसों में जंगल-जमीन के लिये तिलका मांझी, बिरसा मुंडा, रानी सुबरन कुंवर, तांत्या भील और बृजवासी पाउना जैसे अनेकों नेतृत्वकताओं और उनके नेतृत्व में हुये सफल आंदोलनों और सत्याग्रहों का लंबा इतिहास रहा है। यहा वर्ष गट्टा सिल्ली जंगल सत्याग्रह का शताब्दी बर्ष है। छत्तीसगढ़ के नगरी-सिहावा (धमतरी) के ऐतिहासिक गट्टासिल्ली गांव में महात्मा गाँधी की प्रेरणा से जंगल-जमीन और उन पर निर्भर आदिवासी तथा वन निवासी समाज के अधिकारों के लिए हुए अनेक ऐतिहासिक आंदोलनों में जंगल सत्याग्रह का अपना विशेष महत्व है।नगरी-सिहावा के आदिवासियों का जीवन जंगल पर निर्भर है। उनकी जरूरतें जंगल से पूरी होती रही है। ब्रिटिश सरकार ने वनोत्पादनों को सरकारी घोषित कर दिया। आदिवासियों के परंपरागत अधिकार समाप्त कर दिए गए। लकड़ी लेने पर जुमार्ना लगता था।

जनवरी 1922 को छत्तीसगढ़ के सिहावा-नगरी क्षेत्र में भारत का प्रथम जंगल सत्याग्रह प्रारंभ हुआ जिसका उद्द्येश्य आदिवासी समाज और स्थानीय वन निवासियों के अधिकारों को स्थापित करना था। छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचल में जंगल सत्याग्रह की शुरूआत-तत्कालीन ब्रिटानिया हुकूमत द्वारा लागू आदिवासी विरोधी वन कानून-जैसे वनोपजों पर टैक्स तथा बेगारी अथवा अल्प मजदूरी में कार्य करने के लिये विवश किये जाने के विरोध में हुआ था।आंदोलनकारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जंगल से जलावन की लकड़ी काटकर ब्रिटिश सरकार का जंगल कानून तोड़ा जाए और गिरफ्तारी दी जाए। सत्याग्रह के तीसरे दिन अंग्रेज अधिकारी व हथियारों लैस पुलिस के दर्जनों सिपाही नगरी पहुंच गए। 33 सत्याग्रहियों को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में यह जंगल सत्याग्रह गट्टा सिल्ली (धमतरी), मोहबना पोड़ी (दुर्ग), सीपत (बिलासपुर), रुद्री नवागांव (धमतरी), तमोरा (महासमुंद), लभरा (महासमुंद), बांधाखार (कोरबा), सारंगगढ़ (रायगढ़), छुईखदान (राजनाँदगाँव), बदराटोला (राजनाँदगाँव) आदि क्षेत्रों में तेजी से फैला और हजारों सत्याग्रहियों नें मिलकर इसे सफल बनाया। 1923 में सिहावा- नगरी, धमतरी में हुए जंगल सत्याग्रह की सफलता तथा वन अधिकार पर सार्थक जन संवाद के लिए एकता परिषद् द्वारा विख्यात गाँधीवादी राजगोपाल सहित स्थानीय ग्रामीण मुखियाओं के नेतृत्व में ह्यजंगल सत्याग्रह के सौ बरसह्ल का आयोजन किया गया है। सौ वर्ष बाद भी स्थिति विपरित है, फर्क यह 1923 में अंग्रेजों के खिलाफ लड़े, आज अपनी ही चुनी हुई सरकारों के खिलाफ यहां के आदिवासियों को खड़ा होना पड़ रहा है। सत्याग्रह वर्ष पर आदिवासियों ने आदिवासियों ने वन भूमि पर अपने आजा- पुरखो के समय से चले आ रहें अधिकारों को मांग के लिए हुंकार भरी। सत्याग्रह में पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरविंद नेताम, पूर्व केन्द्रीय मंत्री भक्तचरण दास, अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के मनीष कुंजाम, एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रनसिंह परमार, किसान आंदोलन के सुदेश पैंकरा, आसाम के आदिवासी सांसद नब्बासरण्या, सरगुजा के आदिवासी नेता गंगाराम पैंकरा, राष्ट्रीय संयोजक अनिष कुमार, वरिष्ठ कार्यकर्त्ता अनिल भाई, हरियाणा के राकेश तंवर सहित देश भर के गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता और जंगल सत्याग्रह के सत्याग्रही परिवार के वंशज भी भाग ले रहे हैं। सत्याग्रह स्तंभ पर पुष्पांजलि देने के बाद पदयात्रा प्रारंभ हो गयी। एकता परिषद के द्वारा आयोजित इस सत्याग्रह में उड़ीसा से आए पूर्व केंद्रीय मंत्री भक्तचरण दास ने कहा की यू पी ए सरकार के द्वारा लाए गए वन अधिकार कानून की मंशा आदिवासियों को उनके वन अधिकार देना रहा। जंगल को बचाने के लिए जंगल का अधिकार आदिवासियों को देना होगा। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के मनीष कुंजाम ने कहा कि सरकार को अभियान चलाकर आदिवासियों को वन का अधिकार सौंप देना चाहिए। जंगल सत्याग्रह इतिहास के लेखक आशीष ठाकुर ने कहा कि पहले जंगल काटकर सत्याग्रह सौ साल पहले शुरू हुआ था, अब जंगल बचाकर सत्याग्रह करना होगा। सरगुजा के सामाजिक कार्यकर्ता गंगाराम पैंकरा ने कहा कि बहुत सारे जगहों पर आदिवासियों को वन अधिकार मिला है, उसे और भी सक्रियता के साथ बाकी बचे हुए दावेदारों को देने की जरूरत है।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

सिंधिया ने बेंगलुरु, दिल्ली, कोलकाता से सूरत के लिए सीधी उड़ानों को किया रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को एयर एशिया इंडिया की सूरत को बेंगलुरु, दिल्ली और कोलकाता से जोड़ने वाली कई सीधी उड़ानों को झंडी दिखाकर रवाना किया। उड्डयन मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार शुक्रवार से शुरू की गयी इन 21 साप्ताहिक उड़ानों पर एयरबस 320 विमानों का परिचालन किया जाएगा। विज्ञप्ति के अनुसार बेंगलुरु-सूरत मार्ग पर एयर एशिया इंडिया की नयी दैनिक उड़ान 14.25 बजे उड़कर 16.15 बजे सूरत पहुंचेगी। वापसी में यह 16.45 बजे उडान भरकर 19:00 बजे बेंगूलर पहुंचेगी।

दिल्ली-सूरत उड़ान 08:20 बजे दिल्ली से प्रस्थान कर 10 बजे सूरत पहुंचेगी और सूरत से 11 बजे चल कर 12:40 बजे वापस दिल्ली आएगी। कोलकाता-सूरत मार्ग पर शुरू उड़ान का जाने का समय रोज 13:55 बजे - 16:30 बजे और लौटने का समय 17:05-19:40 बजे है।

उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि इन नए मार्गों के शुरू होने से सूरत जो पहले से ही एक व्यापार और उद्यम के केंद्र हैं। अब यह शहर एक अंतरराष्ट्रीय शहर सहित 10 शहरों से जुड़ जाएगा। सूरत 2014 से पहले केवल दो शहरों से जुड़ा था।

उन्होंने कहा कि सरकार ने सूरत हवाई अड्डे के पुनर्विकास के लिए 350 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, जिसमें से 163 करोड़ रुपये नए टर्मिनल भवन के निर्माण के लिए हैं। इससे यात्री क्षमता मौजूदा 17.5 लाख यात्रियों से बढ़कर 26 लाख यात्री हो जाएगी। साथ ही 72 करोड़ रुपये के निवेश से नए एयरपोर्ट एप्रन भी विकसित किए जाएंगे। इस नए टर्मिनल के 2023 के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है।

मंत्री ने कहा 2014 से पहले, सूरत से केवल 36 साप्ताहिक उड़ानें थीं, जो आज 322 प्रतिशत बढ़कर 152 हो गई हैं। वर्तमान में, गुजरात में 10 हवाईअड्डे हैं और धोलेरा और हीरासर नाम के दो नए हवाईअड्डे क्रमशः 1305 करोड़ रुपये और 1405 करोड़ रुपये के निवेश के साथ योजना में हैं।

समारोह में गुजरात सरकार के नागरिक उड्डयन, ग्रामीण विकास, श्रम और रोजगार मंत्री बलवंत सिन्हा, राज्य के नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जगदीश विश्कर्मा और सांसद सी आर पाटिल भी उपस्थित थे।

अमेजन का होली शॉपिंग स्टोर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन डॉट इन पर खास तौर पर तैयार किए गए होली शॉपिंग स्टोर की शुरूआत की गयी है। कंपनीने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस स्टोर पर रंग एवं पिचकारी, सेफ्टी आइटम, पूजा की जरूरत के सामान, फैशन एवं ब्यूटी से जुड़े जरूरी सामान, मिठाई एवं स्नैक्स, वाटरप्रूफ गैजेट्स, एक्सेसरीज आदि जैसी जरूरत के सभी सामानों पर 70 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध है। इस स्टोर पर ग्राहक बेवजिला, क्रॉक्स, फेरेरो रौशर, फोसिल आदि जैसे ब्रांडों पर बड़ी बचत कर सकते हैं। ग्राहक अमेजन शॉपिंग ऐप (केवल एंड्रॉइड पर उपलब्ध) पर एलेक्सा का उपयोग करके होली स्टोर तक पहुंचने के लिए वॉइस नेविगेशन का उपयोग कर सकते हैं।

अल्फाबेट की सेल्फ-ड्राइविंग यूनिट वायमो ने 200 कर्मचारियों की छंटनी की

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। अल्फाबेट की सेल्फ-ड्राइविंग यूनिट वायमो ने छंटनी के दूसरे दौर में 200 से अधिक कर्मचारियों को निकाल दिया है।

कंपनी ने अपने कुल कार्यबल के 8 प्रतिशत या 209 कर्मचारियों को निकाल दिया।

वायमो के एक प्रवक्ता ने टेकक्रंच को बताया कि छंटनी, ज्यादातर इंजीनियरिंग भूमिकाओं में, व्यापक संगठनात्मक पुनर्गठन का हिस्सा है जो एक वित्तीय रूप से अनुशासित ध्ष्टिकोण का पालन करता है।

गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने हाल ही में 12,000 कर्मचारियों और यहां तक कि 100 रोबोटों को भी निकाल दिया है जिसने अपने मुख्यालय में कैफेटेरिया को साफ किया था।

वायमो ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में पूरी तरह से चालक रहित वाहनों का परीक्षण शुरू करने की योजना की घोषणा की थी। सेल्फ-ड्राइविंग यूनिट ने पहले सैन फ्रांसिस्को में अपना ड्राइवर-लेस राइड पायलट प्रोग्राम शुरू करने की योजना बनाई थी।

कंपनी को कैलिफोर्निया पब्लिक यूटिलिटीज कमीशन (सीपीयूसी) से अपने चालक-रहित पायलट कार्यक्रम के लिए परमिट प्राप्त हुआ, जो ऑटोनोमस व्हीकल (एवी) कंपनियों को चालक के बिना परीक्षण एवी में यात्रियों को ले जाने की अनुमति देता है। वायमो को ऑटोनोमस राइड्स के लिए चार्ज करने के लिए मोटर वाहन विभाग (डीएमवी) से स्वीकृति मिली थी। कंपनी को हाल ही में अपनी मूल कंपनी से निवेश प्राप्त हुआ है। गूगल स्पिनऑफ ने कहा था कि इसके चालक रहित वाहन केवल कर्मचारियों के लिए उपलब्ध थे लेकिन जल्द ही कंपनी के ट्रस्टिड टेस्टर कार्यक्रम के सदस्यों को शामिल करने के लिए बढ़ेंगे।

स्विगी के डिलीवरी पार्टनरों का हो रहा चालान, दुविधा की बनी स्थिति

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार द्वारा शहर में दोपहिया वाहनों को टैक्सी के रूप में इस्तेमाल करने पर लगायी गयी रोक के कारण भ्रम की स्थिति बन गयी है क्योंकि ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी के डिलीवरी पार्टनरों का भी चलान कर दिया गया है।

कंपनी के प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुये कहा ह्लहमारी ऑन-ग्राउंड टीम ने बताया है कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के अधिकारी कुछ क्षेत्रों में डिलीवरी पार्टनरों को चालान जारी कर रहे हैं, जो फूड डिलीवरी और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए काम कर रहे हैं।

स्विगी के प्रवक्ता ने कहा "दिल्ली में बाइक टैक्सी सेवाओं पर नियमों में हालिया बदलावों की वजह से फूड और अन्य वाणिज्यिक सामानों की डिलीवरी करने वालों को समस्या का सामना करना पड़ा है। अधिसूचना केवल बाइक टैक्सी सेवा प्रदाताओं के लिए लागू किया गया था। इसके बावजूद हमारे डिलीवरी कर्मचारियों का चालान गलत तरीके से जारी किया जा रहा है। हमारे डिलीवरी कर्मचारियों को जारी किए गए कुछ चालान 15,000 रुपये से अधिक के हैं। इन सब वजहों से हमारे डिलीवरी कर्मचारियों के बीच डर और आशंका की स्थिति पैदा हो गई है। ये लोग यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण हैं कि हमारे ग्राहक समय पर अपने ऑर्डर प्राप्त करें। हम सरकार के निर्देश पर स्पष्टता हासिल करने के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। यह सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि हमारे डिलीवरी कर्मचारी सुचारू रूप से काम कर सकें और बिना किसी रुकावट के अपने ग्राहकों की सेवा कर सकें।"

इस तथ्य के बावजूद कि दिल्ली सरकार का आदेश केवल टैक्सी सेवाओं से संबंधित है, डिलीवरी पार्टनरों को गलत तरीके से निशाना बनाया गया है और चालान जारी किए गए हैं। इससे फूड डिलीवरी करने में समस्या और भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। हमारे कई डिलीवरी पार्टनरों को रोका गया है और चालान जारी किए गए हैं। इस वजह से सर्विस में देरी हो रही है और इन सेवाओं का उपयोग करने वाले कस्टमर के ऑर्डर भी प्रभावित हो रहे हैं।

कंपनी ने कहा ह्लहम अपने डिलीवरी पार्टनर की कुशलता को लेकर चिंतित हैं और उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सरकार के निर्देश पर स्पष्टता के लिए संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं और अपने डिलीवरी पार्टनरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर अपनी चिंता व्यक्त की है।

सॉफ्टवेयर कंपनी थॉटवर्क्सय ने करीब 500 कर्मचारियों की छंटनी की

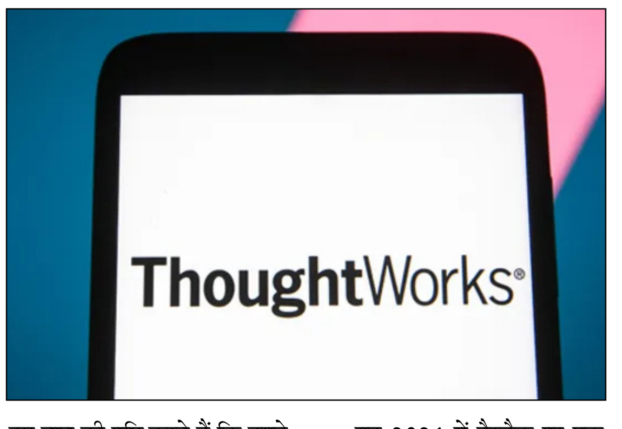

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। सॉफ्टवेयर कंसल्टेंसी कंपनी थॉटवर्क्सस ने वैश्विक व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के बीच लागत में कटौती करने के लिए लगभग 500 कर्मचारियों, या अपने वैश्विक कार्यबल के 4 प्रतिशत की छंटनी करने की घोषणा की है। नैस्डैक-सूचीबद्ध थॉटवर्क्सव के 18 देशों में 12,500 से अधिक कर्मचारी हैं। कंपनी की भारत में भी मजबूत उपस्थिति है।

टेकक्रंच के मुताबिक, कंपनी ने सबसे पहले प्रभावित कर्मचारियों को इस हफ्ते की शुरूआत में इस फैसले के बारे में सूचित किया था और आने वाले दिनों में छंटनी जारी रहेगी।

थॉटवर्क्सब के प्रवक्ता के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमने वैश्विक स्तर पर अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 4 प्रतिशत की कटौती करने का कठिन निर्णय लिया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, ये परिवर्तन हमारे व्यापार के भविष्य के विकास का समर्थन करने के लिए आवश्यक थे।

यह 2021 में नैस्डैक पर एक इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के माध्यम से सूचीबद्ध हुआ था, जिसने 773 मिलियन डॉलर जुटाए थे।

चौथी तिमाही के दौरान थॉटवर्क्सक का राजस्व सालाना आधार पर 8.3 प्रतिशत बढ़कर 310.7 मिलियन डॉलर हो गया।

सीईओ गुओ जिओ ने कहा, हम चौथी तिमाही में अपने प्रदर्शन से खुश हैं और हमारे ग्राहक इस अनिश्चित समय को नेविगेट करने और उनकी सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी चुनौतियों से निपटने में मदद करने के लिए हमारी ओर देखते हैं।

थॉटवर्क्सि ने चौथी तिमाही में 16.1 मिलियन डॉलर की शुद्ध आय अर्जित की थी, जबकि 12 महीने पहले 16.9 मिलियन डॉलर का घाटा हुआ था।

कंपनी को चालू तिमाही में 303 मिलियन डॉलर और 305 मिलियन डॉलर राजस्व की उम्मीद है। थॉटवर्क्सच टेक कंपनियों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने हाल के महीनों में मंदी की आशंकाओं के बीच हजारों कर्मचारियों को निकाल दिया है।

व्हाट्सएप ने एंड्रॉयड बीटा पर रिपोर्ट स्टेटस अपडेट फीचर रिलीज किया

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। मेटा-स्वामित्व वाला मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप एक नया फीचर शुरू कर रहा है, जो उपयोगकताओं को एंड्रॉइड बीटा पर स्टेटस अपडेट की रिपोर्ट करने की अनुमति देगा।

वाबेटाइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, बीटा परीक्षकों को स्टेटस विकल्पों के भीतर एक नया रिपोर्ट एक्शन दिखाई देगी।

नए फीचर के साथ, उपयोगकर्ता किसी भी स्टेटस अपडेट की रिपोर्ट कर सकते हैं जो सेवा की शर्तों का उल्लंघन कर सकता है, जिसे बाद में कंपनी की मॉडरेशन टीम को भेजा जाएगा।

साथ ही, फीचर सुनिश्चित करता है कि मैसेज, मीडिया, लोकेशन शेयरिंग, कॉल और स्टेटस अपडेट सभी डिवाइस पर एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन द्वारा सुरक्षित हैं। इसका मतलब यह है कि कोई और, यहां तक कि व्हाट्सऐप, मेटा और एक प्रॉक्सी प्रदाता भी नहीं, उपयोगकताओं के व्यक्तिगत संदेशों को पढ़ सकता है और उनकी निजी कॉल सुन सकता है।

नया फीचर उपयोगी है क्योंकि यह प्लेटफॉर्म को सभी उपयोगकताओं के लिए सुरक्षित बनाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि एंड्रॉइड के लिए व्हाट्सऐप बीटा के लेटेस्ट अपडेट को प्ले स्टोर पर इंस्टॉल करने के बाद कुछ बीटा टेस्टर्स के लिए स्टेटस अपडेट की रिपोर्ट करने की क्षमता उपलब्ध है और आने वाले दिनों में और अधिक उपयोगकताओं के लिए रिलीज होने की उम्मीद है।

जनवरी में, यह बताया गया था कि मैसेजिंग प्लेटफॉर्म एंड्रॉइड बीटा के लिए इस फीचर पर काम कर रहा था।

ग्लोबल मार्केट से मिलेजुले संकेत, बॉन्ड यील्ड में बढ़त से वॉल स्ट्रीट पर दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल मार्केट से आज मिलेजुले संकेत मिलते नजर आ रहे हैं। यूएस बॉन्ड यील्ड में तेजी आने की वजह से वॉल स्ट्रीट के कारोबार पर दबाव बढ़ता नजर आ रहा है, जिसकी वजह से पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी बाजार मिलाजुला कारोबार करके बंद हुए।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के कारोबार में मिलाजुला रुख दशार्ते रहे। इसी तरह एशियाई बाजार भी आज मिलाजुला कारोबार करते नजर आ रहे हैं। भारत के 2 शेयर बाजारों के अलावा एशिया के 9 अन्य शेयर बाजारों में से 4 में गिरावट का रुख बना हुआ है, जबकि 5 हरे निशान में कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

पिछले कारोबारी सत्र के दौरान डाओ जोंस 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 32,661.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,951.39 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के अपने कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डैक 76.06 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11,379.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दरअसल यूएस बॉन्ड यील्ड में फिलहाल तेजी का रुख बना हुआ है। 10 साल के यूएस बॉन्ड यील्ड 4 प्रतिशत के स्तर को पार कर गए हैं। 2001 के बाद छोटी अवधि के बांड में भी बेहतर रिटर्न मिलता दिख रहा है। अमेरिका में ब्याज दरों में इस बार ज्यादा बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं, जिसकी वजह से छोटी और लंबी अवधि के बॉन्ड यील्ड बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। लेकिन बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी के कारण वॉल स्ट्रीट दबाव में आ गया है, जिसका असर अमेरिकी बाजार के तीनों इंडेक्स के कारोबार पर पिछले कारोबारी सत्र में भी साफ साफ नजर आया। यूरोपीय बाजार भी पिछले कारोबारी सत्र में मिले-जुले कारोबार के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,914.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर सीएसी इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,234.25 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के अपने कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत टूट कर 15,305.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी आज मिलाजुला रुख नजर आ रहा है। एसजीएक्स निफ्टी 99.50 अंक यानी 0.57 प्रतिशत टूट कर 17,420 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,226.88 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। हैंग सेंग इंडेक्स अभी तक के कारोबार में 83.18 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20,536.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 0.07 प्रतिशत कमजोर होकर फिलहाल 27,496.92 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर कोस्पी इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,432.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 15,601.15 अंक के स्तर पर बना हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.14 प्रतिशत मजबूत होकर 1,622.19 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,861.54 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,318.26 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

एक नजर

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर, कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में तेजी का रुख जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 85 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार को राजधानी में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन ब्रेंट क्रूड 0.03 डॉलर यानी 0.04 फीसदी बढ़कर 85 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 76.69 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर रहा है। घरेलू तेल कंपनियों ने लंबे समय से पेट्रोल-डीजल कीमतों में कोई फेरबदल नहीं किया है।

एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात बढ़ाने के कदम उठा रही है सरकार : अधिकारी

कोलकाता, एजेंसी। केंद्र सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से निर्यात बढ़ाने के लिए कदम उठा रही है। इसके लिए सरकार देशभर में सुविधा केंद्र स्थापित कर रही है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एमएसएमई मंत्रालय के तहत भारतीय उपक्रम विकास सेवा (आईईडीएस) के संयुक्त निदेशक डी मित्रा ने यहां एक संगोष्ठी में कहा कि निर्यात सुविधा केंद्र क्षेत्र को जरूरी परामर्श और समर्थन उपलब्ध कराएंगे। इसके अलावा ये केंद्र उद्यमियों का नेटवर्क बनाने में भी मदद करेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार संगोष्ठियों, प्रदर्शनियों और सम्मेलनों में भागीदारी के जरिये क्षेत्र के उद्यमियों की मदद करेगी, जिससे उन्हें अपने उत्पादों और सेवाओं को विपणन योग्य बनाने में मदद मिलेगी।

पीएम गतिशक्ति, लॉजिस्टिक नीति से कंपनियों को प्रतिस्पर्धी क्षमता सुधारने में मिलेगी मदद: पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और लॉजिस्टिक नीति से कंपनियों को प्रतिस्पर्धी क्षमता सुधारने और देश में निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर भूगर्भीय, पारिस्थितिकी और बुनियादी ढांचे से संबंधित विभिन्न आंकड़े उपलब्ध हैं। फिलहाल वन, वन्यजीव अभयारण्य, नदियों, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल समेत अन्य के बारे में कई स्तरों पर करीब 1,300 आंकड़े उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि गतिशक्ति योजना न केवल बुनियादी ढांचा क्षेत्र में कमियों को दूर करेगी बल्कि स्कूल, नर्सिंग होम, अस्पताल जैसे सामाजिक बुनियादी ढांचे को लेकर योजना बनाने में मदद करेगी। मंत्री ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के लिये लॉजिस्टिक लागत में कमी के लक्ष्य को हासिल करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, पीएम गतिशक्ति का अगर बेहतर तरीके से उपयोग किया गया, इससे लॉजिस्टिक लागत में उल्लेखनीय रूप से कमी लाने में मदद मिलेगी। सभी राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों को गतिशक्ति पोर्टल पर चिह्नित किया गया है। इससे बेहतर संपर्क सुविधा के निर्माण और लॉजिस्टिक परिवेश पर सकारात्मक प्रभाव सृजित करने में मदद मिलेगी। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टरप्लान 13 अक्टूबर, 2021 को शुरू की गया। इसका मकसद लॉजिस्टिक लागत में कमी लाने के लिये एकीकृत बुनियादी ढांचा विकसित करना है।

इंटेल की नेक्स्ट जेनरेशन के चिप्स विंडोज 12 को करेंगे सपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। चिप-निमार्ता इंटेल की अगली पीढ़ी के सीपीयू कथित तौर पर अभी तक घोषित विंडोज 12 का समर्थन करेंगे। द वर्ज की रिपोर्ट के मुताबिक, इंटेल के मीटियोर लेक डेस्कटॉप प्लेटफॉर्म पर विवरण हार्डवेयर लीकर एटदरेट लीफ हॉबी द्वारा खुलासा किया गया है, जो रिलीज से पहले इंटेल के एक्सॉन सीपीयू के पूर्ण स्पेसिफिकेशन्स को प्रकट करने के लिए जाना जाता है। हालांकि, ट्वीट को अब डिलीट कर दिया गया है। चिप निमार्ता ने आंतरिक रूप से उल्लेख किया है कि इसकी नेक्स्ट जेनरेशन के सीपीयू विंडोज 12 का सपोर्ट करेंगे। मीटियोर लेक में 20 पीसीआई जेनरेशन5 लेन और विंडोज 12 के लिए समर्थन शामिल होने की संभावना है। माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज 12 के लिए अपनी योजनाओं का खुलासा नहीं किया है, लेकिन पहले से ही संकेत हैं कि कंपनी विंडोज के नए वर्जन्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-संचालित सुविधाओं को एकीकृत करने का इरादा रखती है। माइक्रोसॉफ्ट के कंज्यूमर मार्केटिंग हेड, युसूफ मेहदी ने इस सप्ताह की शुरूआत में एक साक्षात्कार में कहा, जैसा कि हम विंडोज के भविष्य के संस्करणों को विकसित करना शुरू करते हैं, हम अन्य स्थानों के बारे में सोचेंगे जहां एआई को अनुभव के संदर्भ में एक स्वाभाविक भूमिका निभानी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि माइक्रोसॉफ्ट को इंटेल और एएमडी जैसे हार्डवेयर भागीदारों के साथ घनिष्ठ सहयोग करने की आवश्यकता होगी ताकि एआई वर्कलोड को संभालने वाले चिप्स का अनुकूलन किया जा सके।

भारतीय चाय को वैश्विक ब्रांड बनाने के लिए कई कदम उठाए गए: वाणिज्य मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चाय उत्पादन को बढ़ावा देने, भारतीय चाय के लिए एक विशिष्ट ब्रांड बनाने और इस उद्योग के साथ जुड़े परिवारों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारत दूसरा सबसे बड़ा चाय उत्पादक देश और काली चाय (ब्लैक टी) का सबसे बड़ा उत्पादक देश है और घरेलू आवश्यकताओं और निर्यात दायित्वों को पूरा करने के मामले में आत्मनिर्भर है। मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय चाय का विभिन्न देशों को निर्यात किया जाता है और बड़ी संख्या में घरेलू उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के अलावा यह चौथा सबसे बड़ा चाय निर्यातक देश है। चाय उद्योग 11.6 लाख श्रमिकों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार दे रहा है और इतनी ही संख्या में लोग इससे अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। मंत्रालय ने कहा है, चाय बोर्ड के माध्यम से सरकार ने 352 स्वयं सहायता समूहों, 440 किसान उत्पादक संगठनों और 17 किसान उत्पादक कंपनियों के गठन में मदद की है। प्रूनिंग मशीनों और मैकेनिकल हार्वेस्टर (मशीन से पत्तों की तुड़ाई) की खरीद के लिए सहायता दी गई है। उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए मिनी चाय कारखानों की स्थापना के अलावा बेहतर मूल्य प्राप्ति और सूचना उपलब्ध कराने के मामले में छोटे चाय उत्पादकों की मदद के लिए मोबाइल ऐप 'चाय सहयोग' का विकास किया गया है। मंत्रालय ने कहा, वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और लॉजिस्टिक चुनौतियों के बावजूद भारतीय चाय निर्यात के मामले में 88.3 करोड़ डॉलर के निर्धारित लक्ष्य का 95 प्रतिशत से अधिक भाग हासिल होने की उम्मीद है।

इंदौर टेस्ट : स्पिन के टेस्ट में भारत फेल, नौ विकेट से जीते कंगारू

इंदौर, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के तीसरे टेस्ट मैच में शुक्रवार को यहां तीन दिन के अंदर भारत को नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर चार मैचों की श्रृंखला में वापसी की और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भी अपनी जगह पक्की कर ली। ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 76 रने के लक्ष्य को एक विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। इस जीत के बाद भी ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला में 1-2 से पीछे है।

ट्रेविस हेड (नाबाद 49) और मार्नस लाबुशेन (नाबाद 28) ने पारी की शुरूआती ओवरों में मुश्किल परिस्थितियों का सामना करने के बाद 18.5 ओवरों में ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। भारत में जीत मेहमान टीमों के लिए दुर्लभ होती है और ऑस्ट्रेलिया के लिए भी यह अलग नहीं था, जिसने छह साल में भारतीय धरती पर अपनी पहली जीत दर्ज की। भारत के लिए पिछले 10 वर्षों में यह केवल तीसरी हार है। टीम को नौ मार्च से अहमदाबाद में शुरू होने वाले अंतिम टेस्ट से पहले अपनी योजनाओं पर फिर से काम करने की आवश्यकता होगी।

श्रृंखला में इस्तेमाल हुई पिचों की भी तीखी आलोचना हुई है और यह देखाना दिलचस्प होगा कि क्या भारत स्पिन के अनुकूल पिचों की प्राथमिकता को जारी रखेगा क्योंकि घरेलू टीम के बल्लेबाज भी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए बुरी तरह संघर्ष करते दिखे हैं। भारत अपनी दो पारियों में केवल 109 और 163 रन ही बना सका। ऑस्ट्रेलिया टीम जिस तरह से नागपुर और दिल्ली की दूसरी पारी लड़खडायी थी उससे लग रहा था कि शुक्रवार को पहले सत्र में कुछ भी हो सकता है।

जीत के लिए 76 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को रविचंद्रन अश्विन ने दिन की दूसरी गेंद पर उस्मान ख्वाजा को कैच आउट कराकर चमत्कार की उम्मीद जगाई। अश्विन की यह गेंद तेजी से टर्न लेते हुए ख्वाजा के बल्ले का किनारा लेते हुई विकेट कीपर कोना भरत के दस्तानों में चली गयी। स्कोर बोर्ड पर बिना किसी रन के पहला विकेट गंवाने के बाद टीम दबाव में थी लेकिन लाबुशेन ने रविंद्र जडेजा की गेंद पर चौका लगाकर दबाव कम किया।

हेड और लाबुशेन को आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है लेकिन दोनों ने बिना कोई जोखिम लिए शुरूआती 10 ओवर में सिर्फ 13 रन बनाये। पारी के 10वें ओवर में गेंद बदलने के बाद मैच का रूख ऑस्ट्रेलिया की ओर मुड़ गया। अश्विन इस गेंद से संतुष्ट नहीं थे और हेड ने उनके ओवर में चौका और छक्का जड़कर अपने इरादे जात दिये। हेड और लाबुशेन ने इसके बाद जडेजा के खिलाफ चौके लगाये और फिर मैच पर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ बन गयी। लाबुशेन ने चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया को यादगार जीत दिलायी।

इंदौर टेस्ट में भारत की हार के बाद सुनील गावस्कर बोले, भारतीय बल्लेबाजों में पिच का था खौफ

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से भारत की शर्मनाक नौ विकेट की हार के बाद महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा कि मेजबान टीम को पर्याप्त रन नहीं मिले, उनके मन में पिच को लेकर काफी सारी बातें घूम रही थी। चार मैचों की श्रृंखला में पिच की स्थिति ने सुर्खियां बटोरी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से औसत रेटिंग हासिल करने वाले नागपुर और दिल्ली टेस्ट के लिए पिच पर काफी कमेंट्स हुए। ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट में एक पारी और 132 रन से हराया था और दूसरा मैच तीन दिन के अंदर 6 विकेट से हार गया था। हालांकि, भारत ने इंदौर में तीसरे टेस्ट में स्पिन आक्रमण के खिलाफ निराशाजनक बल्लेबाजी प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया को 4 मैचों की श्रृंखला में वापसी करने और इसे 1-2 करने की अनुमति दी।

टीम ने परिस्थितियों से डटकर सामना नहीं किया: रोहित

इंदौर। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में नौ विकेट की शिकस्त को 'एक असामान्य मैच' करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि उनकी टीम ने जज्बा और संघर्ष करने की क्षमता का प्रदर्शन नहीं किया। श्रृंखला में 0-2 से पिछड़ने और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने यहां के होल्कर स्टेडियम में स्पिनरों की मददगार पिच पर यादगार जीत दर्ज करने के साथ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, जब आप चुनौतीपूर्ण पिचों पर खेल रहे होते हैं तो एक ही जगह पर गेंदबाजी कर आप दबाव बना सकते है। हमने उनके गेंदबाजों को एक जगह गेंदबाजी करने दी। उनके गेंदबाजों को भी श्रेय मिलना चाहिये, खासकर नाथन लियोन को। हमें कोशिश करनी थी और जज्बा दिखाना था लेकिन मुझे लगता है कि हम ऐसा नहीं कर सके। लियोन ने दूसरी पारी में 64 रन देकर आठ विकेट चटकाये और ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत का मार्ग प्रशस्त किया। रोहित ने कहा, आपको एक असामान्य नतीजे वाला मैच मिल सकता है जहां चीजें आपके मुताबिक नहीं होती है। लेकिन फिर भी आपको खिलाड़ियों को एकजुट कर हौसला बढ़ाने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, हम चाहते थे कि कुछ खिलाड़ी क्रीज पर समय बिताये, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हम थोड़े पीछे रह गये और हमने खुद को उस तरह से लागू नहीं किया, जैसा हम चाहते थे। रोहित ने अहमदाबाद में चौथे टेस्ट के बारे में सोचना शुरू नहीं किया है। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो हमने अभी तक इसके बारे में (अहमदाबाद टेस्ट) नहीं सोचा है। हमने अभी इस टेस्ट को समाप्त किया है इसलिए हमें फिर से एकजुट होने और प्रयास करने की आवश्यकता है। हमें यह समझने की जरूरत है कि एक टीम के रूप में सुधार करना होगा। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ जीत के लिए गेंदबाजों को श्रेय देते हुए कहा, हमारे गेंदबाजों ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया, विशेषकर (मैथ्यू) कुहनेमैन ने। भारत ने हमारी पहली पारी के आखिर में अच्छी गेंदबाजी की जिससे हम जल्दी आउट हो गये। हमें कल कड़ी मेहनत करनी पड़ी, पूजी (पुजारा) ने अच्छी पारी खेली, लेकिन हमारे सभी गेंदबाजों ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह एक पूर्ण प्रदर्शन था। स्मिथ नियमित कप्तान पैट कमिंस की जगह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। कमिंस दूसरे टेस्ट के बाद अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए स्वदेश लौट गये। स्मिथ ने कहा, हम कमिंस के बारे में सोच रहे थे। हमारी दुआएं उसके साथ है। मैंने हालांकि इस सप्ताह का वास्तव में आनंद लिया। मुझे दुनिया के इस हिस्से में कप्तानी करना पसंद है। मुझे लगता है कि मैं बहुत सारी पेचीदगियों को समझता हूं। मैन ऑफ द मैच लियोन ने कहा, यह काफी उल्लेखनीय श्रृंखला रही है। लेकिन यहां आकर टीम का अच्छा प्रदर्शन करना काफी खास था। मेरे पास हर तरह की कौशल और तरकीब नहीं हैं, लेकिन मैं अपने स्टॉक बॉल पर काफी विश्वास करता हूं।

पांड्या खेलना चाहते हैं तो उन्हें टीम में होना चाहिये : चैपल

मुंबई, एजेंसी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज इयान चैपल ने इंदौर टेस्ट में भारत की नौ विकेट की शिकस्त के बाद हार्दिक पांड्या के टीम में न होने पर सवाल उठाये हैं।

चैपल ने को ईएसपीएन क्रिकइन्फो के एक कार्यक्रम पर कहा, "मैं समझ नहीं पा रहा कि हार्दिक पांड्या टीम में क्यों नहीं है। लोग कहते रहते हैं कि वह इतनी गेंदबाजी नहीं कर सकता। लेकिन आप डॉक्टरों की बात सुन रहे हैं या क्रिकेटरों की? अगर पांड्या खेलना चाहता है तो उसे भारतीय टीम में होना चाहिये। वह एक अच्छा बल्लेबाज है। वह अच्छी गेंदबाजी करता है और फील्डर भी लाजवाब है।

उल्लेखनीय है कि पांड्या ने भारत के लिये अपना आखिरी टेस्ट 2018 में खेला था। अनुभवी हरफनमौला पांड्या सीमित ओवर क्रिकेट में भारतीय टीम का एक अभिन्न हिस्सा हैं, हालांकि पीठ की चोट से उभरने के बाद वह टेस्ट क्रिकेट के लिये पूरी तरह फिट नहीं हो सके हैं।

चैपल ने कहा कि तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत का एक कारण कैमरन ग्रीन भी रहे। उन्होंने कहा कि "जिस तरह ऑस्ट्रेलिया को एकादश में सही संतुलन बनाने के लिये ग्रीन की जरूरत है, उसी तरह भारत को पांड्या की दरकार है।

भारत पारंपरिक रूप से घरेलू टेस्ट में दो तेज गेंदबाजों के साथ खेलने के लिये जाना जाता है। इंदौर टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी के चरमराने के कारण टीम को एक और बल्लेबाज की जरूरत थी। चैपल का मानना है कि जरूरत पड़ने पर हार्दिक एक सीमर की भूमिका निभा सकते हैं और बल्ले से भी योगदान दे सकते हैं।

भारत फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है। सीरीज का चौथा और अंतिम मैच नौ मार्च से अहमदाबाद में खेला जायेगा।

आईएसएल प्लेऑफ के दौरान केरल ब्लास्टर्स के वॉकआउट पर हुआ विवाद, मैदान छोड़ भागे खिलाड़ी

एनसीआर समाचार

सुनील छेत्री ने स्वीकार किया है कि शुक्रवार को आईएसएल प्लेऑफ के दौरान केरला ब्लास्टर्स के वॉकआउट को समझाने के लिए उन्हें शब्द खोजने में परेशानी हो रही है। छेत्री की फ्री किक विवाद में घिर गई क्योंकि ब्लास्टर्स को मैदान से बाहर भेज दिया गया।

सुनील छेत्री के गोल के परिणामस्वरूप आईएसएल प्लेऑफ में केरल ब्लास्टर्स से बाहर हो गया। छेत्री ने कहा कि वह अभी भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या हुआ था। छेत्री ने कहा कि उन्होंने फ्री किक लेने से पहले रेफरी से पूछा था।

सुनील छेत्री ने स्वीकार किया है कि शुक्रवार को इंडियन सुपर लीग प्ले-ऑफ मैच में बेंगलुरू एफसी के खिलाफ केरल ब्लास्टर्स के वॉकआउट का वर्णन करने के लिए उन्हें शब्दों को खोजने में परेशानी हो रही है। इसके साथ ही छेत्री ने कहा कि वह जीत से खुश हैं और सेमीफाइनल में मुंबई सिटी एफसी से भिड़ने के लिए बेताब हैं।

मैच अंत तक समान रूप से तैयार था जब अतिरिक्त समय के पहले भाग में बेंगलुरू एफसी को फ्री-किक से सम्मानित किया गया तो विवाद छिड़ गया। छेत्री गेंद के ऊपर खड़े थे और जब ब्लास्टर्स कीपर अपनी दीवार को ठीक कर रहा था, तो उन्होंने इसे रक्षकों के ऊपर से स्कूप करने और नेट में डालने का फैसला किया। रेफरी ने बेंगलुरू एफसी को गोल दिया।

केरल के सर्बियाई कोच इवान वुकोमानोविक को यह फैसला अच्छा नहीं लगा, जिन्होंने अपने खिलाड़ियों को वापस बुला लिया और सुरंग से नीचे जाने से पहले अधिकारियों से बहस की। अधिकारियों ने बाद में पुष्टि की कि केरल ने बेंगलुरू एफसी को जीत सौंपते हुए मैच को रोक दिया था।

जायसवाल का शतक, शेष भारत जीत से आठ विकेट दूर

ग्वालियर, एजेंसी। युवा प्रतिभावान बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (144) के शानदार शतक की बदौलत शेष भारत ने ईरानी कप मैच के चौथे दिन शनिवार को मध्य प्रदेश के सामने 437 रन का लक्ष्य रखा। मध्य प्रदेश ने दिन का खेल खत्म होने से पूर्व दो विकेट गंवाकर 81 रन बना लिये।

पहली पारी में दोहरा शतक जड़ने वाले जायसवाल ने 157 गेंद पर 16 चौकों और तीन छक्कों के साथ 144 रन की पारी खेली। इसी के साथ जायसवाल एक ही ईरानी कप मैच में दोहरा शतक और शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बन गये। पहली पारी में 190 रन की बढ़त लेने वाले शेष भारत के लिये चौथे दिन की शुरूआत अच्छी नहीं रही। मध्य प्रदेश ने दिन के शुरूआती पांच ओवर में चार विकेट निकाले और शेष भारत की आधी टीम 122 रन पर पवेलियन लौट गयी।

एक तरफ जहां शेष भारत के विकेटों का लगातार पतन होता रहा, वहीं जायसवाल ने दूसरी तरफ से मोर्चा संभालकर टीम को 246 रन के स्कोर तक पहुंचाया। इसके अलावा अतीत सेठ ने 57 गेंद पर पांच चौकों और एक छक्के के साथ 30 रन बनाये, जबकि पुलकित नारंग ने 15 रन का योगदान दिया।

मध्य प्रदेश के लिये शुभम शर्मा, सारांश जैन, अंकित कुशवाह और आवेश खान ने दो-दो विकेट लिये, जबकि कुमार कार्तिकेय को एक सफलता हासिल हुई।

मध्य प्रदेश के लिये लक्ष्य का पीछा करने उतरे अरहम अकील पारी की दूसरी गेंद पर ही मुकेश कुमार का शिकार हो गये, हालांकि कप्तान हिमांशू मंत्री ने पारी को संभाल लिया।

ईरानी कप : दो पारियों में शतक और दोहरा शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बने यशस्वी

ग्वालियर, एजेंसी। युवा प्रतिभावान बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल शनिवार को ईरानी कप मैच की दोनों पारियों में शतक और दोहरा शतक जमाने वाले पहले बल्लेबाज बन गये। शेष भारत की ओर से खेल रहे जायसवाल ने मध्य प्रदेश के विरुद्ध दूसरी पारी में शतक जड़कर यह उपलब्धि हासिल की। जायसवाल ने मैच की पहली पारी में 259 गेंद पर 30 चौकों और तीन छक्कों के साथ 213 रन बनाये थे। मैच के तीसरे दिन सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल का विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने उतरे जायसवाल ने स्टंप्स तक 53 गेंद पर 58 रन बना लिये थे। एक तरफ जहां मध्य प्रदेश के गेंदबाजों ने चौथे दिन सुबह के सत्र में पांच ओवरों के भीतर चार विकेट चटकाए, वहीं जायसवाल ने नपी-तुली बल्लेबाजी करते हुए 104 गेंद में अपना शतक पूरा किया। वह इसी के साथ एक ईरानी कप संस्करण में शिखर धवन (2012-13, 332 रन) को पीछे छोड़कर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये।

एशिया कप विवाद के बीच बाबर का ध्यान विश्व कप पर

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने एशिया कप 2023 से जुड़े विवादों के बीच कहा है कि उनका ध्यान पूरी तरह से भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप पर है।

बाबर ने जियो न्यूज के साथ बातचीत के दौरान कहा, "हमारा ध्यान भारत में होने वाले विश्व कप पर है और हम वहां अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने अक्टूबर 2022 में कहा था कि भारत एशिया कप खेलने के लिये पाकिस्तान नहीं जायेगा और टूनामेंट का आयोजन किसी अन्य देश में होगा। इसके जवाब में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के तत्कालीन अध्यक्ष रमीज राजा ने कहा था कि अगर भारत एशिया कप के लिये पाकिस्तान नहीं गया तो उनकी टीम भी एकदिवसीय विश्व कप के लिये भारत का दौरा नहीं करेगी।

पीसीबी के वर्तमान अध्यक्ष ने भी राजा के बयान से सहमति जताई है, हालांकि एसीसी टूनामेंट के आयोज को लेकर फिलहाल किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है।

बाबर ने अपनी योजनाओं पर कहा, "मैं मोहम्मद रिजवान के साथ रन बनाने की कोशिश करूंगा। हमने पारी की शुरूआत करते हुए अच्छी साझेदारियां की हैं, हालांकि हर मैच में रन बनाना मुमकिन नहीं होता। जरूरी है कि सिर्फ दो खिलाड़ियों पर ही निर्भर न रहा जाये।"

बाबर इस समय पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में पेशावर जलमी की कप्तानी कर रहे हैं। उनकी टीम छह टीमों की तालिका में फिलहाल चौथे स्थान पर है।

बाबर ने अपनी टीम के पीएसएल अभियान पर कहा, "पेशावर जलमी के साथ सफर अच्छा रहा है। हमने कुछ गलतियां कीं और हम कुछ मैच जीतने में नाकाम रहे।

एक नजर

दुबई टेनिस चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे डेनियल मेदवेदेव

दुबई, एजेंसी। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव ने दुबई टेनिस चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में मेदवेदेव ने विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मेदवेदेव ने जोकोविच को एक घंटे 35 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 6-4 से हराया। खिताबी मुकाबले में जोकोविच का सामना रूसी स्टार एंड्री रुबलेव से होगा। फरवरी में, 27 वर्षीय मेदवेदेव ने रॉटरडैम और दोहा में खिताब जीता था। यदि वह फाइनल में रुबलेव को हराने में सफल होते हैं तो वह अपनी 18वीं टूर-लेवल चैंपियनशिप और 17वीं हार्ड कोर्ट टूनार्मेंट जीतेंगे। मैच जीतने के बाद मेदवेदेव ने एटीपी.कॉम के हवाले से कहा, जब आप नोवाक के खिलाफ खेलते हैं तो आपको बस अपना सर्वश्रेष्ठ खेलना होता है। उनके पास 22 ग्रैंड स्लैम हैं, इसलिए भले ही आप अपना सर्वश्रेष्ठ खेलें, लेकिन उनके खिलाफ मुकाबला हमेशा कठिन होता है। मैं उनसे उच्च स्तर पर खेलने में कामयाब रहा। दूसरे सेट में मुझे एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। मैं फाइनल में पहुंचकर खुश हूं।

सीरी ए : नेपोली ने लाजियो को 1-0 से दी मात

रोम, एजेंसी। नेपोली को अपनी जीत की लय पर ब्रेक लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि वे लाजियो से 1-0 से हार गए, जो इस सीजन में सीरी ए में उनकी पहली हार है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पाटेनोंपेई ने सीजन की शुरूआत से ही शानदार प्रदर्शन किया क्योंकि उन्होंने घरेलू लीग में केवल एक हार स्वीकार की। होम साइड ने लगातार आठ सीरी ए जीत के साथ स्टैडियो माराडोना में प्रवेश किया और 65 प्रतिशत गेंद पर कब्जे के साथ खेल पर हावी रही, लेकिन माटियास वेसिनो ने 67वें मिनट में एक गोल किया। हार के बावजूद, नेपोली अभी भी 65 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है, जबकि लाजियो अस्थायी रूप से 48 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर आ गया है।

लीपजिग को 2-1 से हराकर डॉर्टमुंड बुंडेसलीगा तालिका में शीर्ष पर

बर्लिन, एजेंसी। कप्तान मार्को रेउस और एमरे कैन के गोल से डॉर्टमुंड ने बुंडेसलीगा (जर्मनी की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) मुकाबले में शुक्रवार को लीपजिग को 2-1 से शिकस्त दी और तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। रेउस ने 21वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई जबकि कैन ने 39वें मिनट में इसे दोगुना कर दिया। लीपजिग के लिए मैच का इकलौता गोल एमिल फोर्सबर्ग ने मैच के 74वें मिनट में किया। इस जीत से डॉर्टमुंड की टीम बायर्न म्यूनिख पर तीन अंक की बढ़त के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी। डॉर्टमुंड के लिए रेउस का यह 159 वां गोल था। इससे उन्होंने माइकल जोरक के रिकॉर्ड की बराबरी की। टीम के लिए इन दोनों ज्यादा सिर्फ आदि प्रीलर (177) ने गोल किये है।

अटवाल कट से चूके, भाटिया संयुक्त 11वें स्थान पर

रियो डी ग्रांडे (प्यूर्टो रिको), एजेंसी। भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल प्यूर्टो रिको ओपन के दूसरे दौर में यहां एक अंडर 71 का कार्ड खेलने के बावजूद कट में जगह बनाने से चूक गये। अटवाल ने पहले दौर में 77 का खराब स्कोर किया था जिससे उनका कुल स्कोर चार ओवर का रहा। कार्सन यंग ने पांच अंडर 67 का कार्ड खेल और दो दौर के बाद वह चार शॉट की बड़ी बढ़त के साथ तालिका में शीर्ष पर है। उनका कुल स्कोर 14 अंडर 130 है और वह पीजीटी टूर पर अपना पहला खिताब जीतने के लिए अच्छी स्थिति में है। भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी अक्षय भाटिया अपने पहले दौर (छह अंडर) की लय को दूसरे दिन जारी नहीं रख सके। वह एक अंडर 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर फिसल गये है।

एटीएक्स ओपन टेनिस: केटी वोलिनेट्स पहली बार डब्ल्यूटीए सेमीफाइनल में

ऑस्टिन, एजेंसी। अमेरिका की टेनिस खिलाड़ी केटी वोलिनेट्स एटीएक्स ओपन के क्वार्टर फाइनल में हमवतन पीटन स्टर्न्स को 7-5 6-3 से शिकस्त देकर पहली बार डब्ल्यूटीए स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंची। इक्कीस साल की दो खिलाड़ियों के मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 92वें स्थान पर काबिज वोलिनेट्स ने शुक्रवार को पहले सेट में 5-0 की बढ़त के साथ शानदार शुरूआत की। वाइल्ड कार्ड धारी स्टर्न्स ने इसके बाद वापसी कर स्कोर को 5-5 से बराबर कर दिया। वोलिनेट्स ने हालांकि फिर से दबदबा बनाकर लगातार सात गेम जीतकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली। अगले दौर में उनके सामने 88वीं रैंकिंग की खिलाड़ी वरवारा ग्रेचेवा की चुनौती होगी। रूस की ग्रेचेवा ने 2017 यूएस ओपन चैंपियन स्लोन स्टीफेंस को 7-6 6-3 से हराया। आठवीं वरीयता प्राप्त मार्ता कोस्त्युक ने अन्ना-लीना फ्रीडसम को 7-6 6-2 से हराकर 2023 में पहली बार किसी टूनार्मेंट के अंतिम चार में जगह बनाई। अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए फाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें 2022 ऑस्ट्रेलियाई ओपन की उपविजेता डेनिएल कोलिन्स की चुनौती से पार पाना होगा। चौथी वरीयता प्राप्त कोलिन्स ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अन्ना कालिंस्काया को 3-6 6-2 6-1 शिकस्त दी।

एमिटी इंडियन नेशनल की जीत

नयी दिल्ली, एजेंसी। एमिटी इंडियन नेशनल एफसी ने शनिवार को फुटबॉल दिल्ली ए-डिवीजन लीग में हॉप्स एफसी को 2-0 से मात दी। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पर खेले गये मैच में विजेता टीम के दोनों गोल हितेश कादयान ने जमाये। ललित कुमार को मैन आफ द मैच आंका गया। ए-डिवीजन लीग के रविवार को खेले जाने वाले मैचों में गुडविल एफसी को एम 2 एम से और शक्ति एफसी को विक्ट्री क्लब से भिड़ना है। विक्ट्री और शक्ति टूनार्मेंट में अपना दूसरा मैच खेलेंगे। शक्ति को उसके पहले मुकाबले में अजमल के हाथों हार मिली थी, जबकि विक्ट्री ने भारतीय वायुसेना पालम को दो गोलों से हराकर अभियान शुरू किया था।

आईएसएल-ओडिशा एफसी और एटीके मोहन बागान के बीच होगी सेमीफाइनल के लिए जंग

कोलकाता, एजेंसी। प्लेऑफ में नियमित टीम एटीके मोहन बागान शनिवार शाम अपने घरेलू मैदान विवेकानंद युबा भारती क्रीड़ांगन में हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में नए फॉर्मेट में पेश किए गए नॉकआउट चरण के दूसरे मुकाबले में नए-नवेली क्वालीफायर ओडिशा एफसी से भिड़ेगी। हीरो आईएसएल में मैरिनर्स का यह तीसरा सीजन है और उन्होंने हर बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। वहीं, जगरनॉट्स के लिए यह नया अनुभव है और उन्हें सेमीफाइनल में स्थान पक्का करने के लिए एटीकेएमबी पर पहली बार जीत हासिल करनी होगी। ओडिशा एफसी की हालिया फॉर्म पिछले मैच से पहले तक अच्छी चल रही थी लेकिन, वो जमशेदपुर एफसी से हार गई। उस हार से पहले जगरनॉट्स लगातार चार मैचों में अपराजित रहे थे, जिसमें दो ड्रा और दो जीत शामिल हैं। उन जीत में से एक गुवाहाटी में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ आई, जो कि उनके एक मील का पत्थर थी।

अबीर-गुलाल से क्यों खेलते हैं होली?

होली हिंदुओं का प्रमुख पर्व है, जिसका इंतजार लोग बेसब्री से करते हैं, दिवाली के बाद होली भी भारत के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। ये पर्व आपसी प्रेम, हर्ष, खुशी और उत्साह का है। कहते हैं होली के दिन इंसान को सारे गिले-शिकवे मिटाकर एक-दूसरे को गले लगा लेना चाहिए और मन की नफरत और कड़वाहट होलिका दहन की अग्नि में स्वाहा कर देना चाहिए। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला ये त्योहार इस महीने की 7 और 8 मार्च को है। 7 मार्च को होलिका दहन है तो वहीं 8 मार्च को रंगों वाली होली खेली जाएगी।

आखिर राधा इतनी गोरी क्यों हैं?

होली पर अबीर और गुलाल को एक-दूसरे के गालों पर लगाने का रिवाज है, क्या कभी आपने सोचा कि आखिर ऐसा क्यों होता है? होली पर रंग क्यों खेलते हैं? नहीं, तो चलिए आपको बताते हैं इसका राज, दरअसल होली का पर्व कृष्ण -राधा के प्रेम से जुड़ा हुआ है, इसलिए इस पर्व में प्रेम और मस्ती से जोड़ते हैं। दरअसल ऐसा माना जाता है कि भगवान कृष्ण का रंग काला था और राधा का वर्ण गोरा, इस बात के लिए हमेशा कान्हा जी अपनी मां यशोदा से पूछा करते थे कि आखिर राधा इतनी गोरी क्यों हैं?

'राधा के चेहरे को गुलाल से रंग दिया'

हालांकि राधा ने कभी भी भगवान श्रीकृष्ण के रंग को लेकर कुछ नहीं कहा

लेकिन श्रीकृष्ण तो ठहरे कृष्ण ही इसलिए वो बार-बार मां यशोदा से ये बात कहा करते थे, जिस पर एक दिन मां यशोदा ने भी चुटकी ले ली और उनसे कहा कि 'ठीक है अगर तुम राधा के जैसे नहीं बन सकते तो उसे अपने जैसा बना लो और ये कहकर मां ने कृष्ण के हाथ में अबीर-गुलाल की थाल दे दी, जिसे देखते ही कृष्ण का चेहरा खिल गया और उन्होंने राधा के चेहरे को लाल-पीले, हरे गुलाल से रंग दिया। इस दौरान दोनों के बीच में काफी हंसी और ठिठौली हुई, वो दिन फाल्गुन मास की पूर्णिमा था और तब से ही ब्रज में होली मनाई जाने लगी और होली पर अबीर-गुलाल का प्रयोग शुरू हो गया, इसलिए ब्रज में होली का खास महत्व है।

कब जलेगी होलिका?

इस बार होलिका दहन 7 मार्च को है, जिसका शुभ मुहूर्त शाम 6: 24 ढट से रात 8:51 ढट तक है, यानी कि होलिका-दहन का कुल समय 2 घंटे 27 मिनट का है।

रंग खेलने से पहले

जरूर करें ये काम

रंगों वाली होली 8 मार्च को खेली जाएगी। इस दिन लोगों के घरों मे बहुत सारे पकवान बनते हैं। गुझिया इस पर्व की खास मिठाई है, जिसके बिना तो होली का त्योहार ही पूरा नहीं होता है। वैसे रंग खेलने से पहले हर किसी को पहले अबीर-गुलाल कान्हा जी और राधा जी को अर्पित करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से इंसान के परिवार में हमेशा प्रेम, मोहब्बत और अपनापन बना रहता है।

दो दिन जलेगी होली और तीन दिन बरसेगा रंग

ऐसा बहुत कम होता है कि होलिका दहन दो दिन हो लेकिन इस बार ग्रहीय स्थिति के कारण ऐसा योग बन रहा है। होलिका दहन को लेकर भ्रम की स्थिति है। शहर के कुछ स्थान पर छह मार्च को मध्य रात्रि के बाद होलिका दहन होगा और कुछ जगह सात मार्च को होलिका दहन करेंगे। ऐसी स्थिति में सात से नौ मार्च तक यानी तीन दिन रंग खेला जाएगा।

उत्थान ज्योतिष संस्थान के निदेशक पं. दिवाकर त्रिपाठी पूर्वांचली के अनुसार पूर्णिमा तिथि छह मार्च को दोपहर 3 बजकर 57 बजे शुरू हो जाएगी, जो सात मार्च को शाम 5: 40 बजे तक रहेगी। ऐसी स्थिति में पूर्णिमा तिथि रात में ही प्राप्त होगी। शास्त्रत्तें के अनुसार होलिका दहन पूर्णिमा तिथि में भद्रा नहीं होना चाहिए लेकिन इस साल मृत्युलोक की भद्रा छह मार्च, सोमवार को दिन में 3:57 से शुरू होकर मंगलवार भोर में 4:49 तक व्याप्त रहेगा।

ऐसी स्थिति में होलिका दहन छह मार्च की रात में भद्रा के पुच्छ यानी समाप्त होने की स्थिति के दौरान 12:23 से 1:35 के बीच किया जाएगा। स्नान-दान की पूर्णिमा तिथि सात को है। इस दिन उदयातिथि में भी लोग होलिका दहन करेंगे। इस तरह की स्थितियां बनती हैं तब उसका निर्णय यह होता है कि होलिका दहन में पूर्णिमा का मान अवश्य होना चाहिए।

होलिका दहन

इस वर्ष 7 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा। वहीं होलिका दहन के अगले दिन 8 मार्च को रंग खेला जाएगा। बता दें कि फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को होली का त्योहार मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु के अनन्य भक्त प्रहलाद को होलिका ने जलाने की कोशिश की थी। जिसके बाद होलिका खुद अग्नि में जल गई थी। तभी से बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक में इस त्योहार को धूमधाम से मनाया जाता है।

क्यों होती है आरती? क्या है महत्व?

आपको बता दें कि कोई भी पूजा तब तक अधूरी मानी जाती है, जब तक कि उसका समापन आरती के जरिए ना हो। आपको बता दें कि हिंदू पूजा में आरती का बहुत महत्व है। गौरतलब है कि आरती का अर्थ ही है ईश्वर को याद करना, उनकी उपासना करना और उनके प्रति आदर व्यक्त करना। आरती के जरिए भक्त अपनी पूजा में हुई भूल के लिए ईश्वर से माफी भी मांगता है। मालूम हो कि आरती शब्द संस्कृत शब्द अरात्रिका से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है वो प्रकाश , जो कि रात के अंधेरे को दूर करता है।

होली का पर्व बिना गिरिराज और राधा-रानी की आरती के पूरा नहीं होता है। इस खास पर्व पर होलिका दहन की पूजा करने के बाद विशेष रूप से इनकी आरती करनी चाहिए। ऐसा करने से इंसान के सारे कष्टों का अंत होता है और उन्हें सुख-वैभव की आरती प्राप्ति होती है और उन्हें कोई दुख-दर्द छू भी नहीं पाता है।

ओउम जय जय जय गिरिराज, स्वामी जय जय जय गिरिराज।
संकट में तुम राखौ, निज भक्तन की लाज।। ओउम जय ।।
इन्द्रादिक सब सुर मिल तुम्हरौ ध्यान धरैं।
रिषि मुनिजन यश गावें, ते भव सिन्धु तरैं।। ओउम जय ।।
सुन्दर रूप तुम्हारौ श्याम सिला सोहें।
वन उपवन लखि-लखि के भक्तन मन मोहे।। ओउम जय।।
मध्य मानसी गंग कलि के मल हरनी।
तापै दीप जलावें, उतरें वैतरनी।। ओउम जय।।
नवल अप्सरा कुण्ड सुहावन-पावन सुखकारी।
बायें राधा कुण्ड नहावें महा पापहारी।। ओउम जय।।
तुम्ही मुक्ति के दाता कलियुग के स्वामी।
दीनन के हो रक्षक प्रभु अन्तरयामी।। ओउम जय।।
हम हैं शरण तुम्हारी, गिरिवर गिरधारी।
देवकीनन्दन कृपा करो, हे भक्तन हितकारी।। ओउम जय।।
जो नर दे परिकम्मा पूजन पाठ करें।
गावें नित्य आरती पुनि नहिं जनम धरें।। ओउम जय।।

राधा-रानी की आरती

आरती श्री वृषभानुसुता की,
मंजुल मूर्ति मोहन ममता की ॥
त्रिविध तापयुत संसृति नाशिनि,
विमल विवेकविराग विकासिनि ।
पावन प्रभु पद प्रीति प्रकाशिनि,
सुन्दरतम छवि सुन्दरता की ॥
॥ आरती श्री वृषभानुसुता की..॥
मुनि मन मोहन मोहन मोहनि,
मधुर मनोहर मूरति सोहनि ।
अविरलप्रेम अमिय रस दोहनि,
प्रिय अति सदा सखी ललिता की ॥
॥ आरती श्री वृषभानुसुता की..॥
संतत सेव्य सत मुनि जनकी,
आकर अमित दिव्यगुन गनकी ।
आकर्षिणी कृष्ण तन मनकी,
अति अमूल्य सम्पति समता की ॥
॥ आरती श्री वृषभानुसुता की..॥
। आरती श्री वृषभानुसुता की ।
कृष्णात्मिका, कृष्ण सहचारिणि,
चिन्मयवृन्दा विपिन विहारिणि ।
जगजननि जग दुखनिवारिणि,
आदि अनादिशक्ति विभुता की ॥
॥ आरती श्री वृषभानुसुता की..॥
आरती श्री वृषभानुसुता की,
मंजुल मूर्ति मोहन ममता की ॥

14 साल बाद सामने आईं '3 IDIOTS' से एक्ट्रेस की LOOK TEST PICS

अब फिल्म रिलीज के करीब 14 साल बाद '3 इडियट्स' के लिए करीना कपूर के लुक टेस्ट की फोटोज सामने आई हैं। विधु विनोद चोपड़ा फिल्म्स ने बीते शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर फोटोज शेयर कीं।

करीना कपूर का अपने करियर में सबसे पसंदीदा कैरेक्टर में से एक राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' में स्मार्ट और फनी 'पिया' का रोल रहा है। करीना ने फिल्म में एक मेडिकल स्टूडेंट का रोल प्ले किया था जिसे आमिर खान यानी रैंचो से प्यार हो जाता है।

अब फिल्म रिलीज के करीब 14 साल बाद '3 इडियट्स' के लिए करीना कपूर के लुक टेस्ट की फोटोज सामने आई हैं। विधु विनोद चोपड़ा फिल्म्स ने बीते शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर फोटोज शेयर कीं।

पहली फोटो में करीना को हरे रंग के कुर्ते में और बालों को पोनीटेल में बांधे हुए दिखाया गया है। अगली फोटो में वह बैंगनी रंग की साड़ी और पतले चश्मे के साथ महाराष्ट्रियन लुक में दिखाई दे रही है। तीसरी फोटो में करीना एक कॉलेज स्टूडेंट के रूप में दिख रही हैं, उन्होंने गुलाबी रंग का टॉप, नीले रंग का दुपट्टा और कंधों पर एक बैग रखा हुआ है। चौथा लुक स्पष्ट रूप से कट नहीं कर पाया क्योंकि इसमें करीना को गुलाबी और सफेद कुर्ती पहने बॉब कट में दिखाया गया था। लास्ट पिक में, लाल रंग का हेलमेट पहने नारंगी रंग का टॉप पहने पिया के रूप में करीना का आइकॉनिक लुक दिख रहा है।

'पिया' फिल्म में एक मेडिकल छात्रा थी और इंजीनियरिंग कॉलेज के डीन बोमन ईरानी के वीरू सहस्त्रबुद्धि के तीन बच्चों में सबसे छोटी थी। वह आमिर खान के रैंचो के प्यार में पड़ जाती है लेकिन वह सालों पहले किए गए अपने वादे को पूरा करने के लिए उसे और उसके दोस्तों को पीछे छोड़ देता है। फिर भी, उसके दोस्त और पिया आखिरकार उसे सालों बाद लद्दाख में पाते हैं, जिसके साथ फिल्म की हैप्पी एंडिंग होती हा।

अंकित गुप्ता ने चंडीगढ़ में किया प्रियंका का शानदार स्वागत

केक कटिंग के बाद एक दूजे को अपने हाथों से खिलाया केक

बिग बॉस 16% स्टार प्रियंका चाहर चौधरी हाल ही में चंडीगढ़ पहुंची हैं, जहां एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत हुआ। और अंकित एक दूजे को अपने हाथों से केक भी खिलाते नजर आए।

बता दें, अंकित गुप्ता और प्रियंका चाहर चौधरी

एयरपोर्ट से निकलने के बाद टीवी सीरियल उडारियां फेम स्टार अंकित गुप्ता ने अपनी को-स्टार प्रियंका के लिए खास सरप्राइज प्लान किया। दोस्त अंकित का सरप्राइज देख एक्ट्रेस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। दोनों कई दिनों बाद एक दूजे से मिलकर बेहद खुश नजर आए। दोनों की मुलाकात की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं।

दरअसल, अंकित गुप्ता ने प्रियंका चाहर चौधरी के लिए चंडीगढ़ में एक स्पेशल सरप्राइज प्लान किया था।

अंकित ने एक्ट्रेस के स्वागत में एक खूबसूरत सा केक मंगवाया, जिसे उन्होंने अपकमिंग म्यूजिक वीडियो के सेट पर काटा। रूम को बेहद खूबसूरत तरीके से सजाया गया। केक कटिंग के बाद प्रियंका

> दोस्त अंकित का सरप्राइज देख एक्ट्रेस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। दोनों कई दिनों बाद एक दूजे से मिलकर बेहद खुश नजर आए। दोनों की मुलाकात की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं।

जल्द ही अपने अपकमिंग म्यूजिक एलबम में साथ नजर आने वाले हैं।

राखी सवांत की ऐसी हालत देख भड़कीं कश्मीरा शाह, गुस्से मे आग बबूला हो कहा- आदिल की बैंड बजा दूंगी

इन दिनों कश्मीरा शाह पति कृष्णा अभिषेक के साथ लिप लॉक कर काफी सुर्खियां बटौर रही हैं। इसी बीच कश्मीरा ड्रामा क्वीन राखी सावंत के सपोर्ट में उतरी हैं। उनका एक वीडियो है जो जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें वह राखी के पति आदिल पर भड़कती नजर आ रही हैं।

राखी के सपोर्ट में उतरी कश्मीरा शाह

पिछले कई दिनों से राखी और आदिल के बीच विवाद चल रहा है। राखी ने पति आदिल पर गंभीर आरोप लगा कर उन्हें जेल भिजवा दिया है। जिसके बाद अब उनकी दोस्त कश्मीरा शाह उनके समर्थन में नजर आ रही हैं। हाल ही में एक पार्टी में शामिल हुई कश्मीरा ने राखी के मुद्दे पर अपनी बात रखी।

आदिल पर निकाला जमकर गुस्सा

इस दौरान उन्होंने बताया, जब राखी की मां का निधन हुआ था तो वो उसमें जा नहीं पाई क्योंकि वो अमेरिका में थी। इसलिए अब वो राखी को सपोर्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने कहा कि- मैं आदिल की बैंड बजा दूंगी...उसकी हिम्मत कैसे हुई राखी के साथ ये सब करने की?

साजिद खान संग अफेयर पर सौंदर्या शर्मा का आया तगड़ा जवाब

सुर्खियों में लाने के लिए शुक्रिया

बिग बॉस 16 में कई दफा सौंदर्या शर्मा को अपने रिलेशनशिप पर सफाई देनी पड़ीं। उनका नाम गौतम विज से जुड़ा फिर उन्होंने खुलकर अपने अफेयर पर बात भी की। मगर शो से निकलने के बाद हद तो तब हो गई जब उनका नाम बिग बॉस 16 के कंटेस्टेंट और डायरेक्टर साजिद खान से जोड़ा गया। जी हां, सौंदर्या शर्मा और साजिद खान के अफेयर की खबरें इन दिनों खूब तैर रही थीं। इतना ही नहीं ट्रोलर्स ने उन्हें गोल्ड डिगर तक भी कहा। ऐसे तानों और अफवाहों से लाजिमी है कि एक्ट्रेस को गुस्सा आना लाजिमी है। अब नवभारत टाइम्स के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत में सौंदर्या शर्मा ने खुलकर इन सभी सवालों पर जवाब दिए। साजिद खान के साथ नाम जुड़ने पर सौंदर्या शर्मा ने कहा कि आजकल बहुत गलत समय है कि अगर आप किसी के साथ खड़े भी हो जाते हो तो आपका नाम जोड़ दिया जाता है। लोग भूल गए हैं कि उन्होंने बिग बॉस हाउस में भी मुझे छोटी बहन कहा था। फराह खान से मिलना जुलना भी एक फैमिली जैसा बन चुका है। मगर लोगों की बेतूकी बातें दिल दुखाती है।साजिद खान और मेरे लिए दोनों के लिए दिख दुखने वाली बात है

सौंदर्या ने कहा कि मेरी भी फैमिली है जो ऐसी बातों से आहात होती है। मैंने उनके साथ कभी काम नहीं किया। मैं उन्हें बस बिग बॉस जितना ही जानती हूं। ये मेरे लिए ही नहीं साजिद खान के लिए भी दिल दुखाने वाला है। शेखर सर की पार्टी में हम सब मिले थे तो यही सोच रहे थे कि अगली बार सबके सामने राखी बांध लेते हैं ताकि ऐसी ओछी बातें न उठाई जाए। मैं सभी को साफ कर दूं कि अफवाहों पर ध्यान न दें। वह मेरे बड़े भाई की तरह है। ऐसी फेक खबरों को न फैलाएं। एक लड़की के लिए ये सब बिल्कुल भी सही नहीं है। सफलता के लिए मुझे विवादों की जरूरत नहीं सौंदर्या शर्मा ने ये भी कहा कि मैं बेबी स्टेप्स के जरिए मैं इंडस्ट्री में अपनी जगह बना रही हूं। मैं कोई भी चीप कदम से करियर नहीं खड़ा करना चाहती। न ही मैं ऐसी हूं कि अफवाहों और विवादों के सहारे पब्लिसिटी का सहारा लिया। आप मेरी अर्चीवमेंट पर बात कीजिए सवाल कीजिए मैं सबके जवाब दूंगी लेकिन बेहूदी बातों के लिए मेरे पास कोई जगह नहीं है।

बिग बॉस 16 फेम सुंबुल तौकीर ने मुंबई में खरीदा सपनों का आशियाना

वीडियो शेयर कर फैंस को दिखाई घर की झलक

. बिग बॉस 16 कंटेस्टेंट सुंबुल तौकीर खान शो के खत्म होने के बाद भी खूब सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस को खुशी की बड़ी वजह मिली है। सुंबुल ने मुंबई नया घर खरीदा है, जिसकी झलक उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को भी दिखाई है। वीडियो शेयर कर एक्ट्रेस ने घर को डिजाइन करने के लिए फैंस से सलाह भी मांगी है।

सुंबुल तौकीर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा- नया घर..काम जारी है। अपने आईडिया जरूर दें। वीडियो में सुंबुल आर्किटेक्ट के साथ अपने घर की झलक दिखा रही हैं। उनके घर के इंटीरियर का काम चल रहा है।

सुंबुल के इस वीडियो को फैंस खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर उन्हें घर डिजाइन के लिए आईडियाज भी दे रहे हैं।

बता दें, सुंबुल तौकीर खान ने बिग बॉस 16 में अपनी अपीयरेंस से खूब सुर्खियां बटोरीं। वह घर में हिस्सा लेने वाली सबसे कम उम्र की सदस्य रहीं। अब बिग बॉस से बाहर आकर एक्ट्रेस ने नया घर खरीदा है, जिससे उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं हैं।

बेटे यात्रा और लिंगा के स्पोर्ट्स डे इवेंट में शामिल हुई ऐश्वर्या रजनीकांत, यूं की अपने बच्चों की हौसला अफजाई

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार धनुष की एक्स वाइफ ऐश्वर्या रजनीकांत अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। इन दिनों रजनीकांत की बेटी अपने बच्चों के पालन-पोषण पर पूरा ध्यान दे रही हैं। हाल ही में तमिल डायरेक्टर अपने बच्चों लिंगा और यात्रा के स्पोर्ट्स डे इवेंट में शामिल हुईं, जिसकी तस्वीरें शेयर कर उन्होंने इमोशनल नोट लिखा है। ऐश्वर्या का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है।

ऐश्वर्या रजनीकांत ने अपने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें वह स्पोर्टस डे इवेंट में बेटे यात्रा और लिंगा की हौसला अफजाई करती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर कर ऐश्वर्या ने कैप्शन में लिखा- सूर्य की कोई भी राशि... इन बच्चों की खेल भावना को नहीं रोक सकती...वे सुबह की धूप में दौड़ते और तनते थे... जबकि मैं वहां खड़ी होकर अपने बेटों की चमक का आनंद ले रही थी और मुस्कुरा रही थी। फैंस ऐश्वर्या के इस पोस्ट को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

शेरदिल शेरगिल खत्म होने के बाद काम की तलाश में सुरभि? शादी-पार्टी में डांस करने को हैं राजी

शेरदिल शेरगिल' में नजर आई अभिनेत्री सुरभि चंदना अक्सर ही किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें फैंस के साथ साझा करती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक ऐसा पोस्ट किया है, जो चर्चा का विषय बन गया है। इस पोस्ट के जरिए एक्ट्रेस शादी, पार्टी और मुंडन के लिए फैंस से एक अलग अंदाज में काम की मांग कर रही हैं।

मस्ती भरे अंदाज में दिखीं एक्ट्रेस

दरअसल, सुरभि चंदना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह ढोल की थाप पर जमकर डांस करती नजर आ रही हैं। यह एक बरात का वीडियो है, जिसमें वह अकेले डांस करने में मगन हैं। एक्ट्रेस के इस मस्ती भरे अंदाज को फैंस भी काफी पसंद कर रहे हैं। साथ ही उनके कैप्शन को भी फैंस का मजेदार रिस्पांस मिल रहा है। सुरभि ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, शादी, जन्मदिन, मुंडन या माता की चौकी, कुछ भी हो आप नाम लें... इन सबके लिए संपर्क करें।

फैंस को पसंद आ रहा अंदाज

सुरभि चंदना का यह अंदाज फैंस और सितारों को काफी पसंद आ रहा है। सभी कमेंट कर अभिनेत्री की तारीफ कर रहे हैं। कोई एक्ट्रेस के डांस की तारीफ कर रहा है, तो किसी को उनका आउटफिट पसंद आ रहा है। इसमें एक्ट्रेस ने ऑफ व्हाइट कलर की ड्रेस के साथ श्रग कैरी कर रखा है और साथ में बालों का बन बनाया हुआ है।

हाल ही बंद हुआ शो

सुरभि चंदना के करियर की बात करें तो वह हाल ही में 'शेरदिल शेरगिल' सीरियल में नजर आई हैं। शो में सुरभि का किरदार काफी अलग था। दरअसल, इस शो में सुरभि सिंगल मदर की भूमिका में थीं, जो अपने करियर को लेकर काफी ज्यादा एक्साइटेड है। इस शो में उनकी जोड़ी धीरज धूपर के बनी थी। लेकिन यह शो ज्यादा समय नहीं चल पाया और चार महीने में ही बंद हो गया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DLHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-डब्लूए 30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।